ज्येष्ठ कृष्ण - 5 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 19 ■ अंक - 299 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » मंगलवार » 28-05-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 श्रेयस अय्यर ने निराशा को पीछे छोड़ आईपीएल में लिखी सफलता की कहानी

6 अग्निकांडों ने हर भारतीय का दिल जख्मी किया

7 मनोरंजन से भरपूर होगी 'मिस्टर एंड मिसेज माही' : राज कुमार राव

फर्स्ट टेक

डीआरडीओ प्रमुख समीर वी. कामत को एक वर्ष का सेवा विस्तार मिला

नई दिल्ली/भाषा। केंद्र ने रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडओ) प्रमुख समीर वी. कामत का कार्यकाल सोमवार को एक साल के लिए बढ़ा दिया। यह जानकारी कार्मिक मंत्रालय के एक आदेश से मिली। आदेश में कहा गया है कि विख्यात वैज्ञानिक कामत को 25 अगस्त, 2022 को रक्षा अनुसंधान और विकास विभाग (डीडीआर एंड डी) का सचिव और डीआरडीओ अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। इसमें कहा गया है कि कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने डीडीआरएंडडी सचिव और डीआरडीओ अध्यक्ष के रूप में कामत की सेवा को 1 जून, 2024 से 31 मई, 2025 तक एक साल के लिए या अगले आदेश तक बढ़ाने की मंजूरी दे दी है।

एक और जासूसी उपग्रह कक्षा में भेजने का प्रयास विफल रहा : उत्तर कोरिया

सियोल/एपी। उत्तर कोरिया का एक और जासूसी उपग्रह ले जा रहे रॉकेट में सोमवार को बीच हवा में विस्फोट हो गया। उत्तर कोरिया की आधिकारिक कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी (केसीएनए) ने कहा कि देश के उत्तर-पश्चिमी अंतरिक्ष केंद्र से एक नए रॉकेट से एक जासूसी प्रक्षेपित किया गया , लेकिन संभवत: इंजन में खराबी के कारण पहले चरण की उड़ान के दौरान ही रॉकेट में विस्फोट हो गया। उत्तर कोरिया ने पिछले साल नवंबर में अपना पहला सैन्य खुफिया उपग्रह अंतरिक्ष की कक्षा में भेजा था, जिसका मकसद अमेरिका की ओर से बढ़ते सैन्य खतरों से निपटने के लिए अंतरिक्ष में निगरानी नेटवर्क स्थापित करना बताया गया था।

ईरान ने अपने संवर्धित यूरेनियम भंडार को हथियार बनाने के स्तर तक बढ़ाया

वियना/एपी। ईरान ने अपने संवर्धित यूरेनियम भंडार को हथियार बनाने के स्तर के करीब तक बढ़ा लिया है। संयुक्त राष्ट्र के परमाणु निगरानी निकाय ने सोमवार को एक गोपनीय रिपोर्ट में यह जानकारी दी। रिपोर्ट में कहा गया कि ईरान के पास अब 60 प्रतिशत की शुद्धता का 142.1 किलोग्राम संवर्धित यूरेनियम है, जो फरवरी की पिछली रिपोर्ट के बाद से 20.6 किलोग्राम की वृद्धि है। साठ प्रतिशत शुद्धता का संवर्धित यूरेनियम 90 प्रतिशत के हथियार बनाने के स्तर से बस एक कदम दूर है। ईरान में समृद्ध यूरेनियम का कुल भंडार 6201.3 किलोग्राम है, जो अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी की पिछली रिपोर्ट के बाद से 675.8 किलोग्राम की वृद्धि को दर्शाता है।

आध्यात्मिकता के मार्ग से भटकने पर कट्टरता के शिकार हो जाते हैं लोग : मुर्मू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

एक स्वस्थ व्यक्ति शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक तीनों आयामों को पूरा करता है। उन्होंने कहा कि ऐसे व्यक्ति एक स्वस्थ समाज, राष्ट्र और विश्व समुदाय का निर्माण करते हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि आध्यात्मिक सशक्तीकरण ही वास्तविक सशक्तीकरण है।

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आध्यात्मिक सशक्तीकरण को ही वास्तविक सशक्तीकरण बताते हुए सोमवार को कहा कि जब किसी धर्म या संप्रदाय के अनुयायी आध्यात्मिकता के मार्ग से भटक जाते हैं, तो वे कट्टरता और अस्वस्थ मानसिकता के शिकार हो जाते हैं। मुर्मू ने यहां ब्रह्माकुमारी द्वारा 'स्वच्छ और स्वस्थ समाज के लिए आध्यात्मिक सशक्तीकरण' की राष्ट्रीय स्तर पर शुरुआत के लिए आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, आध्यात्मिक मूल्य सभी धर्मों के लोगों को एक दूसरे से जोड़ते हैं।

राष्ट्रपति ने कहा कि दुनिया के कई हिस्सों में भय, आतंक और युद्ध को बढ़ावा देने वाली ताकतें बहुत सक्रिय हैं। मुर्मू ने कहा, ऐसे माहौल में ब्रह्माकुमारी संस्थान ने 100 से अधिक देशों में कई केंद्रों के माध्यम से मानवता के सशक्तीकरण के लिए एक प्रभावी मंच प्रदान किया है। यह आध्यात्मिक मूल्यों को बढ़ावा देकर सार्वभौमिक भाईचारे को मजबूत करने का एक अमूल्य प्रयास है।

राष्ट्रपति ने कहा कि विश्व इतिहास का स्वर्णिम अध्याय और राष्ट्रों का इतिहास हमेशा आध्यात्मिक मूल्यों पर आधारित रहे हैं। उन्होंने कहा, विश्व इतिहास इस तथ्य का गवाह है कि आध्यात्मिक मूल्यों की उपेक्षा करना और केवल भौतिक प्रगति का मार्ग अपनाना अंततः विनाशकारी साबित हुआ है। स्वस्थ मानसिकता के आधार पर ही समग्र कल्याण संभव है।

मुर्मू ने कहा कि वास्तव में एक स्वस्थ व्यक्ति शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक तीनों आयामों को पूरा करता है। उन्होंने कहा कि ऐसे व्यक्ति एक स्वस्थ समाज, राष्ट्र और विश्व समुदाय का निर्माण करते हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि आध्यात्मिक सशक्तीकरण ही वास्तविक सशक्तीकरण है। राष्ट्रपति भवन द्वारा जारी एक बयान में मुर्मू के हवाले से कहा गया, जब किसी धर्म या संप्रदाय के अनुयायी आध्यात्मिकता के मार्ग से भटक जाते हैं, तो वे कट्टरता और अस्वस्थ मानसिकता के शिकार हो जाते हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि स्वार्थ की भावना से ऊपर उठकर लोक कल्याण की भावना से काम करना आंतरिक आध्यात्मिकता की सामाजिक अभिव्यक्ति है।

केजरीवाल ने अंतरिम जमानत बढ़ाने का न्यायालय से अनुरोध किया

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अचानक अपना वजन छह से सात किलोग्राम कम हो जाने के चलते कई चिकित्सकीय जांच कराने के लिए उच्चतम न्यायालय से अंतरिम जमानत की अवधि सात दिन बढ़ाने का अनुरोध किया है। केजरीवाल ने 26 मई को दायर अपनी याचिका में कहा है कि वह जेल लौटने के लिए न्यायालय द्वारा निर्धारित की गई तिथि दो जून के बजाय नौ जून को आत्मसमर्पण करना चाहते हैं।

सूत्रों के अनुसार, ''अपीलार्थी ने अपनी अंतरिम जमानत एक हफ्ते बढ़ाने का अनुरोध किया है, जिस दौरान वह चिकित्सकीय जांच कराएंगे और उसकी रिपोर्ट प्राप्त करेंगे। वह तीन जून (सोमवार) से सात जून (शुक्रवार) तक ये जांच कराएंगे और फिर उसी हफ्ते के अंत में नौ जून को आत्मसमर्पण कर देंगे।''

कांग्रेस के पाकिस्तान से 'मधुर संबंध' रहे हैं : अनुराग ठाकुर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हमीरपुर/भाषा। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने सोमवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस के पाकिस्तान के साथ 'मधुर संबंध' रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस आजादी के बाद से रक्षा सौदों में भ्रष्टाचार में शामिल रही है।

हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर में चुनावी रैलियों को संबोधित करते हुए भाजपा नेता ने कहा, ''वे (कांग्रेस) भारत में रहते हुए पाकिस्तान की प्रशंसा करने के लिए मजबूर क्यों महसूस करते हैं? एक विशेष वोट बैंक को खुश करने के लिए भारतीय चुनाव के दौरान पाकिस्तान की प्रशंसा करना किस तरह की घृणित राजनीति है?''

ठाकुर ने आरोप लगाया कि विभाजन के 75 साल बाद भी 'कांग्रेस के तार अब भी पाकिस्तान से जुड़े हुए हैं' और उन्होंने नियंत्रण रेखा के पार जाकर 2016 में किए गए 'लक्षित हमले' के सबूत मांगने के लिए पार्टी पर हमला बोला। उन्होंने हैरानी व्यक्त करते हुए कहा, कांग्रेस के बार-बार पाकिस्तान के साथ मधुर संबंध क्यों सामने आते हैं?

स्वाति मालीवाल मारपीट मामला

अदालत ने बिभव कुमार की जमानत याचिका खारिज की

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की एक अदालत ने सोमवार को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के करीबी सहयोगी बिभव कुमार की जमानत याचिका खारिज कर दी, जिन पर मुख्यमंत्री आवास पर आम आदमी पार्टी की सांसद स्वाति मालीवाल के साथ मारपीट करने का आरोप है। अदालत ने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि मालीवाल ने प्राथमिकी दर्ज कराने में कोई ''पूर्व-चिंतन'' नहीं किया था और उनके आरोपों को ''खारिज नहीं किया जा सकता।'' तीस हजारी अदालत के अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश सुशील अनुज त्यागी ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद मुख्यमंत्री के निजी सहायक कुमार की जमानत याचिका खारिज कर दी। न्यायाधीश ने कहा, ''पीड़िता द्वारा लगाए गए आरोपों को खारिज नहीं किया जा सकता है। केवल प्राथमिकी दर्ज कराने में देरी से मामले पर ज्यादा असर नहीं पड़ेगा क्योंकि चार दिनों के बाद भी मेडिकल रिपोर्ट में चोटें स्पष्ट रूप से दर्ज हुई हैं।'' अदालत ने कहा कि जांच अभी शुरुआती चरण में है और गवाहों को प्रभावित करने या सबूतों से छेड़छाड़ की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता।

मुंबई बुलेट ट्रेन स्टेशन से 21 कि.मी. लंबी सुरंग का निर्माण कार्य तेज

अहमदाबाद/वार्ता। मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना के लिये घनसोली में 394 मीटर की अतिरिक्त संचालित मध्यवर्ती सुरंग (एडीआईटी) की खुदाई की गयी है। इससे महाराष्ट्र में बीकेसी और शिलफाटा के बीच 21 कि.मी. लंबी सुरंग के निर्माण में तेजी आयेगी। नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) की ओर से सोमवार को यहां जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार मुंबई बुलेट ट्रेन स्टेशन से महाराष्ट्र राज्य में शिलफाटा तक लगभग 21 कि.मी. लंबी सुरंग से संबंधित निर्माण गतिविधियां तेज गति से चल रही हैं।

भूस्खलन के कारण 2,000 लोग जिंदा दफन हुए : पापुआ न्यू गिनी सरकार

मेलबर्न/एपी। पापुआ न्यू गिनी सरकार ने कहा है कि शुक्रवार को हुए भूस्खलन के कारण ''2,000 से अधिक लोग जिंदा दफन'' हो गए है। सरकार ने बताया कि उसने राहत कार्यों के लिए औपचारिक रूप से अंतरराष्ट्रीय मदद मांगी है। इससे पहले अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन (आईओएम) ने पापुआ न्यू गिनी में बड़े पैमाने पर हुए भूस्खलन से 670 लोगों की मौत होने की आशंका जताई थी। सरकार का आंकड़ा संयुक्त राष्ट्र की इस एजेंसी के आंकड़ों से करीब तिगुना है। संयुक्त राष्ट्र के स्थानीय समन्वयक को रविवार को लिखे गए एक पत्र में दक्षिण प्रशांत द्वीप राष्ट्र के राष्ट्रीय आपदा केंद्र के कार्यवाहक निदेशक ने कहा कि भूस्खलन में ''2000 से अधिक लोग जिंदा दफन हो गए'' और ''बड़ा विनाश'' हुआ। भूस्खलन के बाद से हताहत हुए लोगों की संख्या का अनुमान व्यापक रूप से अलग-अलग है और अभी यह स्पष्ट नहीं है कि अधिकारियों ने पीड़ितों की संख्या कैसे गिनी। ऑस्ट्रेलिया ने पापुआ न्यू गिनी में भूस्खलन स्थल पर मदद के लिए विमान और अन्य उपकरण भेजने की सोमवार को तैयारी की। पापुआ न्यू गिनी के पहाड़ी इलाकों में रात भर हुई बारिश के बाद यह आशंका पैदा हो गई है कि जिस कई टन मलबे में सैकड़ों ग्रामीण दबे हैं, वह खतरनाक रूप से अस्थिर हो सकता है।

सिद्दरामैया ने प्रधानमंत्री मोदी पर कसा तंज, पूछा

क्या वह ईश्वरीय अवतार हैं?

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की कथित 'भगवान का भेजा हुआ' टिप्पणी को लेकर उन पर कटाक्ष किया और हैरानी जताई कि क्या वह ईश्वरीय अवतार हैं। उन्होंने यह भी कहा कि इतने विविधता वाले इस देश को 'हिंदू राष्ट्र' में बदलने का दावा संभव नहीं है।

मुख्यमंत्री प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की पुण्यतिथि के मौके पर प्रदेश कांग्रेस द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में बोल रहे थे। सिद्दरामैया ने पूछा, नरेन्द्र मोदी अब कहते हैं कि उन्हें भगवान ने भेजा था। विडंबना देखिए, वह कहते हैं-भगवान ने मुझे 2047 तक विकसित भारत बनाने के लिए भेजा है। क्या वह भगवान के अवतार हैं? उन्होंने कहा, एक भी दिन उन्होंने गरीबों, दलितों, पिछड़े वर्गों, अल्पसंख्यकों और बेरोजगारों के लिए कोई कार्यक्रम शुरू नहीं किया। सभी के बीच समानता होनी चाहिए और सभी के लिए समान अवसर होना चाहिए... क्या उन्होंने इसे हासिल करने के लिए प्रयास किए हैं?

जाने वाली है कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की नौकरी : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कुशीनगर/बलिया/चंदौली (उप्र)/भाषा। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को दावा किया कि चार जून को लोकसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद कांग्रेस की हार का ठीकरा पार्टी नेताओं राहुल गांधी और उनकी बहन प्रियंका गांधी वाड्रा पर नहीं बल्कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे पर फूटेगा और उनकी नौकरी जाने वाली है।

शाह ने कुशीनगर, सलेमपुर और चंदौली लोकसभा सीटों से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) उम्मीदवारों के समर्थन में आयोजित चुनावी रैलियों को सम्बोधित किया।

गृह मंत्री ने दावा किया कि इस लोकसभा चुनाव के बाद भी नरेन्द्र मोदी ही प्रधानमंत्री बनेंगे और कांग्रेस के लोग इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) को दोष देंगे। उन्होंने कहा, ''चार जून को मोदी जी की, भाजपा की विजय निश्चित है। चार तारीख की दोपहर को आप देखना, राहुल बाबा के लोग प्रेस कांफ्रेंस करेंगे कि हम ईवीएम के कारण हार गये। हार का ठीकरा भाईबहन (राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा) पर नहीं फूटेगा। यह ठीकरा खरगे साहब पर फूटेगा और उनकी नौकरी जाने वाली है।''

शाह ने दावा किया, ''छह चरण का चुनाव समाप्त हो गया है। मेरे पास पांच चरण का आंकड़ा है। पांच चरण में मोदी जी 310 सीटें जीत चुके हैं। छठा चरण हो गया है। अब सातवां होने वाला है। आप लोगों को 400 पार कराना है।''

उन्होंने दावा किया, ''मैं चार तारीख का परिणाम बताता हूं। राहुल बाबा, आपकी पार्टी को 40 सीटें भी नहीं मिलेंगी और अखिलेश बाबू (समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव) आपके प्रति सहानुभूति से मैं बात करूं तो आपकी चार सीटें भी नहीं आ रही हैं।''

सत्ता में आने पर अग्निपथ योजना रद्द करेंगे : राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बख्तियारपुर/पालीगंज/जगदीशपुर (बिहार)/भाषा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने सोमवार को दावा किया कि अगर विपक्षी गठबंधन ''इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस'' (इंडिया) सत्ता में आएगा तो सेना में अल्पकालिक भर्ती की अग्निपथ योजना को रद्द कर दिया जाएगा और प्रत्येक महिला के खाते में प्रति माह 8,500 रुपये जमा किए जायेंगे ।

बिहार के पटना साहिब संसदीय क्षेत्र के बख्तियारपुर, पाटलिपुत्र के पालीगंज एवं आरा के जगदीशपुर में महागठबंधन प्रत्याशियों के पक्ष में चुनावी रैलियों को संबोधित करते हुए राहुल ने कहा, ''बिहार और उत्तर प्रदेश में इंडिया गठबंधन का तूफान आ रहा है। नरेंद्र मोदी हिंदुस्तान के प्रधानमंत्री नहीं बनने जा रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''नरेंद्र मोदी ने नोटबंदी-जीएसटी लागू करके रोजगार के रास्ते बंद किए और सेना में अग्निपथ योजना लागू करके जवानों को मजदूर बना दिया। चार जून को जब 'इंडिया' गठबंधन की सरकार बनेगी तो अग्निपथ योजना को रद्दकर हम कूड़ेदान में फेंकने जा रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''यह नरेन्द्र मोदी की योजना है, सेना इस योजना को नहीं चाहती है, यह ऊपर से थोपी गई है और हमारा पहला काम अग्निपथ योजना को रद्दकर कूड़ेदान में फेंकने का होगा।''

चक्रवात 'रेमल' कहर:

बंगाल में छह लोगों की मौत, 29 हजार से ज्यादा घर क्षतिग्रस्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल में चक्रवाती तूफान 'रेमल' से 24 प्रखंड और 79 नगरपालिका वार्ड में करीब 29,500 घर आंशिक या पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए हैं, जिनमें से अधिकतर दक्षिणी तटीय इलाकों में हैं। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इसके अलावा राज्य के विभिन्न हिस्सों में 2,140 से अधिक पेड़ उखड़ गए और लगभग 1,700 बिजली के खंभे गिर गए।

शुरुआती आकलन से संकेत मिला है कि 27,000 घर आंशिक रूप से और 2,500 पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए हैं। अधिकारी ने कहा कि ये आंकड़े बढ़ सकते हैं, क्योंकि आंकड़े जुटाने और क्षति का अनुमान लगाने के साथ मूल्यांकन जारी है।

अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''संभवत: आंकड़े बदल जाएंगे, क्योंकि मूल्यांकन प्रक्रिया अभी भी पूरी नहीं हुई है। जिलों से आंकड़े जुटाए जा रहे हैं और नुकसान के अनुमान की गणना की जा रही है।'' उन्होंने बताया कि प्रशासन ने 2,07,060 लोगों को 1,438 सुरक्षित आश्रयों में पहुंचा दिया है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में वहां 77,288 लोग हैं। उन्होंने कहा, ''कुल मिलाकर, इस समय 341 रसोई के माध्यम से उन्हें खाना पहुंचाया जा रहा है। हमने तटीय और निचले इलाकों में प्रभावित लोगों को 17,738 तिरपाल वितरित किए हैं।''

प्रभावित क्षेत्रों में काकद्वीप, नामखाना, सागर द्वीप, डायमंड हार्बर, फ्रेजरगंज, बक्खली और मंदारमनी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि चक्रवात के कारण तटबंधों में मामूली दरारें आ गई थीं, जिनकी

27-05-2024 सूर्यास्त 6:41 बजे		28-05-2024 सूर्योदय 5:52 बजे	
BSE 75,410.39 (-7.65)		NSE 22,957.10 (-10.55)	
सोना 7,458 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम		चांदी 91,797 रु. प्रति किलो	

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

आखिरी सच

गुटबंधन से गठबंधन तक,
घट-घट में आशंका है।
जिसको भी घर भेदी मिलते,
उसने लूटी लंका है।
सपनों के मंदिर के आगे,
टँगा मतलबी टंका है।
जो जीता बस वही सिकंदर,
बजता उसका डंका है।।

राजकोट 'गेम जोन' का साझेदार गिरफ्तार, मामले में तीसरी गिरफ्तारी

राजकोट/भाषा। गुजरात के राजकोट में एक 'गेम जोन' में आग लग जाने पर बच्चों सहित 27 लोगों की मौत होने के मामले में पुलिस ने सोमवार को एक और व्यक्ति को गिरफ्तार किया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। राजकोट के पुलिस उपायुक्त (अपराध) पार्थराजसिंह गोहिल ने कहा, ''राजकोट पुलिस ने गेम जोन का संचालन करने वाली रेसवे इंटरप्राइज के एक साझेदार राहुल राठौर को गिरफ्तार किया है। मामले में गिरफ्तार किया गया वह तीसरा आरोपी है।''

पुलिस ने घटना के सिलसिले में दो व्यक्तियों को इससे पहले गिरफ्तार किया था। घटना के सिलसिले में टीआरपी 'गेम जोन' के छह साझेदारों के खिलाफ गैर इरादतन हत्या के आरोपों के तहत एक प्राथमिकी दर्ज की गई है।

राजकोट तालुका पुलिस ने मामले में धवल कॉरपोरेशन के मालिक धवल ठक्कर, और रेसवे इंटरप्राइज के साझेदार अशोक सिंह जडेजा, किरितसिंह जडेजा, प्रकाशचंद हिरन, युवराजसिंह सोलंकी तथा राहुल राठौर को आरोपी बनाया है। रविवार को पुलिस ने एक साझेदार युवराजसिंह सोलंकी और मनोरंजन स्थल के प्रबंधक नितिन जैन को गिरफ्तार किया था। अधिकारी ने कहा कि तीनों आरोपियों को शाम में अदालत में पेश किये जाने की संभावना है।

'गेम जोन' आग मामला: अदालत ने राजकोट नगर निकाय को फटकार लगायी; कहा, राज्य मशीनरी पर भरोसा नहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। गुजरात उच्च न्यायालय ने 'गेम जोन' में लगी आग से 27 लोगों की मौत को लेकर सोमवार को राजकोट नगर निकाय को कड़ी फटकार लगाते हुए कहा कि अब उसका राज्य मशीनरी पर से भरोसा उठ गया है जो केवल तब हरकत में आती है जब मासूम लोगों की जान चली जाती है।

अदालत ने 'गेम जोन' के संचालन में कथित खामी को लेकर राजकोट नगरपालिका परिषद (आरएमसी) को आड़े हाथ लेते हुए पूछा कि जब उसके क्षेत्र के अंतर्गत इस तरह का बड़ा ढांचा तैयार किया जा रहा था तब क्या उसने आंखें मूंद रखी थीं? अदालत ने यह टिप्पणी आरएमसी के वकील के अदालत में यह कहने पर की कि टीआरपी 'गेम जोन' ने अपेक्षित अनुमति नहीं मांगी थी। न्यायमूर्ति बीरेन वैष्णव और न्यायमूर्ति देवन देसाई की विशेष पीठ ने पूछा कि क्या नगर निकाय एक जनहित याचिका पर आग से सुरक्षा संबंधी पारित आदेशों को 18 महीने तक दबाए बैठा रहा। विशेष पीठ 'गेम जोन' में आग लगने की घटना पर स्वत: संज्ञान वाली जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही थी। एक दिन पहले उच्च न्यायालय ने इस घटना को प्रथम दृष्टया 'मानव जनित आपदा' करार दिया था।

अदालत ने यह भी कहा कि 2021 में टीआरपी गेम जोन की स्थापना के समय से लेकर इस घटना (25 मई को) तक, राजकोट के सभी नगर निगम आयुक्तों को 'इस त्रासदी के लिए जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए' और उन्हें अलग-अलग शपथ पत्र प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। राजकोट के नाना-मावा इलाके में शनिवार शाम टीआरपी 'गेम जोन' में आग लगने से बच्चों समेत 27 लोगों की मौत हो गई थी। अधिकारियों के मुताबिक, 'गेम जोन' आग से जुड़े एनओसी (अनापत्ति प्रमाण पत्र) के बिना संचालित किया जा रहा था।

उच्च न्यायालय ने रविवार को आग के कारण घटी इस त्रासदी पूर्ण घटना का स्वत: संज्ञान लेते हुए इसे प्रथम दृष्टया 'मानव जनित आपदा' करार दिया। एक वकील ने सोमवार को अदालत को बताया कि दुर्भाग्यपूर्ण घटना के लिए तत्काल निवारक और सुधारात्मक उपायों की आवश्यकता है और राज्य सरकार को एक व्यक्ति को जवाबदेह ठहराने के लिए आगे आना होगा और इसके लिए सख्त कदम उठाने की दरकार है। इस पर अदालत ने कहा, ''इतने सख्त कदम कौन उठाएगा? ईमानदारी से कहूं तो अब हमें राज्य मशीनरी पर भरोसा नहीं रहा। इस अदालत के आदेश के चार साल बाद, उन्हें निर्देश देने के बाद, उनके आश्वासन के बाद, यह घटित होने वाली छठी घटना है।'' अदालत ने कहा कि वे केवल यही चाहते हैं कि जिंदगियां चली जाएं और फिर मशीनरी को काम पर लगाएं।

आरएमसी के वकील की इस दलील पर कि 'गेम जोन' ने अपेक्षित अनुमति के लिए अधिकारियों के पास आवेदन नहीं किया था, अदालत ने पूछा कि क्या नगर निकाय अपने अधिकार क्षेत्र के तहत इतनी बड़ी संरचना के प्रति आंखें मूंदे रहा। अदालत ने कहा, '' इतना बढ़ा ढांचा खड़ा था, आपको दिख नहीं रहा था? आपको पता नहीं था?''

राजकोट 'गेम जोन' आग मामला : सात अधिकारी निलंबित

अहमदाबाद/भाषा। गुजरात सरकार ने राजकोट स्थित 'गेम जोन' में आग लगने की घटना के मामले में सात अधिकारियों को निलंबित करने का सोमवार को आदेश दिया। 'गेम जोन' में शनिवार शाम भीषण आग लगने से 27 लोगों की मौत हो गई थी।

एक सरकारी विज्ञप्ति में कहा गया है कि इन अधिकारियों को ''आवश्यक स्वीकृति के बिना इस 'गेम जोन' का संचालन होने देने में घोर लापरवाही का'' जिम्मेदार ठहराया गया है। संबंधित विभागों द्वारा पारित आदेशों के अनुसार, इससे पहले दिन में राजकोट नगर निगम (आरएमसी) के नगर नियोजन विभाग के सहायक अभियंता जयदीप चौधरी, आरएमसी के सहायक नगर योजनाकार गौतम जोशी, राजकोट सड़क एवं भवन विभाग के उप कार्यकारी अभियंता एम आर सुमा एवं पारस कोठिया और पुलिस निरीक्षक वी आर पटेल और एन आई राठौड़ शामिल हैं। आरएमसी ने बाद में आरएमसी के कलावड रोड दमकल स्टेशन के 'स्टेशन अधिकारी' रोहित विगोरा को निलंबित करने का आदेश दिया।

आरबीआई का रिकॉर्ड लाभांश भुगतान 0.6 प्रतिशत जीडीपी के बराबर: फिच

नई दिल्ली/भाषा। फिच रेटिंग्स ने सोमवार को कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की सरकार को रिकॉर्ड लाभांश देने की घोषणा सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 0.6 प्रतिशत के बराबर है लेकिन इस उच्च प्रतिशत के बरकरार रह पाने की संभावना बहुत कम है।

आरबीआई के निदेशक मंडल ने पिछले सप्ताह वित्त वर्ष 2023-24 में अर्जित मुनाफे में से सरकार को रिकॉर्ड 2.1 लाख करोड़ रुपये का लाभांश हस्तांतरित करने का निर्णय लिया था। यह अंतरिम बजट में निर्धारित 1.02 लाख करोड़ रुपये के अनुमान के दोगुने से भी अधिक है। फिच ने बयान में कहा कि आरबीआई को पिछले वित्त वर्ष में अधिक लाभ होने के पीछे विदेशी परिसंपत्तियों पर उच्च ब्याज राजस्व की भूमिका नजर आती है। हालांकि, केंद्रीय बैंक ने अभी तक इस बारे में कोई ब्योरा नहीं दिया है।

रेटिंग एजेंसी ने कहा, ''आरबीआई ने जीडीपी के 0.6 प्रतिशत के बराबर राशि सरकार को रिकॉर्ड-उच्च लाभांश के रूप में देने की घोषणा की। यह वित्त वर्ष 2024-25 के अंतरिम बजट में अपेक्षित जीडीपी के 0.3 प्रतिशत से अधिक है। इससे अधिकारियों को अल्पावधि के घाटे में कटौती के लक्ष्यों को पूरा करने में मदद मिलेगी।'' फिच ने कहा कि रिजर्व बैंक से सरकार को लाभांश हस्तांतरण विभिन्न कारकों पर निर्भर करता है जिनमें केंद्रीय बैंक की बैलेंस शीट और भारत की विनिमय दर पर मौजूद संपत्तियों का आकार और प्रदर्शन शामिल हैं। इसके साथ ही यह बैलेंस शीट में बफर रखने से संबंधित आरबीआई की राय से भी प्रभावित हो सकता है। फिच ने कहा, ''हस्तांतरण की संभावित अस्थिरता का मतलब है कि उनके मध्यम अवधि के मार्ग के बारे में खासी अनिश्चितता है। हम यह अनुमान नहीं लगा पाते हैं कि जीडीपी के हिस्से के रूप में लाभांश इतने उच्चस्तर पर कायम रहेगा।'' हालांकि, इस अप्रत्याशित लाभांश हस्तांतरण से चालू वित्त वर्ष के लिए राजकोषीय घाटे को जीडीपी के 5.1 प्रतिशत पर रखने के लक्ष्य करे हासिल किया जा सकेगा और इसका उपयोग मौजूदा लक्ष्य से परे घाटे को कम करने के लिए किया जा सकता है।

एलआईसी का शुद्ध लाभ चौथी तिमाही में दो प्रतिशत बढ़कर 13,763 करोड़ रुपये

नई दिल्ली/भाषा। सार्वजनिक क्षेत्र की भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का शुद्ध लाभ मार्च, 2024 को समाप्त बीते वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में दो प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 13,763 करोड़ रुपये रहा है। बीमा कंपनी को इससे पूर्व वित्त वर्ष 2022-23 की इसी तिमाही में 13,428 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। एलआईसी ने सोमवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि उसकी कुल आय बीते वित्त वर्ष 2023-24 की जनवरी-मार्च तिमाही में बढ़कर 2,50,923 करोड़ रुपये रही जो इससे पूर्व पित्त वर्ष की इसी तिमाही में 2,00,185 करोड़ रुपये थी। कंपनी की पहले साल की प्रीमियम आय भी मार्च, 2024 को समाप्त तिमाही में सुधरकर 13,810 करोड़ रुपये रही, जो एक साल पहले इसी तिमाही में 12,811 करोड़ रुपये थी। पूरे वित्त वर्ष 2023-24 में एलआईसी का शुद्ध लाभ 40,676 करोड़ रुपये रहा, जो इससे पूर्व वित्त वर्ष में 36,397 करोड़ रुपये था।

स्पाइसजेट से केएएल एयरवेज, कलानिधि मारन मांगेंगे 1,323 करोड़ रुपये का हर्जाना

नई दिल्ली/भाषा। केएएल एयरवेज और कलानिधि मारन ने सोमवार को कहा कि वे स्पाइसजेट और उसके प्रमुख अजय सिंह से 1,323 करोड़ रुपये से अधिक का हर्जाना मांगेंगे। साथ ही दोनों पक्षों के बीच जारी विवाद मामले में दिल्ली उच्च न्यायालय के हाल के आदेश को चुनौती देंगे। अदालत की खंडपीठ ने 17 मई को एकल न्यायाधीश की पीठ के आदेश को रद्द कर दिया। आदेश में मध्यस्थता न्यायाधिकरण के उस निर्णय को बरकरार रखा गया था, जिसमें स्पाइसजेट और उसके प्रवर्तक अजय सिंह को ब्याज के साथ 579 करोड़ रुपये मारन को वापस करने के लिए कहा गया था।

पीठ ने 31 जुलाई, 2023 को पारित एकल न्यायाधीश के आदेश को चुनौती देने वाली सिंह और स्पाइसजेट की अपील को स्वीकार कर लिया और मध्यस्थता न्यायाधिकरण को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर नये सिरे से विचार करने के लिए मामले को संबंधित अदालत में वापस भेज दिया। इस संदर्भ में, मारन और उनकी कंपनी केएएल एयरवेज ने अपने कानूनी सलाहकार से परामर्श के बाद फैसले को चुनौती देने का निर्णय किया है। केएएल एयरवेज और मारन का मानना है कि उपरोक्त निर्णय में खामियां हैं और आगे इसपर जांच की आवश्यकता है। केएएल एयरवेज ने सोमवार को बयान में कहा वे 1,323 करोड़ रुपये से अधिक का हर्जाना भी मांग रहे हैं। इसका निर्धारण ब्रिटेन की एफटीआई कंसल्टिंग एलएलपी ने किया है।

मोदी सरकार ने पिछले एक दशक में बजट को बनाया समान वितरण का जरिया : सीतारमण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अगुवाई वाली सरकार ने पिछले 10 साल में केंद्रीय बजट की रूपरेखा बदल दी है। पहले यह केवल खर्चों का लेखा-जोखा होता था लेकिन मोदी सरकार ने इसे लोगों के बीच समान वितरण के लिए एक रणनीतिक खाके में तब्दील किया है।

वित्त मंत्री ने साथ ही इस बात पर जोर दिया कि भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए सुधारों की गति जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि सरकार करदाताओं की मेहनत की कमाई के मूल्य तथा प्रभाव को अधिकतम करना जारी रखेगी ताकि इसका लाभ सभी तक पहुंचाने के लिए इसका सर्वोत्तम इस्तेमाल सुनिश्चित किया जा सके। सीतारणम ने कहा कि मोदी सरकार ने अपनी बजट प्रथाओं और आंकड़ों में पारदर्शिता को प्राथमिकता दी है। पारदर्शी बजट वाले देशों को अक्सर अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) और विश्व बैंक जैसे अंतरराष्ट्रीय निकायों द्वारा अधिक अनुकूल नजरिये से देखा जाता है। इससे वैश्विक भरोसे में सुधार हो सकता है। सीतारमण ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर सिलसिलेवार पोस्ट में लिखा, '' यह कांग्रेस नीत संप्रग (संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन) सरकार की 'ऑफ-बजट' उधारी और 'ऑयल बॉन्ड' जारी करने के जरिये घाटे को छिपाने की दोहरायी जाने वाली प्रथा के बिल्कुल विपरीत है, जिसने कुछ हद तक राजकोषीय बोझ को भविष्य की पीढ़ियों पर स्थानांतरित कर दिया। संप्रग के तहत बजट आंकड़ों को अनुकूल दिखाने के लिए मानक राजकोषीय प्रथाओं को नियमित रूप से बदला गया।'' उन्होंने कहा कि पिछले दशक में पुरानी बाधाओं और प्रथाओं को पीछे छोड़ते हुए केंद्रीय बजट की विश्वसनीयता में काफी सुधार देखा गया है। सीतारमण ने कहा, हमारी सरकार ने बजट को केवल खर्चों के रिकॉर्ड से बदलकर समान विकास के रणनीतिक खाके में बदल दिया है।

'अमित शाह ने पंजाब की आप सरकार गिराने की धमकी दी, ये तानाशाही है'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर लोकसभा चुनाव के बाद पंजाब में भगवंत मान नीत सरकार को गिराने की धमकी देने का आरोप लगाया और कहा कि ये ''तानाशाही'' है। शाह ने रविवार को लुधियाना में एक चुनावी रैली में लोगों से लोकसभा चुनाव में पंजाब में भाजपा उम्मीदवारों की जीत सुनिश्चित करने की अपील की और कहा कि ''भाजपा की जीत के बाद मान सरकार लंबे समय तक नहीं टिकेगी।''

सोमवार को केजरीवाल ने अमृतसर में व्यापारियों की एक सभा को संबोधित करते हुए कहा, ''क्या आपने अमित शाह का बयान सुना है? उन्होंने धमकी दी है। शुरुआत में उन्होंने पंजाबियों को बहुत गालियां दीं। उन्होंने (शाह) धमकी दी है कि चार जून के बाद पंजाब सरकार गिर जाएगी और भगवंत मान मुख्यमंत्री नहीं रहेंगे।'' उन्होंने कहा, ''हमारे पास 92 सीटें (विधायक) हैं। आप (सरकार) कैसे गिरा सकते हैं? (देश में) तानाशाही है।'' केजरीवाल ने आरोप लगाया कि भाजपा नेता खुलेआम कह रहे हैं कि वे विधायकों को सीबीआई और ईडी से धमकाएंगे और फिर उन्हें ''खरीद'' लेंगे। आप नेता ने कहा, ''मैं उनसे (शाह से) कहना चाहता हूं...पंजाब के लोगों को धमकाओ मत, अन्यथा वे आपके लिए पंजाब में प्रवेश करना मुश्किल कर देंगे।'' पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने भी शाह की टिप्पणी को लेकर उनकी आलोचना की।

केंद्र में सचिव स्तर पर फेरबदल, प्रदीप कुमार त्रिपाठी बने लोकपाल सचिव

नई दिल्ली/भाषा। केंद्र की ओर से सोमवार को सचिव स्तर पर किए गए फेरबदल के तहत वरिष्ठ नौकरशाह प्रदीप कुमार त्रिपाठी को लोकपाल सचिव नियुक्त किया गया है।

वर्ष 1987 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के अधिकारी त्रिपाठी वर्तमान में कैबिनेट सचिवालय में सचिव (समन्वय) हैं। कार्मिक मंत्रालय द्वारा जारी एक आदेश में कहा गया कि त्रिपाठी को उनकी सेवानिवृत्ति की तारीख (30 जून) तक लोकपाल के सचिव के रूप में नियुक्त किया गया है और इसके बाद केंद्र सरकार के पुनर्नियुक्त अधिकारियों पर लागू सामान्य नियमों और शर्तों के तहत उनकी सेवानिवृत्ति की तारीख से दो साल की अवधि के लिए अनुबंध के आधार पर नियुक्त किया गया है। सीमा प्रबंधन प्रभाग के सचिव राजकुमार गोयल को कानून एवं न्याय मंत्रालय के तहत न्याय विभाग के सचिव के रूप में नियुक्त किया गया है।

कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) के महानिदेशक राजेंद्र कुमार गोयल उनकी जगह सीमा प्रबंधन विभाग के सचिव होंगे। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) के अध्यक्ष अमित यादव को सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग में विशेष कार्य अधिकारी के रूप में नामित किया गया है।

आदेश में कहा गया, '' यह अधिकारी 31 जुलाई 2024 को आईएएस सौरव गर्ग की सेवानिवृत्ति पर उनके स्थान पर सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के सचिव का पदभार संभालेंगे।'' कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के विशेष सचिव राकेश रंजन को कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

चुनावी घोषणापत्र में राजनीतिक दलों का वादा करना कोई 'भ्रष्ट आचरण' नहीं: न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने चुनाव कानून का जिक्र करते हुए कहा है कि अपने चुनावी घोषणापत्र में राजनीतिक दलों द्वारा वादा किया जाना 'भ्रष्ट आचरण' के समान नहीं है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति के.वी. विश्वनाथन की पीठ ने कांग्रेस के एक उम्मीदवार के चुनाव को चुनौती देने वाली चामराजपेट विधानसभा क्षेत्र के एक मतदाता की याचिका को खारिज करते हुए यह टिप्पणी की।

याचिका में आरोप लगाया गया कि 2023 के कर्नाटक विधानसभा चुनावों के लिए कांग्रेस ने अपने चुनाव घोषणापत्र में जनता को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से वित्तीय मदद देने की प्रतिबद्धता जताई थी, जो भ्रष्ट चुनावी आचरण के बराबर है। वकील ने तर्क दिया कि एक राजनीतिक दल द्वारा अपने घोषणापत्र में व्यक्त की गई प्रतिबद्धताएं, जो अंततः बड़े पैमाने पर जनता को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से वित्तीय सहायता प्रदान करती हैं, उस पार्टी के एक उम्मीदवार के 'भ्रष्ट आचरण' की श्रेणी में आएंगी। लेकिन अदालत ने कहा कि इस तर्क को स्वीकार नहीं किया जा सकता। पीठ ने कहा, ''किसी भी मामले में, इन मामलों के तथ्यों और परिस्थितियों में, हमें ऐसे सवालों पर विस्तार से विचार करने की जरूरत नहीं है। इसलिए अपील खारिज की जाती है।''

याचिकाकर्ता चामराजपेट विधानसभा क्षेत्र के मतदाता शशांक जे. श्रीधर ने विजयी उम्मीदवार बी. जेड जमीर अहमद खान के खिलाफ चुनाव याचिका दायर की थी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी द्वारा अपने घोषणापत्र में दी गई 'पांच गारंटी' भ्रष्ट आचरण के समान है। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने माना था कि किसी पार्टी द्वारा लागू की जाने वाली नीतियों के बारे में घोषणा को जन प्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 123 के तहत भ्रष्ट आचरण नहीं माना जा सकता है।

मां के दूध की बिक्री की अनुमति नहीं, उल्लंघन करने वालों के खिलाफ होगी कार्रवाई : एफएसएसएआई

नई दिल्ली/भाषा। खाद्य नियामक एफएसएसएआई ने मां के दूध की बिक्री के खिलाफ खाद्य व्यवसाय संचालकों को चेतावनी दी है और लाइसेंसिंग अधिकारियों को मानव दूध के प्रसंस्करण और बिक्री के लिए मंजूरी जारी नहीं करने का निर्देश दिया है।

इन शिकायतों के बीच कि कुछ संस्थाएं मां का दूध खुले बाज़ार में बेच रही हैं। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने 'मानव दूध और उसके उत्पादों के अनधिकृत व्यावसायीकरण' पर एक सलाह जारी की है और यह भी कहा है कि उसने ऐसी किसी बिक्री की अनुमति नहीं दी है। नियामक ने 24 मई को सलाह में कहा, ''इस कार्यालय को मानव दूध और उसके उत्पादों के व्यावसायीकरण के संबंध में विभिन्न पंजीकृत समितियों से अभ्यावेदन प्राप्त हो रहे हैं। इस संबंध में यह ध्यान दिया जा सकता है कि एफएसएसएआई ने एफएसएस अधिनियम 2006 और नियमों के तहत मानव दूध के प्रसंस्करण और/या बिक्री की अनुमति नहीं दी है और इसके तहत नियम बनाए गए हैं।'' राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के खाद्य सुरक्षा आयुक्तों को जारी सलाह में, निगरानी संस्था ने यह भी सलाह दी है कि मानव दूध और उसके उत्पादों के व्यावसायीकरण से संबंधित ऐसी सभी गतिविधियों को तुरंत रोक दिया जाना चाहिए। नियामक ने कहा, ''इसके किसी भी उल्लंघन के परिणामस्वरूप एफएसएस अधिनियम, 2006 और उसके तहत बनाए गए नियमों/विनियमों के अनुसार एफबीओ (खाद्य व्यवसाय संचालकों) के खिलाफ कार्रवाई शुरू की जा सकती है।''

माओवादी धमकी के बाद वैद्यराज मांझी ने पद्मश्री पुरस्कार लौटाने का फैसला किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नारायणपुर/भाषा। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में वैद्यराज के नाम से मशहूर चिकित्सक हेमचंद मांझी ने सोमवार को कहा कि वह नक्सलियों से धमकी मिलने के बाद अपना पद्मश्री पुरस्कार लौटा देंगे। मांझी ने कहा कि वह जड़ी-बूटियों से इलाज करना भी बंद कर देंगे। मांझी (72) को पिछले महीने देश का चौथा सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्मश्री मिला था।

पुलिस ने बताया कि रविवार रात नक्सलियों ने जिले के छोटेडोंगर थाना क्षेत्र के अंतर्गत चमेली और गौरदंड गांवों में दो निर्माणाधीन मोबाइल टावरों में आग लगा दी तथा वहां मांझी को धमकी देने वाले पर्चे फेंके। माओवादी पर्चे में मांझी की एक तस्वीर है जिसमें वह राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से पद्मश्री पुरस्कार लेते दिख रहे हैं। पर्चे में माओवादियों ने आरोप लगाया कि

मांझी ने नारायणपुर के छोटेडोंगर इलाके में आमदई घाटी लौह अयस्क परियोजना को चालू करने में मदद की थी और इसके लिए उन्हें रिश्वत मिली थी। हालांकि मांझी ने इस आरोप से इनकार किया है।

इससे पहले भी नक्सलियों ने मांझी पर यही आरोप लगाए थे और उन्हें गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी थी। मांझी ने सोमवार को पीटीआई-भाषा से बात करते हुए माओवादियों के आरोपों का खंडन किया और कहा कि उन्होंने पहले ही ग्रामीणों को स्पष्ट कर दिया था कि लौह अयस्क खदान से उनका कोई संबंध नहीं है। उन्होंने कहा कि उन्होंने अपने परिवार से चर्चा के बाद पद्मश्री पुरस्कार लौटाने और अपनी पारंपरिक चिकित्सा पद्धति बंद करने का फैसला किया है।

मांझी ने कहा, ''माओवादी कहते हैं कि मुझे राष्ट्रपति से पुरस्कार कैसे मिल गया। मैंने पुरस्कार की मांग नहीं की थी। यह मुझे लोगों के प्रति मेरी सेवा के लिए मिला है। मैं 20 साल का भी नहीं था जब से मैं विभिन्न बीमारियों के लिए जड़ी-बूटी दे रहा हूं। खासकर कैंसर के रोगियों के लिए। वैद्यराज ने कहा, ''पहले उन्होंने (नक्सलियों ने) झूठे आरोप लगाकर मेरे भतीजे कोमल मांझी की हत्या कर दी। मेरा परिवार खतरे के साये में जी रहा है।''

पिछले साल नौ दिसंबर को नारायणपुर जिला मुख्यालय से लगभग 45 किमी दूर स्थित छोटेडोंगर में नक्सलियों ने आमदई घाटी लौह अयस्क खदान के लिए एजेंट के रूप में काम करने और भारी पैसा कमाने का आरोप लगाते हुए मांझी के भतीजे कोमल मांझी की हत्या कर दी थी। इसके बाद पुलिस हेमचंद मांझी को नारायणपुर शहर ले आई जहां वह तीन पुलिसकर्मियों की सुरक्षा में अपने परिवार के साथ किराए के एक मकान में रह रहे हैं।

मांझी ने कहा, ''मुझे नारायणपुर में प्रशासन द्वारा एक घर आवंटित किया गया था, लेकिन उसमें कोई चारदीवारी, पानी की सुविधा और अन्य सुविधाएं नहीं थीं, इसलिए मैंने किराए के घर में रहने का फैसला किया। मैं प्रशासन से उचित घर उपलब्ध कराने की अपील करता हूं।'' छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित क्षेत्र नारायणपुर जिले में लगभग 50 वर्ष से लोगों का इलाज कर रहे मांझी को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 22 अप्रैल को राष्ट्रपति भवन में पद्मश्री से सम्मानित किया था।

क्षेत्र के आमदई घाटी में जायसवाल निको इंडस्ट्रीज लिमिटेड (जेएनआईएल) को लौह अयस्क खदान आवंटित किया गया है। नक्सली लंबे समय से इस परियोजना का विरोध कर रहे हैं।

पुणे कार हादसा: ससून अस्पताल के दो चिकित्सक और एक कर्मी 30 मई तक पुलिस हिरासत में

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुणे/भाषा। चर्चित पोर्श कार हादसे से जुड़े मामले में गिरफ्तार ससून अस्पताल के दो चिकित्सकों और एक कर्मी को यहां की स्थानीय अदालत ने 30 मई तक पुलिस की हिरासत में भेज दिया। पुलिस ने तीनों आरोपियों को न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी (छोटे मामलों) ए.ए.पांडे की अदालत में पेश किया और 10 दिन तक पुलिस हिरासत में भेजने का अनुरोध किया।

एक अधिकारी ने बताया कि दिन में पुलिस ने सरकारी अस्पताल के फॉरेंसिक मेडिसीन विभाग के अध्यक्ष डॉ. अजय तावड़े और मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ.श्रीहरि हलनोर को खून के नमूने में बदलाव करने और सबूत को नष्ट करने के आरोप में गिरफ्तार किया था। तीसरे गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान अतुल घाटकाम्बले के तौर पर की गई है जो डॉ.तावड़े के अधीन काम करता है। पुलिस ने अदालत को बताया कि खून के नमूनों को बदलने के एवज में पैसों की लेनदेन हुई है और उसे इस मामले में आरोपियों के घरों की तलाशी लेनी है। इसके बाद अदालत ने तीनों आरोपियों को 30 मई तक के लिए पुलिस की हिरासत में भेज दिया। पुलिस के मुताबिक 19 मई को एक तेज रफ्तार लग्जरी पोर्श कार ने मोटरसाइकिल सवार दो आईटी पेशेवरों को कुचल दिया था जिससे उनकी मौत हो गई थी।

सोमवार को बेलगावी में आईसीएमआर नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ट्रेडिशनल मेडिसिन के स्थापना दिवस कार्यक्रम के दौरान उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, राज्यपाल थावरचंद गहलोत एवं अन्य।

फिटनेस संस्कृति विकसित करने की आवश्यकता : धनखड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने पंचायत स्तर पर औषधीय पौधों को बढ़ावा देने का आह्वान करते हुए सोमवार को कहा कि कॉर्पोरेट नेताओं से कंपनी सामाजिक उत्तरदायित्व सीएसआर के माध्यम से अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देने चाहिए। धनखड़ ने बेलगावी में भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद – नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ट्रेडिशनल मेडिसिन (एनआईटीएम) के 18वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि देश में एक फिटनेस संस्कृति विकसित करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, प्रत्येक भारतीय फिट और स्वस्थ रहे, और भारत के विकसित के अभियान में सकारात्मक योगदान देने में सक्षम हो सके। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद, सिद्ध, यूनानी और योग को शामिल करते हुए भारत की पारंपरिक चिकित्सा का समृद्ध भंडार पूर्वजों के गहन ज्ञान का प्रमाण है। उन्होंने कहा, ये विज्ञान, दर्शन और आध्यात्मिकता का एक आदर्श मिश्रण हैं और मन, शरीर और आत्मा और प्रकृति के बीच संतुलन और सामंजस्य पर जोर देते हैं। भावी पीढ़ियों के लिए जैव विविधता और पारंपरिक ज्ञान की सुरक्षा करने की आवश्यकता पर बल देते हुए श्री धनखड़ ने कहा कि देश को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक बनाने के कार्य में हर गांव को शामिल करना चाहिए।

उन्होंने कहा, मैं पंचायत स्तर पर भी आग्रह करूंगा कि हमें औषधीय पौधों पर विशेष ध्यान देना चाहिए। उपराष्ट्रपति ने कॉर्पोरेट और सार्वजनिक नेताओं से अनुसंधान और विकास का सहयोग करने के लिए हर संभव प्रयास करने की अपील की। उन्होंने कहा कि अनुसंधान, विकास, नवाचार और स्टार्ट अप को बढ़ावा देने के लिए कंपनियों को अपने सीएसआर का प्रयोग करना चाहिए।

उपराष्ट्रपति ने कॉरपोरेट व जनता के 'नेताओं' से अनुसंधान एवं विकास में सहयोग करने की अपील की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सोमवार को बेंगलूरु में राष्ट्रीय एयरोस्पेस प्रयोगशाला (एनएएल) में एनएएल प्रौद्योगिकियों की एक प्रदर्शनी का उद्घाटन उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने किया। इस मौके पर हंसा-एनजी उड़ान सुविधा की भी नींव रखी गई। कार्यक्रम में राज्यपाल थावरचंद गेहलोत और अन्य उपस्थित थे

बेलगावी। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सोमवार को कॉरपोरेट जगत और जन सेवकों से अपील की कि वे अनुसंधान और विकास में सहयोग करने के लिए हरसंभव प्रयास करें, क्योंकि यह देश की अर्थव्यवस्था के विकास और इसकी राजनयिक शक्ति में भी दिखाई देगा। धनखड़ ने एक ऐसी संस्कृति विकसित करने की जरूरत पर जोर दिया जिसमें हर भारतीय फिट और तंदरुस्त हो। उपराष्ट्रपति ने कहा कि पूरा देश इस समय 2047 में 'विकसित भारत' की एक मैराथन मार्च का हिस्सा है।

यहां आईसीएमआर- राष्ट्रीय पारम्परिक चिकित्सा विज्ञान संस्थान के 18वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा, हम आज अहम समय में जी रहे हैं। भारत में दुनिया की आबादी का छठा हिस्सा रहता है और यह अब अपनी ताकत से बेखबर नहीं है। अब यह क्षमता विहीन देश नहीं रहा। यह एक उभरता हुआ देश है और इसके अभ्युदय को रोका नहीं जा सकता। साल 1991 में केंद्रीय मंत्री रहने के दिनों को याद करते हुए धनखड़ ने कहा कि 1990 में हमारी अर्थव्यवस्था का आकार लंदन और पेरिस की अर्थव्यवस्था से भी छोटा था।

उन्होंने कहा, ''...देखिए हम इस समय कहां हैं! पांचवीं सबसे बड़ी वैश्विक अर्थव्यवस्था हैं और ब्रिटेन से भी आगे हैं। उन्होंने हम पर 100 वर्षों से अधिक समय तक शासन किया। (हम) फ्रांस से आगे हैं और आने वाले समय में हम जापान और जर्मनी से भी आगे होंगे। ये कोई छोटी उपलब्धि नहीं है।'' धनखड़ ने न सिर्फ बीमारी बल्कि इसके स्रोत को भी नियंत्रित करने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि ध्यान एहतियात और रोकथाम पर होना चाहिए जो हमारे पास पहले से मौजूद ज्ञान के प्रसार के माध्यम से किया जा सकता है।

उपराष्ट्रपति ने कहा, हमें देश में एक ऐसी संस्कृति विकसित करनी होगी जिसमें हर भारतीय फिट और स्वस्थ हो क्योंकि इस समय पूरा देश 2047 में विकसित भारत की मैराथन मार्च का हिस्सा है। आप सब इस मार्च का हिस्सा हैं। आपको फिट रहना है। ऐसा होने पर आकाश क्या, अंतरिक्ष में भी हमारे विकास की सीमा नहीं होगी और यह हो रहा है। उन्होंने अनुसंधान एवं विकास की बड़ी भूमिका पर जोर देते हुए कहा कि यह एक लंबी और महंगी प्रक्रिया है। उपराष्ट्रपति ने कहा, मैं कॉरपोरेट से अपील करता हूं, मैं जनता के नेताओं से अपील करता हूं। उन्हें अनुसंधान और विकास में सहयोग देने के लिए हरसंभव प्रयास करना चाहिए। यह अनुसंधान और विकास हमारी अर्थव्यवस्था के विकास और हमारी राजनयिक शक्ति में भी प्रतिबिंबित होगा।

धनखड़ ने कहा, जब यह देश कोविड से जूझ रहा था, तो आपको आश्चर्य होगा, हमने इससे निपटने के लिए 100 अन्य देशों की मदद की। वे (देश) कहते हैं--भारत सच्चा मित्र है। जब भारत अपनी बड़ी समस्या से जूझ रहा था तब हमें भी सहायता मिली। इसलिए मैं आपसे और कॉर्पोरेट के सभी लोगों से आग्रह करता हूं, कृपया आगे आएं और इन क्षेत्रों पर केंद्रित अनुसंधान, विकास, नवाचार, स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए अपने सीएसआर का उपयोग करें। वे हमारा बहुत भला करेंगे।

उपराष्ट्रपति के मुताबिक आयुर्वेद, सिद्ध, यूनानी और योग वाली भारत की समृद्ध पारंपरिक चिकित्सा पद्धति हमारे पूर्वजों के गहन ज्ञान का प्रमाण हैं।'' उन्होंने कहा कि ये विज्ञान, दर्शन और आध्यात्मिकता का एक आदर्श मिश्रण हैं, जो मन, शरीर, आत्मा और प्रकृति के बीच सामंजस्यपूर्ण संतुलन पर जोर देता है। धनखड़ ने रेखांकित किया कि देश के पास दूरदर्शी नेतृत्व है। उन्होंने कहा, हम अंतरिक्ष में, जमीन पर, सड़कों पर, बुनियादी ढांचे में, समुद्र में, रक्षा में बड़ी उपलब्धियां हासिल कर रहे हैं... स्वास्थ्य के प्रति जागरूक बनाने के लिए हर गांव को इस पवित्र कार्य में शामिल करना हमारे लिए मुश्किल नहीं होना चाहिए।

उपराष्ट्रपति ने कहा, आजकल, हम देखते हैं कि लोग अवसाद में आ जाते हैं, लोग तनाव से प्रभावित हो जाते हैं। नई-नई तरह की बीमारियां इसलिए सामने आ रही हैं क्योंकि हम अपने सांस्कृतिक लोकाचार से थोड़ा हट रहे हैं।

प्रज्ज्वल रेवन्ना ने कहा कि वह 31 को एसआईटी के सामने पेश होंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। विदेश जाने के ठीक एक महीने बाद कर्नाटक के हासन से जद(एस) सांसद प्रज्ज्वल रेवन्ना ने कहा है कि वह 31 मई को विशेष जांच दल (एसआईटी) के समक्ष पेश होंगे, जो उनपर लगे कई महिलाओं के यौन शोषण के आरोपों की जांच कर रहा है। उन्होंने अपने खिलाफ मामलों को ''झूठे'' और ''राजनीतिक साजिश'' का हिस्सा बताते हुए कहा कि वह अवसाद में चले गये थे।

कन्नड़ टीवी चैनल एशियानेट सुवर्ण न्यूज पर प्रसारित वीडियो बयान में प्रज्ज्वल रेवन्ना ने कहा, ''मैं व्यक्तिगत रूप से शुक्रवार, 31 मई को सुबह 10 बजे एसआईटी के सामने पेश होकर जांच में सहयोग करूंगा और इनपर (आरोपों पर) जवाब दूंगा। मुझे न्यायालय पर भरोसा है और विश्वास है कि मैं न्यायालय के माध्यम से झूठे मामलों में निर्दोष साबित होकर दिखाऊंगा।'' प्रज्ज्वल की पार्टी जनता दल (सेक्युलर) या उनके परिवार की ओर से तत्काल इस बारे में कोई पुष्टि नहीं की गई है। उन्होंने कन्नड़ भाषा में जारी वीडियो बयान में कहा भगवान, जनता और मेरे परिवार का आशीर्वाद मुझ पर बना रहे। मैं निश्चित रूप से शुक्रवार 31 मई को एसआईटी के सामने पेश होऊंगा। आने के बाद मैं इस सब को खत्म करने की कोशिश करूंगा। मुझ पर विश्वास रखें।

उन्होंने कहा कि वह अपने माता-पिता, दादा एच. डी. देवेगौड़ा, चाचा और पूर्व मुख्यमंत्री एच.डी. कुमारस्वामी, राज्य के लोगों और पार्टी कार्यकर्ताओं से माफी मांगते हैं।

प्रज्ज्वल ने कहा, मैं आपके सामने जानकारी साझा करने आया हूं, क्योंकि मैंने यह नहीं बताया था कि मैं विदेश में कहां हूं। प्रज्ज्वल ने कहा कि उन्होंने अपने 'एक्स' अकाउंट और वकीलों के माध्यम से एसआईटी नोटिस का जवाब देने के लिए एक सप्ताह का समय मांगा था।

उन्होंने कहा, समय मांगने के बावजूद, अगले ही दिन राहुल गांधी समेत कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने जनसभाओं में (मेरे बारे में) बयानबाजी शुरू कर दी। वे राजनीतिक साजिश में शामिल हो गए। ये सब देखकर मैं अवसाद और अकेलेपन में चला गया। इसलिए, मैंने सबसे पहले आपसे माफी। उन्होंने कहा कि उनके निर्वाचन क्षेत्र हासन में भी कुछ लोगों ने उनके खिलाफ राजनीतिक साजिश रची।

प्रज्ज्वल ने कहा, जैसे-जैसे मैं राजनीतिक रूप से आगे बढ़ रहा हूं, मुझे कमतर करने के लिए, वे सभी एक साथ आ गए हैं। इन सभी चीजों को देखकर, मैं चौंक गया था और थोड़ा दूर हो गया था। हासन लोकसभा सीट पर मतदान के एक दिन बाद 27 अप्रैल को प्रज्ज्वल कथित तौर पर जर्मनी चले गए थे और अब भी फरार हैं। एसआईटी ने केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के माध्यम से इंटरपोल से प्रज्ज्वल के ठिकाने के बारे में जानकारी मांगी थी, जिसको लेकर इंटरपोल 'ब्लू कॉर्नर नोटिस' जारी कर चुका है। सांसदों/विधायकों के खिलाफ मामलों की सुनवाई के लिये गठित एक विशेष अदालत ने एसआईटी के आवेदन दायर करने के बाद 18 मई को प्रज्ज्वल रेवन्ना के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया था।

कांग्रेस के नेतृत्व वाली कर्नाटक सरकार ने केंद्र से उनका राजनयिक पासपोर्ट रद्द करने का आग्रह किया है, हालांकि उसने कहा है कि इस मामले पर केंद्र सरकार से अभी तक कोई आधिकारिक जवाब नहीं मिला है। विदेश मंत्रालय ने प्रज्ज्वल को कारण बताओ नोटिस भेजकर पूछा है कि उनके खिलाफ यौन शोषण के आरोपों के मद्देनजर उनका राजनयिक पासपोर्ट रद्द क्यों नहीं किया जाना चाहिए।

गड्ढों के लिए जोनल स्तर पर टॉस्क फोर्स

बेंगलूरु। बृहद् बेंगलूरु महानगर पालिके (बीबीएमपी) के मुख्य आयुक्त तुषार गिरि नाथ ने बीबीएमपी के तहत क्षेत्र के गड्ढों को भरने के लिए व्यापक संचालन निगरानी और कार्यान्वयन के लिए जोनल स्तर एक 'टास्क फोर्स' समिति के गठन का आदेश दिया। निगम के अंतर्गत लगभग 12878 किमी का सड़क नेटवर्क है, जिसमें से मुख्य सड़कें 1344.84 किमी लंबी हैं और उप-धमनी के रूप में 11533.16 किमी सड़कों माना जाता है।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया Union Bank of India

क्षेत्रीय कार्यालय, बेंगलूरु उत्तर नं.1/1,भूमि तल, "जीवन संपिगे", द्वितीय मेन, संपिगे रोड, मल्लेश्वरम , बेंगलूरु 560003 फोन: 080-23097300

पट्टे पर परिसर की आवश्यक

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया को शाखा बैंकिंग के लिए बेंगलूरु शहर में थणिसंद्रा मेन रोड / हेगड़े नगर / थणिसंद्रा – कण्णूर रोड या आसापास के इलाकों में केवल भूमितल पर अच्छी तरह से निर्मित व्यावसायिक परिसर की पट्टे के आधार पर आवश्यकता है जिसका क्षेत्रफल 2000 ±10% वर्ग फुट के कारपेट एरिया वाला हो / परिसर कब्जा देने के लिए तैयार हो / निर्माणाधीन हो। अधिक जानकारी के लिए, प्रस्तुत किए जाने वाले दस्तावेजों के प्रारूप हेतु कृपया बैंक की वेबसाइट www.unionbankofindia.com एवं www.eprocure.gov.in पर देखा जाए। निर्धारित प्रारूप में बोलियां जमा करने की अंतिम तिथि 17.06.2024 शाम 5.00 बजे तक है।

नोट : बैंक को किसी भी या सभी बोलियों को कोई कारण बताए बिना अस्वीकार करने का अधिकार है।

स्थान: बेंगलुरु
28.05.2024

उप महाप्रबंधक

चन्नागिरी थाने पर हमले के आरोप में 25 गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। दावणगेरे जिले के चन्नागिरी थाने पर हिंसक भीड़ के हमले के सिलसिले में 25 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शनिवार तड़के थाने में कथित हिरासत में एक व्यक्ति की मौत के बाद हुए हमले में कम से कम 11 पुलिसकर्मी घायल हो गये थे और थाना समेत कई वाहनों को काफी नुकसान पहुंचा। उन्होंने विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि 30 वर्षीय आदिल को जुए में कथित संलिप्तता के लिए 24 मई को हिरासत में लिया गया था। थाना पहुंचते ही आदिल की तबीयत तेजी से बिगड़ी और बाद में उसकी मौत हो गई। इसके बाद उसके रिश्तेदारों सहित लोगों की भीड ने थाने पर हमला कर दिया। पुलिस ने मिर्गी के दौरों का हवाला देते हुए इस बात से इनकार किया है कि आदिल की मौत हिरासत में हुई कार्रवाई के कारण हुई। आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) को मामले की जांच का काम सौंपा गया है।

उन्होंने बताया कि गिरफ्तार 25 लोगों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 353 (लोक सेवक को कर्तव्य के निर्वहन से रोकने के लिए हमला या आपराधिक बल) और 307 (हत्या का प्रयास) के तहत मामला दर्ज किया गया है। संदिग्धों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। सबूत के तौर पर सीसीटीवी फुटेज और वीडियो क्लिप के आधार पर आगे की जांच के लिए पांच पुलिस टीमें गठित की गई हैं। दावणगेरे के पुलिस अधीक्षक उमा प्रशांत ने कहा कि मृतक के शव को पोस्टमॉर्टम के बाद उसके परिवार को सौंप दिया जायेगा।

गृह मंत्री डॉ जी परमेश्वर ने पुलिस की लापरवाही स्वीकार करते हुए पुलिस उपाधीक्षक और चन्नागिरी पुलिस थाना निरीक्षक को निलंबित कर दिया है। उन्होंने आदिल की मौत की परिस्थितियों और पुलिस द्वारा स्थिति को संभालने के तरीके को निर्धारित करने के लिए जांच का आदेश दिया गया है।

मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने इस बात पर जोर दिया कि मौत हिरासत में हिंसा का नतीजा नहीं थी। उन्होंने प्राथमिकी दर्ज किये बिना आदिल को हिरासत में लेने और पूछताछ के बाद तुरंत रिहा नहीं करने पर पुलिस की निंदा की। राज्य सरकार ने घटना में शामिल पुलिस अधिकारियों के किसी भी कदाचार के लिए गहन जांच और जवाबदेही का आश्वासन दिया है।

एचडी रेवन्ना बोले, पूर्व प्रधानमंत्री देवेगौड़ा के प्रज्ज्वल को लिखे पत्र के बारे में जानकारी नहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जद-एस विधायक व सेक्स स्कैंडल मामले में मुख्य आरोपी प्रज्ज्वल रेवन्ना के पिता एच.डी. रेवन्ना ने सोमवार को कहा कि उन्हें नहीं पता कि पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा ने उनके बेटे को पत्र लिखा है। रेवन्ना ने दक्षिण कन्नड़ जिले के धर्मस्थल में मंजुनाथ मंदिर का दौरा करने के बाद मीडियाकर्मियों से कहा, मुझे देवेगौड़ा जी के पत्र के बारे में कुछ भी पता नहीं है। इससे पहले खबर आई थी कि पूर्व प्रधानमंत्री देवेगौड़ा ने प्रज्ज्वल को तुरंत एसआईटी के सामने पेश होने या परिवार से अलगाव का सामना करने को कहा था।

उन्होंने कहा, मैं चार दशकों से राजनीति में हूं और होलेनरसीपुरा विधानसभा क्षेत्र के विधायक के रूप में 25 वर्षों तक लोगों की सेवा की है। मुझे देश के कानून पर भरोसा है और मैं भगवान मंजूनाथ पर भरोसा करता हूं।

रेवन्ना ने कहा कि चूंकि मामला अदालत में है, इसलिए इस पर टिप्पणी करना उचित नहीं होगा। उन्होंने कहा, ''मैं कानून का बहुत सम्मान करता हूं, लेकिन इस समय टिप्पणी करना गलत होगा।''

बेंगलूरु रेव पार्टी : तेलुगू एक्ट्रेस हेमा ने पुलिस के सामने पेश होने के लिए मांगा समय

बेंगलूरु। बेंगलूरु रेव पार्टी मामले में तेलुगु एक्ट्रेस हेमा ने केंद्रीय अपराध शाखा (सीसीबी) की एंटी-नारकोटिक्स विंग के सामने पेश होने के लिए समय मांगा है। पुलिस सूत्रों ने सोमवार को बताया कि इस मामले में तेलुगु एक्ट्रेस हेमा ने अपने स्वास्थ्य कारणों का हवाला दिया है। उन्होंने इसके लिए एंटी-नारकोटिक्स विंग से सात दिन का समय मांगा है। रेव पार्टी में नशीली दवाओं का सेवन करने वालों में एक्ट्रेस भी शामिल थीं। उनकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी। पुलिस ने इस मामले में अभिनेत्री समेत आठ लोगों को नोटिस जारी किया था। एक्ट्रेस के अलावा बाकी लोगों के सोमवार को अधिकारियों के सामने पूछताछ के लिए पेश होने की संभावना है। पुलिस ने कहा कि वह एक्ट्रेस को दूसरा नोटिस जारी करेंगे।

दीक्षांत समारोह

सोमवार को बेलगावी के केएलई विश्वविद्यालय के 14वें दीक्षांत समारोह में भाग लेते हुए उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, उनकी पत्नी सुदेश धनखड़, राज्यपाल थावरचन्द गहलोत, विश्वविद्यालय के प्रमुख प्रभाकर कोरे एवं अन्य।

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण
(सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय)
जी-5 एवं 6, सेक्टर-10, द्वारका, नई दिल्ली-110075

31 मार्च, 2024 को समाप्त तिमाही के लिए अनंकेक्षित वित्तीय परिणाम
(सेबी के परिपत्र संख्या सेबी/एचओ/डीडीएचएस_डिव1/पी/सीआर/2022/0000000103 दिनांक 29 जुलाई, 2022 के अनुसार)

(₹ करोड़ में)

क्र.सं	विवरण	समाप्त तिमाही		समाप्त वर्ष
		31 मार्च, 2024	31 मार्च, 2023	31 मार्च, 2023
		अंनकेक्षित	अंकेक्षित	अंकेक्षित
1.	प्रचालनों से कुल आय*	मान्य नहीं	मान्य नहीं	मान्य नहीं
2.	अवधि के लिए शुद्ध लाभ/(हानि) (कर, असाधारण एवं अथवा विशिष्ट मदों से पूर्व)	(268.43)	(277.24)	(715.95)
3.	अवधि के लिए कर पूर्व शुद्ध लाभ/(हानि) (असाधारण एवं अथवा विशिष्ट मदों के बाद)	(214.53)	(288.78)	(769.63)
4.	अवधि के लिए कर पश्चात् शुद्ध लाभ/(हानि) (असाधारण एवं अथवा विशिष्ट मदों के बाद)	(214.53)	(288.78)	(769.63)
5.	अवधि के लिए कुल व्यापक आय (अवधि के लिए लाभ/(हानि) (कर पश्चात्) तथा अन्य व्यापक आय के बाद (कर पश्चात्)**	(214.53)	(288.78)	(769.63)
6.	प्रदत्त इक्विटी शेयर पूंजी (शेयरधारक का कोष)***	7,08,244.59	4,95,321.32	4,95,321.32
7.	अधिशेष (पुनर्मूल्यांकन आरिक्षत छोड़कर)	–	–	–
8.	प्रतिभूतियों प्रीमियम लेखा	–	–	–
9.	नेटवर्थ (6-7)	7,08,244.59	4,95,321.32	4,95,321.32
10.	प्रदत्त ऋण पूंजी/बकाया ऋण	3,35,373.20	3,43,114.24	3,43,114.24
11.	बकाया प्रतिदेय अधिमान्य शेयर्स	–	–	–
12.	ऋण इक्विटी अनुपात****	0.47	0.69	0.69
13.	प्रति शेयर अर्जन (प्रत्येक रु. ...../- का) (निरंतरता एवं गैर-निरंतरता प्रचालनों हेतु) 1. बेसिक 2. डाल्यूटेड	मान्य नहीं	मान्य नहीं	मान्य नहीं
14.	पूंजी विमोचन संचित कोष	–	–	–
15.	डिबेंचर विमोचन संचित कोष	–	–	–
16.	ऋण सेवा कवरेज अनुपात	मान्य नहीं	मान्य नहीं	मान्य नहीं
17.	ब्याज सेवा कवरेज अनुपात	मान्य नहीं	मान्य नहीं	मान्य नहीं

*प्राधिकरण भारत सरकार की ओर से सम्पत्ति धारण करता है, इसलिए परिचालनों से कोई आय नहीं है।
**प्राधिकरण की लेखा नीति के अनुसार निवल व्ययों को पूंजीकृत किया गया है।
***शेरयधारक की निधि = पूंजी आधार, उप कर निधि, अतिरिक्त बजटीय समर्थन, इनवीट से आय, टोल प्लाजाओं के रखरखाव व्यय तथा रिज़र्व और अधिशेष/लाभ एवं हानि खाते के बकाया ऋण के पश्चात् जमा टोल की वापसी के बाद की कुल राशि।
****ऋण इक्विटी अनुपात = बकाया ऋण/शेयरधारकों की निधि

क) उपरोक्त एलओडीआर विनियम 52 के अंतर्गत स्टॉक एक्सचेंजों के पास दाखिल किए गए तिमाही/वार्षिक वित्तीय परिणामों के विस्तृत प्रारूप के सारांश है। तिमाही/वार्षिक वित्तीय परिणामों का पूरा प्रारूप बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज तथा नेशनल स्टॉक एक्सचेंज की वेबसाइट यानि (**www.bseindia.com** तथा **www.nse.india.com**) पर तथा भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण का वेबसाइट (**www.nhai.gov.in**) पर उपलब्ध है।

ख) एलओडीआर विनियम 52(4) में संदर्भित अन्य लाइन मदों के लिए प्रासंगिक प्रकटन बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज तथा नेशनल स्टॉक एक्सचेंज में किए गए है और वेबसाइट (**www.bseindia.com** तथा **www.nse.india.com**) पर देखें जा सकते हैं।

प्राधिकरण के बोर्ड के लिए एवं की ओर से

दिनांक : **27.05.2024**
स्थान : नई दिल्ली

ह./-
सदस्य (वित्त)

ह./-
अध्यक्ष

सड़कें ही नहीं, राष्ट्र का निर्माण भी

भीषण गर्मी का दौर जारी, लू-तापघात से एक व्यक्ति की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में भीषण गर्मी का दौर जारी है जहां रविवार को लू-तापघात से एक व्यक्ति की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। इस बीच चिकित्सा विभाग ने भीषण गर्मी के प्रबंधन के लिए चिकित्सा संस्थान वार नोडल अधिकारी नियुक्त किए हैं। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार पिछले चौबीस घंटे में जोधपुर, बीकानेर व कोटा संभाग में अनेक जगह 'हीटवेव व तीव्र हीटवेव' दर्ज की गई। इस दौरान फलोदी में अधिकतम तापमान 49.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो सामान्य से 6.8 डिग्री सेल्सियस अधिक है।

राज्य में पड़ रही गर्मी का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि बीती रात सर्वाधिक न्यूनतम तापमान कोटा में 36 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो सामान्य से 5.0 डिग्री सेल्सियस अधिक है। मौसम केंद्र के अनुसार राज्य में भीषण गर्मी का दौर अभी जारी रहेगा।

जनस्वास्थ्य निदेशक डॉ. रवि प्रकाश माथुर ने एक बयान में बताया कि लू-तापघात के चलते रविवार को अजमेर के सराना गांव निवासी 40 वर्षीय मोती सिंह की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि दिहाड़ी मजदूर मोती सिंह की शनिवार को रूपनगढ़ गांव में ट्रैक्टर में पत्थर भरते समय अचानक तबीयत बिगड़ गई। उसे पहले सीएचसी रूपनगढ़ लाया गया और यहां से उसे जिला अस्पताल किशनगढ़ रैफर किया गया था। अधिकारी ने बताया कि रास्ते में ही मोती सिंह की मौत हो गई।

इस बीच 'हीटवेव प्रबंधन' के तहत अस्पतालों में उपलब्ध करवाई जा रही स्वास्थ्य सेवाओं की नियमित निगरानी एवं तात्कालिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए जिलों में चिकित्सा संस्थान वार नोडल

अधिकारी नियुक्त किए गए हैं। ये नोडल अधिकारी चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग एवं अन्य संबंधित विभागों के साथ समन्वय करते हुए भीषण गर्मी के प्रकोप से बचाव, जांच, दवा एवं उपचार सहित तमाम प्रबंध सुनिश्चित करेंगे।

अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभ्रा सिंह ने बताया कि 'हीटवेव' (भीषण गर्मी के प्रकोप) से पीड़ित रोगियों को तत्काल राहत प्रदान करने के लिए राज्य स्तर के साथ-साथ सभी जिलों में 24 घंटे नियंत्रण कक्ष का संचालन किया जा रहा है। साथ ही, हेल्पलाइन 1070 एवं एम्बुलेंस सेवा 104 एवं 108 उपलब्ध हैं। उन्होंने बताया कि चिकित्सा संस्थानों में तात्कालिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए राजस्थान चिकित्सा राहत समिति (आरएमआरएस) निधि का युक्ति संगत उपयोग करने के निर्देश दिए गए हैं।

नौतपा के तीसरे दिन गर्म हवाओं ने घरों से निकलना किया दूभर

राजस्थान के अलवर जिले में नौतपा के तीसरे दिन सोमवार को निकली तेज धूप के बीच गर्म हवाओं ने लोगों का अपने ही घरों से निकलना दूभर कर दिया। अलवर का तापमान आज 48 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। दोपहर होते ही आधा से ज्यादा आमजन घरों में कैद हो गये। गर्म हवाओं के थपेड़ों ने बढ़ाये गर्मी के कहर के कारण लोग गर्मी जनित रोगों की चपेट में आ रहे हैं और इलाज के लिये चिकित्सकों के पास पहुंच रहे हैं। नौतपा की गर्मी के कहर ने जहां बाजारों में सन्नाटा पसरा दिया, वहीं दोपहर चली हवाओं ने लू के थपेड़ों का काम किया, जिससे लोग गर्मी से त्रस्त नजर आये। घरों एवं दुकानों में चल रहे एसी भी आज नकारा साबित होते नजर आये, एसी, कूलर चलने के बावजूद भी लोगों को गर्मी से राहत नहीं मिल पा रही थी। हालत ये थी कि लोग अपने मुंह पर कपड़ा बांधकर बाहर निकल रहे थे लेकिन गर्मी के कहर के आगे ये भी सब नाकाफी लग रहा था। गर्मी के कहर ने तो सोमवार को आवारा पशुओं को भी सड़कों पर नहीं घूमने दिया और आवारा पशु भी सुरक्षित स्थानों पर बैठकर गर्मी से राहत पाने का प्रयास करते रहे। अंगारों के समान खिल रही धूप के बीच अनेक लोग अपनी यात्रा पर जाने से भी परहेज कर रहे हैं, जिससे बस स्टैण्ड पर भी यात्रियों की ज्यादा भीड़ नजर नहीं आ रही थी।

भारत-पाक सीमा पर हीट स्ट्रोक से जवान शहीद, दिया गया गार्ड ऑफ ऑनर

जैसलमेर/दक्षिण भारत । भारत-पाकिस्तान सीमा पर तैनात बीएसएफ का एक जवान शहीद हो गया। बीएसएफ के जवान की जान जाने की वजह हीट स्ट्रोक बताई जा रही है। मृतक जवान को गार्ड ऑफ ऑनर और पुष्प चक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। बता दें कि इन दिनों बॉर्डर पर तापमान 50 डिग्री के पार हो गया है। शहीद होने वाला जवान 173वीं वाहिनी सीमा सुरक्षा बल में कांस्टेबल के पद पर तैनात था। जवान का नाम अजय कुमार था, वह पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी जिले के सारू गांव का रहने वाला था। भीषण गर्मी की वजह से जवान की तबीयत खराब हुई और बाद में इलाज के दौरान जवान ने दम तोड़ दिया। उसके शव को रामगढ़ अस्पताल लाया गया।

जवान के शव का पोस्टमार्टम कराकर बीएसएफ के अधिकारियों को सुपुर्द किया गया। पोस्टमार्टम के बाद शव को रामगढ़ से जोधपुर ले जाया जाएगा और जोधपुर से हवाई जहाज में उनके पैतृक गांव ले जाया जाएगा। रामगढ़ अस्पताल परिसर में शहीद जवान को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। 173वीं वाहिनी सीमा सुरक्षा बल के अधिकारियों ने पुष्प चक्र अर्पित कर जवान को श्रद्धांजलि दी।

आपको बताते चलें, देश के कई राज्यों में इन दिनों गर्मी के सितम से लोग परेशान हैं। दिल्ली-एनसीआर, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, मध्य प्रदेश समेत कई राज्यों में हीट स्ट्रोक चल रही है। पश्चिमी राजस्थान में कई जगह पारा 50 डिग्री सेल्सियस के ऊपर है।

सबसे अधिक 28 चरण में मतगणना राजसमंद लोकसभा सीट पर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में आम चुनाव के लिए हुए मतदान की गणना चार जून को होगी और इस दौरान गणना के सबसे कम 20 चरण टोंक-सवाई माधोपुर सीट पर और सबसे अधिक 28 चरण राजसमंद लोकसभा क्षेत्र में होंगे। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। दरअसल निर्वाचन आयोग के मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार ने सोमवार को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से राज्य में मतगणना की तैयारियों की समीक्षा की।

उन्होंने राज्य के सभी 25 लोकसभा सीटों और बागीदौरा विधानसभा क्षेत्र में हुए उपचुनाव के लिए चार जून को होने वाली मतगणना के संबंध में मतगणना स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था और मतगणना कार्य के लिए आवश्यक संसाधनों की समुचित आपूर्ति पर संतोष व्यक्त किया। बैठक में निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार एवं डॉ. सुखबीर सिंह संधू ने कहा कि मतदान की तरह मतगणना के दौरान भी भारत निर्वाचन आयोग के सभी दिशा निर्देशों का पालन करना है ।

आधिकारिक बयान के अनुसार मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बैठक में बताया कि भारत निर्वाचन आयोग से प्राप्त निर्देशों के अनुसार राजस्थान में मतगणना की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। पर्याप्त संख्या में मतगणना कार्मिकों की उपलब्धता सुनिश्चित कर उनको प्रशिक्षित किया जा चुका है। गुप्ता ने बताया कि मतगणना स्थल पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये गये हैं। सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों, पुलिस आयुक्तों एवं पुलिस अधीक्षकों को मतगणना केंद्र में सुरक्षा मापदंडों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिये गये हैं।

राज्य में मतगणना टेबल के लिए करीब 3,550 माइक्रो ऑब्जर्वर और 1,200 से अधिक सहायक रिटर्निंग अधिकारी (एआरओ) नियुक्त किए गए हैं। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा कुल 56 मतगणना पर्यवेक्षक नियुक्त किए गए हैं। गुप्ता ने बताया कि राज्य के 25 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों के लिए कुल 29 केंद्रों पर मतगणना होगी। जोधपुर, नागौर, करौली-धौलपुर एवं गंगानगर लोकसभा क्षेत्र में दो-दो मतगणना केंद्र होंगे, मतगणना के लिए कुल 235 कक्ष होंगे।

उन्होंने बताया कि पोस्टल बैलट से डाले गए मतों की गणना के लिए 62 कक्ष होंगे। ईवीएम के मतों की गणना के लिए 2,713 टेबल और पोस्टल बैलेट एवं ईटीबीपीएस से डाले गए मतों की गणना के लिए 790 टेबल लगाई जाएंगी। उन्होंने बताया कि सभी 25 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों के लिए मतगणना कुल 4,033 राउंड में होगी। विधानसभा क्षेत्रवार आंकड़ों को देखें तो, 13 से 28 राउंड की मतगणना होगी। लोकसभा क्षेत्रवार आंकड़ों के अनुसार सबसे कम 20 राउंड टोंक-सवाई माधोपुर और सबसे अधिक 28 राउंड राजसमंद लोकसभा क्षेत्र में होंगे।

अधिकारी युगानुकूल एवं समयानुकूल परिवर्तनों से रहे अद्यतन : देवनानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने अधिकारियों का आह्वान किया है कि वे युगानुकूल एवं समयानुकूल हो रहे परिवर्तनों से स्वयं को अद्यतन रखें। देवनानी सोमवार को यहां विधानसभा में अधिकारियो के अभिविन्यास कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विधानसभा का कार्य विशेष प्रकार का होता है। यहां से बनने वाले कानूनों में आमजन की आंकाक्षाएं निर्भर होती है। इसलिए पारित होने वाले कानूनों का प्रत्येक शब्द महत्वपूर्ण होता है। उन्होंने कहा कि अधिकारियों का दायित्व है कि वे कानून निर्माण प्रक्रिया में देश एवं अन्य राज्यों में हुए परिवर्तनों का भी ध्यान रखें।

विधानसभा अधिकारियों का पहली बार हो रहे अभिविन्यास कार्यक्रम में देवनानी ने कहा कि राजस्थान विधानसभा देश की श्रेष्ठ विधानसभाओं में से एक है। यहां की श्रेष्ठता को बनाये रखना है। उन्होंने कहा कि राजस्थान विधानसभा को देश की सर्वश्रेष्ठ विधानसभा बनाने के लिए सभी को मिल-जुलकर प्रयास करना होगा। संस्थान में छोटे से लेकर बड़े तक प्रत्येक कर्मचारी एव अधिकारी का महत्वपूर्ण योगदान होता है।

उन्होंने कहा कि सीखने की कोई उम्र नही होती है और न ही कोई व्यक्ति हर विषय में पारंगत होता है। उन्होंने कहा कि सदैव दूसरे के गुणों को पहचानने की क्षमता रखें। यदि कोई गुण छोटे कर्मचारी में है तो उससे भी हमें सीख लेनी चाहिए। गुण को देखने और परखने की दृष्टि होगी तो हम अपने जीवन में उन्हें ग्रहण कर सफल अधिकारी बन सकते है।

देवनानी ने कहा कि सभी को सुने। उसमें से अच्छा सीखे और उसे क्रियान्वयन करें। इससे कार्यालय का वातावरण सकारात्मक बनता है। इससे कार्य की गति में तीव्रता आती है। कार्यालय में आपसी सदभाव भी बढता है। देवनानी ने कहा कि अधिकारी किसी भी संस्थान के रीढ़ की हड्डी होते हैं। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को नई सोच और नये तरीकों से अपने कार्यों को श्रेष्ठ बनाना चाहिए। विधानसभा में रचनात्मक कार्य करें। इससे समाज, प्रदेश एवं देश को लाभ होगा। उन्होंने कहा कि इस विशेष प्रशिक्षण में संवाद दो तरफा होना चाहिए ताकि अधिकारियों की जिज्ञासाएं पूरी हो सकें। सभी अधिकारियों को निःसंकोच प्रश्न पूछने का स्वभाव रखना चाहिए। विधानसभा के प्रमुख सचिव महावीर प्रसाद शर्मा ने विशेष प्रशिक्षण कार्यकम के उद्देश्यों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि ऐसे संवाद कार्यक्रमों से संस्थानों में नवाचारों की संभावनाएं प्रबल होती है।

पत्नी ने प्रेमिका या खुद में से एक को चुनने की रखी शर्त तो प्रेमिका की गला काटकर कर दी हत्या

उदयपुर/दक्षिण भारत। राजस्थान के उदयपुर पुलिस ने एक ब्लाइंड मर्डर मामले का खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। खुलासे में चौंकाने वाला मामला सामने आया है। उदयपुर के फलासिया थाना इलाके में 39 दिन पहले जंगल में एक महिला की निर्मम हत्या कर दी गई थी। इस ब्लाइंड मर्डर केस की गुत्थी को सुलझाते हुए पुलिस ने महिला की हत्या करने वाले उसके प्रेमी को गिरफ्तार किया है।

फलासिया थाने के इंचार्ज सीताराम ने बताया कि आरोपी की पत्नी को जब अपने पति की प्रेमिका के बारे में जानकारी मिली तो उसने अपने पति के सामने प्रेमिका या खुद में से एक को चुनने की शर्त रखी। ऐसे में आरोपी ने अपनी पत्नी के साथ रहना चुना और अपनी प्रेमिका को बहला फुसला कर जंगल में ले गया। आरोपी ने जंगल में उसका गला काटकर उसकी निर्मम हत्या कर दी। आरोपी महिला की हत्या के पहले एक और हत्या को अंजाम दे चुका था। आरोपी ने 1 साल पहले मृतका के 4 साल की बेटे का भी मर्डर कर दिया था। फिलहाल पुलिस आरोपी को गिरफ्तार कर पूरे मामले की जांच करने में जुटी हुई है। फलासिया थाने के इंचार्ज ने बताया कि आरोपी देवीलाल पुत्र मनजी निवासी ढणकावाडा थाना सेमारी जिला सलुम्बर ने पूछताछ में जानकारी दी है कि अहमदाबाद में मजदूरी का कार्य करने के दौरान उसकी मुलाकात सीतादेवी नामक महिला से हुई थी, जिससे धीरे-धीरे उसको प्रेम हो गया। महिला सीतादेवी के पति ने उसे छोड़ दूसरी महिला से शादी कर ली थी।

सीतादेवी के पास उसका 4 साल का बेटा था, जिसको साथ रखने की बात को लेकर आरोपी देवीलाल और सीता के बीच विवाद होता रहता था। एक दिन उसने शराब के नशे में बच्चे की हत्या कर दी। आरोपी ने महिला को साथ रखने की बात कहकर उसे थाने में रिपोर्ट नहीं करने के लिए मना लिया। इस बीच जब देवीलाल की पत्नी को इस बारे में पता चला तो उसने आरोपी से पत्नी और प्रेमिका दोनों में से एक को चुनने और प्रेमिका की हत्या करने की बात कही। जिस पर आरोपी ने पत्नी के कहने पर प्रेमिका महिला को जंगल में बुलाया और उसकी गला रेतकर हत्या कर दी।

मोदी की भाषा शैली पर अशोक गहलोत ने उठाए सवाल, कहा- बेरोजगारी, महंगाई पर अब नहीं बोलते

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर । कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बीजेपी पर जमकर निशाना साधा। इसके अलावा, उन्होंने कांग्रेस छोड़कर अन्य दलों में शामिल होने वाले नेताओं को नाकारा, निकम्मा, गद्दार और पीठ में छुरा घोंपने वाला बताया। इस बीच, उन्होंने अपनी पार्टी के नेताओं को हिदायत देते हुए कहा कि आप पार्टी के लिए संपत्ति बनिए, ना कि दायित्व। अगर आप संपत्ति बनेंगे और पार्टी का विश्वास अर्जित करेंगे, तो निकट भविष्य में आपके लिए राजनीतिक समृद्धि के मार्ग प्रशस्त होंगे। उन्होंने ओबीसी समुदाय को आरक्षण देने पर भी बल दिया।

अशोक गहलोत ने प्रधानमंत्री मोदी की भाषाई गरिमा पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने अपनी भाषा शैली से अपने पद की गरिमा घटाई है। प्रधानमंत्री एक गरिमामय पद है, जिसकी गरिमा को कम करने का अधिकार किसी के पास नहीं है, ना ही कांग्रेस और ना ही किसी अन्य दल के पास इस तरह का अधिकार है, लेकिन प्रधानमंत्री ने इस चुनाव में जिस तरह की भाषा का इस्तेमाल किया है, वो यकीनन निंदनीय है।गहलोत ने दावा किया कि पीएम मोदी की भाषा शैली उनकी हार का कारण बनेगी। तमाम तरह के विवादित बयान देने के बाद प्रधानमंत्री कहते हैं कि मैं हिंदू-मुस्लिम की राजनीति नहीं करता, जिस दिन करूंगा, उस दिन सार्वजनिक जीवन से संन्यास ले लूंगा। प्रधानमंत्री एक दिन कुछ और दूसरे दिन कुछ और बोलते हैं, और जितना ज्यादा प्रधानमंत्री बोल रहे हैं, इंडिया गठबंधन के चुनाव जीतने की संभावना उतनी ही प्रबल हो रही है।

कांग्रेस नेता ने कहा कि प्रधानमंत्री बेवजह के मुद्दों को लेकर राजनीति कर रहे हैं, जबकि असली मुद्दों पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। बेरोजगारी, महंगाई और किसानों जैसे मसलों पर प्रधानमंत्री नहीं बोलते हैं। इन मुद्दों को छोड़कर वो हिंदू-मुस्लिम की राजनीति करते हैं। पीएम मोदी अपनी पार्टी का मेनिफेस्टो भूलकर कांग्रेस के मेनिफेस्टो का पोस्टमार्टम कर रहे हैं, जो कि किसी भी मायने में उचित नहीं है। कांग्रेस के मेनिफेस्टो से घबराने के बाद इन लोगों की भाषण शैली बदल गई। बीजेपी कहने लग गई कि यह मेनिफेस्टो मुस्लिम लीग का है। आखिर यह सब क्या हो रहा है। ये लोग अपना एजेंडा नहीं बना पा रहे हैं। इन लोगों के पास चुनाव प्रचार के लिए कोई मुद्दा नहीं है। सिर्फ और सिर्फ राहुल गांधी का नाम लेकर प्रचार कर रहे हैं, जिससे कुछ खास होने वाला नहीं है।

आगामी मानसून में पौधारोपण अभियान को सफल बनाएं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। अतिरिक्त मुख्य सचिव अभय कुमार ने कहा कि आगामी मानसून में सभी विभाग आपसी समन्वय रखकर कार्ययोजना के अनुसार कार्य करते हुए सघन वृक्षारोपण एवं चारागाह विकास अभियान को सफल बनाएं। अतिरिक्त मुख्य सचिव सोमवार को सचिवालय के समिति कक्ष द्वितीय में पौधारोपण के सम्बंध में आयोजित वीसी में गत बैठक के दौरान दिए गये निर्देशों कि समीक्षा कर रहे थे।

उन्होंने पौधारोपण की कार्ययोजना को अपडेट करने,अधिक से अधिक सामुदायिक सहभागिता सुनिश्चित करने,खनन क्षेत्रों में भी पौधारोपण करवाने,सीएसआर के अन्तर्गत विभिन्न उद्योग समूहों को भी पौधारोपण कार्यक्रम से जोडने,आवश्यकता के अनुसार पौधौ की उपल्ब्धता सुनिश्चित करने के लिए पौधशालाओं से समन्वय करने के निर्देश दिए।

शासन सचिव स्कूल शिक्षा कृष्ण कुणाल ने कहा कि मानसून के दौरान लगाए जाने वाले पौधो की सुरक्षा एवं समय-समय पर पानी देने कि व्यवस्था भी सुनिश्चित करें। शासन सचिव पंचायती राज रवि जैन ने निर्देश दिए कि पौधों की उपल्ब्धता की जानकारी अन्य जिलों के साथ भी साझा करें जिससे दूसरे जिलें भी अपनी आवश्यकता होने पर पौधे प्राप्त कर सकें।

भरतपुर में दो युवक कुएं में डूबे

जयपुर। राजस्थान के भरतपुर जिले के बयाना थाना क्षेत्र में रविवार की रात दो युवकों की कुंयें में गिरने से मौत हो गयी । पुलिस ने इसकी जानकारी दी ।

पुलिस का कहना है कि ये युवक कुएं पर लगी पट्टी के टूटने से उसमें गिर गए और डूब गए। थानाधिकारी बाबूलाल ने बताया कि संजय (22) और राजवीर (28) खेत में पानी देने के बाद खेत पर बने 50 फीट गहरे कुएं के ऊपर लगी पट्टी पर बैठकर नहा रहे थे। अचानक पट्टी के टूट जाने से दोनों कुंए में जा गिरे और दोनो की पानी में डूबने से मौत हो गई। उन्होंने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिये गये।

विश्व पर्यावरण दिवस

सात दिवसीय हितधारक कार्यशाला का हुआ उद्घाटन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल के सदस्य सचिव विजय एन ने कहा कि प्रदूषण एक विकट समस्या बन चुका है फिर चाहे वो वायु प्रदूषण हो या जल प्रदूषण। उन्होंने कहा कि राज्य टेक्सटाइल के क्षेत्र में एक विशेष पहचान स्थापित किये हुए है। इसी के चलते राज्य के टेक्सटाइल हब भीलवाड़ा, पाली, सांगानेर, बालोतरा में कपड़ा उद्योग से होने वाला प्रदूषण बेहद चिंता का विषय है जिस पर नियंत्रण करने के लिए प्रदूषण मंडल द्वारा लगातार कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आज की परिस्थितियों को देखते हुए वर्तमान में प्रदूषण नियंत्रण के लिए किये जा रहे प्रयासों के साथ नई तकनीक का भी उपयोग करना होगा ताकि प्रदूषण की समस्या से समय रहते निजात पाया जा सके।

राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल के सदस्य सचिव सोमवार को यहां आगामी पांच जून को आयोजित होने वाले विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर सात दिवसीय हितधारक कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने टेक्सटाइल उद्योग से सम्बंधित हितधारकों को सम्बोधित करते हुए कहा कि हम सभी का एक ही उद्देश्य होना चाहिए कि प्रदूषण को खत्म करते हुए कैसे कपड़ा उद्योग में सस्टेनेबल प्रक्टिसेस को अपनाया जा सके।

उन्होंने कहा कि आने वाली पीढ़ी को एक स्वक्छ वातावरण देना हमारा मौलिक कर्तव्य है एवं इसके लिए धरातल पर हमे संकल्पित होकर कार्य को अंजाम देना होगा।

विजय एन ने कहा कि बढ़ते जल एवं वायु प्रदूषण की समस्या से निजात पाने के लिए तकनीक का बेहतर उपयोग करना होगा। उन्होंने कहा कि वर्तमान में ओसीईएमएस, सीएएक्यूएमएस जैसी तकनीकों के जरिये लगातार प्रदूषण के स्तर पर नजर रखी जा रही है एवं बढ़ते प्रदूषण के लिए उचित उपाय किये जा रहे है। उन्होंने माजूदा अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि आमजन को प्रदूषण नियंत्रण के तरीकों एवं इसके बढ़ने से होने वाले दुष्प्रभावों से जागरूक करने का कार्य प्राथमिकता से करें ताकि प्रत्येक नागरिक प्रदूषण नियंत्रण करने में अपनी सामाजिक जिम्मेदारी निर्वाह कर सके।

इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य अभियंता भवनेश माथुर ने पीपीटी प्रस्तुतीकरण के माध्यम से से बताया कि किस प्रकार जल प्रदूषण की समस्या हमारे आर्थिक वातावरण को प्रभावित कर रही है, साथ ही उन्होंने जल प्रदूषण की वजह से होने वाली बीमारियों के एवं प्रदूषित फल एवं सब्जियों के उत्पादन पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यदि हम अभी जागरूक नहीं हुए और प्रदूषण की समस्या का संधान समय रहते नहीं किया गया तो वो दिन दूर नहीं पृथ्वी पर कार्बन की मात्रा ज्यादा बढ़ जाएगी एवं पानी एवं ऑक्सीजन का व्यापारीकरण बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि अत्यधिक प्रदूषण उत्सर्जन की वजह से कपड़ा उद्योगों का वृहदीकरण नहीं हो पा रहा है न ही ऐसी इकाइयों को बन्द किया जा सकता जिसकी वजह से राज्य की अर्थव्यवस्था बेहद प्रभावित हो रही है। उन्होंने कहा कि यदि हम पानी को ट्रीटमेंट के जरिये स्वच्छ कर भी लें तो प्रदूषित वायु उसे वापस प्रदूषित जल में परिवर्तित कर देती है इसलिए स्वच्छ पानी के लिए वातावरण को भी स्वच्छ करना होगा। इस दौरान उन्होंने जीडीपी पर जल प्रदूषण से होने वाले नकारात्मक प्रभावों पर भी विस्तार से चर्चा की।

कार्यशाला के दूसरे सत्र के दौरान वर्तमान में एसटीपी परिदृश्य, द्रव्यवती नदी पुनर्जीवन परियोजना, एसटीपी से उपचारित पानी का उपयोग एवं एसटीपी संचालन व उपचारित पानी का उद्योगों में उपयोग विषयों पर विस्तार से चर्चा की गयी। उल्लेखनीय है कि मंडल द्वारा आगामी दिवसों में प्रत्येक दिन अलग-अलग विषयों पर 2 कार्यशाला आयोजित की जाएगी। जिसके तहत मंडल के अधिकारी, क्षेत्रीय अधिकारियों एवं हितधारकों द्वारा प्रतिभागिता की जाएगी। इस अवसर पर मौजूद हितधारकों ने प्रसन्नता जाहिर करते हुए कहा कि मंडल द्वारा इस प्रकार का आयोजन करने से प्रदूषण नियंत्रण एवं उद्योगों के संचालन में आ रही समस्याओं एवं समाधानों पर विस्तार से चर्चा हो सकेगी।

वामपंथियों, कांग्रेस पर धर्म के नाम पर देश को तोड़ने का आरोप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अजमेर। राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अजमेर शहर अध्यक्ष रमेश सोनी ने वामपंथियों एवं कांग्रेस पर धर्म के नाम पर देश की एकता और अखंडता को तोड़ने का प्रयास किये जाने का आरोप लगाया है। राजस्थान भाजपा नेतृत्व के निर्देश पर राज्य के सभी जिलों में प्रेस वार्ता आयोजन के तहत अजमेर में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) मोर्चा की ओर से आयोजित पत्रकार वार्ता में सोनी ने सोमवार को यहां ओबीसी आरक्षण पर पश्चिम बंगाल में कलकत्ता उच्च न्यायालय के फैसले का स्वागत किया गया। सोनी ने कहा कि संविधान में आरक्षण के प्रति मूल भावना पिछड़ी जातियों का उत्थान रहा है, लेकिन बंगाल में वोट बैंक के लिये एक जाति विशेष को आरक्षण का लाभ देने की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के प्रयास को कानून का झटका लगा है। उन्होंने सुबनर्जी को आड़े हाथों लेते हुये कहा कि जब बंगाल उच्च न्यायालय के रद्द करने का फैसला सामने है, तो वे इसे मानने से इन्कार कर रही है। क्या वे देश के कानून से ऊपर हो गयी? उन्होंने कहा कि आरक्षण के माध्यम से वोट बैंक साधने की उनकी मंशा भाजपा कभी पूरी नहीं होने देगी। भाजपा कलकत्ता उच्च न्यायालय के फैसले का स्वागत करती है। इस अवसर पर भाजपा ओबीसी मोर्चा अजमेर इकाई के जिलाध्यक्ष महेंद्र रावत ने भी उच्च न्यायालय के फैसले का स्वागत करते हुये कहा कि बंगाल में सुबनर्जी की गलत नीतियों की वजह से मूल ओबीसी वर्ग को आरक्षण का लाभ नहीं मिल पा रहा है।

चुनावी बॉण्ड योजना समाप्त होने से चुनाव पर काले धन का असर बढ़ेगा, विकल्प तलाशना होगा : शाह

अमित शाह साक्षात्कार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का मानना है कि चुनावी बॉण्ड योजना को रद्द करने के उच्चतम न्यायालय के फैसले के बाद इस लोकसभा चुनाव में काले धन का प्रभाव बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि संसद को इसके विकल्प पर फैसला लेना होगा।

शाह ने कहा कि अगर काले धन का प्रभाव बढ़ता है तो विकल्प तलाशा जाना चाहिए। उन्होंने शनिवार को 'पीटीआई-भाषा' को दिए साक्षात्कार में कहा कि दानदाताओं को भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) से बॉण्ड खरीदकर बिना पहचान जाहिर किए राजनीतिक दलों को चंदा देने की अनुमति देने वाली योजना को महत्वपूर्ण समय में रद्द किया गया।

उच्चतम न्यायालय ने लोकसभा चुनाव के कार्यक्रम की घोषणा से एक महीने पहले फरवरी में योजना को निरस्त कर दिया था।

इस मुद्दे पर एक प्रश्न का उत्तर देते हुए गृह मंत्री ने कहा, ''मेरा मानना है और मेरा अनुमान है कि इससे चुनाव और राजनीति में काले धन का प्रभाव बढ़ेगा। जब राजनीतिक दल इस वित्तीय वर्ष का हिसाब-किताब जमा करेंगे तो पता चल जाएगा कि कितना पैसा नकद चंदा है और कितना चेक से दिया गया है। बॉण्ड योजना के समय चेक से दान का आंकड़ा 96 प्रतिशत तक पहुंच गया था।''

शाह ने कहा, ''अब आपको पता चलेगा। अगर काले धन का प्रभाव बढ़ता है तो एक विकल्प तलाशा जाना चाहिए। संसद में चर्चा होनी चाहिए।''

जब गृह मंत्री से पूछा गया कि क्या उन्हें लगता है कि चुनावी बॉण्ड योजना खत्म होने से इस चुनाव में काले धन का प्रभाव बढ़ेगा तो उन्होंने कहा, ''मेरा ऐसा अनुमान है।''

जब उनसे बॉण्ड योजना के विकल्प के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि विभिन्न राजनीतिक दलों समेत सभी हितधारकों के साथ इस मुद्दे पर चर्चा होनी चाहिए।

शाह ने कहा, ''इस पर संसद में चर्चा करनी होगी। हमें सभी दलों से विचार-विमर्श करना होगा। उच्चतम न्यायालय का फैसला आने के बाद से उसका रुख भी बहुत महत्वपूर्ण है। अटॉर्नी जनरल और सॉलिसिटर जनरल से भी परामर्श लेना होगा। तो हमें सामूहिक रूप से विचार-विमर्श करना होगा और नए विकल्प पर निर्णय लेना होगा।''

उच्चतम न्यायालय ने चुनावी बॉण्ड योजना को निरस्त करते हुए कहा था कि यह सूचना के अधिकार और संविधान के तहत बोलने एवं अभिव्यक्ति की आजादी के अधिकार का उल्लंघन करती है। शीर्ष अदालत ने चंदा देने वाले सभी लोगों और राशि पाने वाले सभी दलों के नाम भी सार्वजनिक करने को कहा था।

हालांकि, केंद्र सरकार ने कहा है कि योजना का उद्देश्य राजनीति में काले धन के प्रभाव को कम करना था।

नए आपराधिक कानूनों के तहत प्रौद्योगिकी की मदद से तीन साल के अंदर सुनाया जाएगा फैसला: अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि एक जुलाई से प्रभाव में आने वाले तीन नए आपराधिक कानूनों के लिए प्रौद्योगिकी एक महत्वपूर्ण कारक होगी, क्योंकि इनके तहत एसएमएस के जरिये समन जारी किए जाएंगे, 90 प्रतिशत गवाह वीडियो कॉल के माध्यम से पेश होंगे और अदालतें प्राथमिकी दर्ज होने के तीन साल के भीतर आदेश जारी करेंगी।

शाह ने सप्ताहांत में 'पीटीआई-भाषा' को दिए साक्षात्कार में कहा, ''मैं आपसे विश्वास के साथ कह सकता हूं कि तीन साल बाद हमारी आपराधिक न्याय प्रणाली दुनिया की सबसे आधुनिक आपराधिक न्याय प्रणाली होगी।'' तीन नए कानून- भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम एक जुलाई से प्रभाव में आ जाएंगे। ये उपनिवेशकालीन कानूनों- भारतीय दंड संहिता, दंड प्रक्रिया संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872 की जगह लेंगे।

शाह ने साक्षात्कार में पहली बार नई आपराधिक न्याय प्रणाली के बारे में अनेक जानकारियां दीं। उन्होंने बताया कि तीनों कानून लगभग पूरी तरह प्रौद्योगिकी संचालित हैं। उदाहरण के लिए अदालतों के सभी मामले ऑनलाइन हो जाएंगे और प्राथमिकी, अदालत डायरी तथा फैसले भी डिजिटल स्वरूप में होंगे। अधिकारियों ने पिछले पांच साल में देश में नौ करोड़ अपराधियों के फिंगर प्रिंट लिए हैं।

शाह ने कहा कि यदि अपराध किसी आदतन अपराधी ने किया है तो पुलिस किसी अपराध स्थल से 'फिंगर प्रिंट' लेने के बाद साढ़े सात मिनट के भीतर फिंगर प्रिंट के डेटा बेस से उसकी पहचान कर सकेगी। उन्होंने कहा, ''हम (इन आपराधिक कानूनों के माध्यम से) बहुत बड़े सुधार लाए हैं। कानून प्रभाव में आने के बाद 90 प्रतिशत लोगों को अदालत नहीं जाना होगा। गवाहों की पेशी ऑनलाइन होगी।''

गृह मंत्री ने कहा कि पहले समन का मतलब होता था कि किसी को उसके घर में जाकर इसे दिया जाए। उन्होंने कहा, ''(नये कानूनों में) ऐसे कई बदलाव किए गए हैं। आरोप पत्र के संबंध में भी ऐसा ही है।'' गृह मंत्री ने कहा कि पहले आरोप पत्र का मतलब बड़ी संख्या में दस्तावेज जमा करना था, लेकिन नए कानून लागू होने के बाद आरोप पत्र एक पेन ड्राइव में होगा और उसका जवाब भी डिजिटल रूप से एक पेन ड्राइव में दिया जा सकेगा। उन्होंने कहा, ''अब ये सभी मामले ऑनलाइन होंगे। प्राथमिकी, अदालत डायरी, फैसले भी डिजिटल स्वरूप में होंगे। हमने उन मामलों में फॉरेंसिक साक्ष्य अनिवार्य कर दिए हैं, जहां न्यूनतम सात साल की कैद का प्रावधान है।''

नए कानूनों को लाने की तैयारी के बारे में पूछे जाने पर शाह ने कहा कि यह पूरी रफ्तार से चल रही है और अधिकारियों का प्रशिक्षण लगभग समाप्त हो गया है। उन्होंने कहा कि नए आपराधिक कानूनों के तहत कोई भी व्यक्ति प्राथमिकी दर्ज होने से तीन साल के अंदर अदालतों से, यहां तक कि उच्चतम न्यायालय से भी आदेश प्राप्त कर सकता है। गृह मंत्री ने कहा कि वह 2019 में गृह मंत्रालय का प्रभार संभालने के बाद से नए आपराधिक कानूनों पर काम कर रहे थे।

सरकार ने न केवल आतंकवादियों को निशाना बनाया बल्कि आतंकी ढांचे को भी नेस्तनाबूद किया : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जम्मू कश्मीर में आतंकवाद की घटनाओं में काफी गिरावट आने का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार ने न केवल आतंकवादियों को निशाना बनाया है बल्कि आतंकी ढांचे को भी नेस्तनाबूद कर दिया है।

शाह ने साथ ही आतंकवादियों को सख्त संदेश देते हुए कहा कि जम्मू कश्मीर में किसी आतंकवादी या पथराव करने वाले किसी व्यक्ति के परिजन को सरकारी नौकरी नहीं मिलेगी। उन्होंने कहा, ''हमने एनआईए (राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण) के माध्यम से आतंकवाद के वित्तपोषण के खिलाफ मजबूत कार्रवाई की है और इसे समाप्त कर दिया है। हमने आतंकवाद के वित्तपोषण पर बहुत सख्त रुख अपनाया है।'' उन्होंने बीते सप्ताहांत में 'पीटीआई-भाषा' को दिए साक्षात्कार में कहा, ''हमने कश्मीर में फैसला किया है कि अगर कोई किसी आतंकवादी संगठन से जुड़ जाता है तो उसके परिवार के किसी भी सदस्य को कोई सरकारी नौकरी नहीं मिलेगी।''

शाह ने यह भी कहा कि अगर कोई पथराव में शामिल रहता है तो उसके परिवार के भी किसी सदस्य को कोई सरकारी नौकरी नहीं मिलेगी। उन्होंने कहा कि फैसले के खिलाफ मानवाधिकार कार्यकर्ता उच्चतम न्यायालय में गए थे, लेकिन अंतत: सरकार की जीत हुई।

हालांकि, गृह मंत्री ने कहा कि सरकार ऐसे मामलों को अपवाद स्वरूप लेगी जब

> **गृह मंत्री ने कहा कि जब कोई आतंकवादी सुरक्षा बलों से घिरा होता है तो पहले उसे आत्मसमर्पण का अवसर दिया जाता हैं। उसकी मां, पत्नी आदि को बुलाते हैं और कहते हैं कि वे उससे आत्मसमर्पण की अपील करें, अगर वह आतंकी नहीं सुनता तो मारा जाता है...**

किसी परिवार से कोई व्यक्ति खुद आगे आकर अधिकारियों को सूचित करता है कि उसका कोई करीबी रिश्तेदार किसी आतंकवादी संगठन में शामिल हो गया है। उन्होंने कहा कि ऐसे परिवारों को राहत दी जाएगी। शाह ने कहा कि पहले कश्मीर में किसी आतंकी के मारे जाने के बाद जनाजा निकाला जाता था। उन्होंने कहा, ''हमने यह परिपाटी बंद कर दी। हमने सुनिश्चित किया कि आतंकवादी को सभी धार्मिक रिवाजों के साथ सुपुर्दे खाक किया जाए लेकिन किसी निर्जन स्थान पर।''

गृह मंत्री ने कहा कि जब कोई आतंकवादी सुरक्षा बलों से घिरा होता है तो पहले उसे आत्मसमर्पण का अवसर दिया जाता है। उन्होंने कहा, ''हम उसकी मां या पत्नी आदि किसी परिजन को बुलाते हैं और उनसे कहते हैं कि आतंकवादी से आत्मसमर्पण की अपील करें। अगर वह (आतंकी) नहीं सुनता तो मारा जाता है।''

प्रतिबंधित संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के संदर्भ में शाह ने कहा कि सरकार ने संगठन द्वारा आतंकवादी विचारधारा के प्रकाशन और प्रसारण पर प्रतिबंध लगा दिया है।

केरल में स्थापित मुस्लिम चरमपंथी समूह पीएफआई पर केंद्र सरकार ने 2022 में विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम (यूएपीए) के प्रावधानों के तहत पाबंदी लगा दी थी। आतंकी गतिविधियों के साथ कथित संपर्कों को लेकर यह प्रतिबंध लगाया गया था। कथित खालिस्तानी समर्थक अमृतपाल सिंह के मामले को लेकर शाह ने कहा, ''हमने उसे एनएसए (राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम) के तहत जेल में डाल दिया है।'' चरमपंथी सिख अलगाववादी समूह 'वारिस पंजाब दे' के मुखिया अमृतपाल सिंह को अप्रैल 2023 में एनएसए के तहत पंजाब में गिरफ्तार किया गया था और वह इस समय असम की डिब्रूगढ़ जेल में है। सिंह ने हाल में जेल से पंजाब की खडूर साहिब सीट से लोकसभा चुनाव के लिए नामांकन दाखिल किया था।

केंद्रीय गृह मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार जम्मू कश्मीर में 2018 में आतंकवाद की 228 घटनाएं सामने आई थीं और 2023 में यह संख्या घटकर करीब 50 रह गई।

आंकड़ों के अनुसार सुरक्षा बलों और आतंकियों के बीच 2018 में मुठभेड़ की 189 घटनाएं घटीं और 2023 में इनकी संख्या घटकर 40 के आसपास रह गई।

अवैध खदान के भीतर दूसरे दिन भी फंसे रहे तीन लोग

डिब्रूगढ़ (असम)/भाषा। असम के तिनसुकिया जिले में एक अवैध खदान के अंदर तीन मजदूर दूसरे दिन सोमवार को भी फंसे रहे और उन्हें बचाने के प्रयास जारी हैं। अधिकारियों के अनुसार तीनों मजदूरों की मौत हो जाने की आशंका है लेकिन जब तक उनके शवों को बाहर निकाला जाता तब तक मौत की पुष्टि नहीं की जा सकती। अधिकारियों ने बताया कि घटना शनिवार देर रात बरगोलाई और नामदांग इलाकों के बीच टिकोक खनन स्थल पर हुई। उन्होंने बताया, ''इन लोगों की पहचान नेपाल के दावा शेरपा और मेघालय के जॉन व फेनाल के रूप में हुई है। ये तीनों संकरी खदान के भीतर गये थे जबकि चौथा व्यक्ति कोयला ढुलाई में उनकी मदद कर रहा था।'' जिला प्रशासन के एक अधिकारी ने बताया, ''अचानक हुए भूस्खलन से तीनों लोग खदान के अंदर ही फंस गए। आशंका है कि उनकी मौत हो चुकी है लेकिन जब तक हमें शव नहीं मिल जाते तब तक हम इसकी पुष्टि नहीं कर सकते।''

ओडिशा: खुर्दा में पार्टी उम्मीदवार की गिरफ्तारी के खिलाफ भाजपा का प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

खुर्दा/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकर्ताओं ने सोमवार को ओडिशा के खुर्दा जिले में उप-जिलाधिकारी कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया और पार्टी उम्मीदवार प्रशांत जगदेव की बिना शर्त रिहाई की मांग की। उन्हें 25 मई को मतदान के दौरान ईवीएम में तोड़फोड़ करने के आरोप में गिरफ्तार किया था। कार्यकर्ताओं ने धमकी दी कि अगर चिल्का के विधायक को रिहा नहीं किया गया तो वे राष्ट्रीय राजमार्ग को अवरुद्ध करेंगे और खुर्दा शहर में बंद का आह्वान करेंगे। भाजपा कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ बीजद ने खुर्दा विस क्षेत्र से चुनाव लड़ रहे जगदेव को गिरफ्तार करने की साजिश रची है। उन्होंने मांग की कि मतदान केंद्र का सीसीटीवी फुटेज सार्वजनिक किया जाए। भाजपा सांसद और भुवनेश्वर लोकसभा सीट से उम्मीदवार अपराजिता सारंगी ने कहा, स्थानीय लोगों का दावा है कि जगदेव ने कोई ईवीएम नष्ट नहीं की।

ओडिशा विधानसभा चुनाव की दौड़ में 412 'करोड़पति' उम्मीदवार

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा में 13 मई से एक जून तक होने वाले विधानसभा चुनाव में 412 'करोड़पति' उम्मीदवार मैदान में हैं। 'एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स' (एडीआर) और 'ओडिशा इलेक्शन वॉच' ने 1,285 उम्मीदवारों में से 1,283 के चुनावी हलफनामों का विश्लेषण किया है, जो ओडिशा में 147 विधानसभा सीटों के लिए चुनाव लड़ रहे हैं। ओडिशा में विधानसभा चुनाव लोकसभा चुनाव के साथ ही हो रहे हैं। एडीआर ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि विश्लेषण किए गए 1,283 उम्मीदवारों में से 412 (32 प्रतिशत) करोड़पति हैं जबकि 2019 के विधानसभा चुनाव में 1,121 उम्मीदवारों में से 304 (27 प्रतिशत) करोड़पति थे। इसमें कहा गया है कि सत्तारूढ़ बीजू जनता दल (बीजद) के 128 उम्मीदवारों, भाजपा के 96 उम्मीदवारों, कांग्रेस के 88 उम्मीदवारों और आम आदमी पार्टी के 11 उम्मीदवारों ने एक करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति घोषित की है। मौजूदा विधानसभा चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों की औसत संपत्ति 2.89 करोड़ रुपये है, जबकि 2019 में चुनावी मैदान में उतरे उम्मीदवारों की औसत संपत्ति 1.69 करोड़ रुपये थी। रिपोर्ट के मुताबिक, पूर्व कोयला मंत्री दिलीप रे ओडिशा विधानसभा चुनाव में सबसे अमीर उम्मीदवार हैं।

बेटियों और महिलाओं को घरों में कैद करने की साजिश रच रहा इंडि गठबंधन: आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मऊ (उप्र)/भाषा। उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' ('इंडि') पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि यह गठजोड़ देश में शरिया कानून लागू करके महिलाओं और बेटियों को घर में कैद करने की साजिश रच रहा है।

आदित्यनाथ ने मऊ की घोसी लोकसभा क्षेत्र से भाजपा की सहयोगी सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के प्रत्याशी अरविंद राजभर के पक्ष में आयोजित एक जनसभा में कहा, ''इंडी (इंडिया) गठबंधन से सावधान रहने की जरूरत है, क्योंकि वह कहता है कि सत्ता में आएंगे तो विरासत टैक्स लगाएंगे। इनका यह टैक्स औरंगजेब के जजिया कर की तरह है।'' उनके अनुसार, 'इंडी' वाले कहते हैं कि सत्ता में आने पर पर्सनल लॉ लागू करेंगे यानी वह देश में तालिबानी और शरिया कानून लागू करना चाहते हैं। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि वह बेटियों व महिलाओं को घर में कैद करने की साजिश कर रहे हैं, लेकिन इन्हें नहीं पता कि यह देश बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर के संविधान से चलेगा। उन्होंने कहा ''हम देश में फिर से तीन तलाक की कुप्रथा शुरू नहीं होने देंगे।''

सरकार ने 'अग्निपथ' योजना के जरिये राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ खिलवाड़ किया: कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने सोमवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नीत केंद्र सरकार ने सेना में भर्ती की योजना 'अग्निपथ' के माध्यम से राष्ट्रीय सुरक्षा और युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया है।

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि चार जून को लोकसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को जवाब देना होगा कि वह इस योजना को क्यों लाए थे? रमेश ने वीडियो 'एक्स' पर जारी कर आरोप लगाया, ''अग्निपथ योजना राष्ट्रीय सुरक्षा और हमारे युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ है। इसे निवर्तमान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बिना किसी विचार-विमर्श के लाया है। सेना ने भी इसपर सहमति नहीं जताई थी। इस नीति ने चीन के ख़िलाफ़ हमारी क्षमताओं के साथ समझौता किया है।'' 'अग्निपथ' योजना के लागू होने से पहले हर साल 75 हजार युवकों की सेना में भर्ती होती थी, जो अब एक चौथाई रह गयी है।'' उन्होंने दावा किया कि तीनों सेनाओं के प्रमुखों ने योजना को लाए जाने का विरोध किया था। रमेश ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री ने गलवान की घटना के बाद चीन को जो 'क्लीन चिट' दी थी, उससे सीमा विवाद पर बातचीत में भारत की स्थिति कमजोर हुई। प्रधानमंत्री को चार जून के बाद जवाब देना होगा कि अग्निपथ योजना क्यों लाए और राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ खिलवाड़ क्यों किया?''

भाजपा नेताओं का एकमात्र मकसद हर कीमत पर सत्ता हासिल करना है : प्रियंका गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिमला/भाषा। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाद्रा ने सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी समेत भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं का एकमात्र मकसद किसी भी कीमत पर सत्ता हासिल करना है और वे अपने इस मकसद को पूरा करने के लिए भ्रष्ट आचरण करते हैं, धन बल का इस्तेमाल करते हैं, विधायकों को रिश्वत देते हैं और भगवान के नाम पर लोगों को गुमराह करते हैं।

प्रियंका ने हिमाचल प्रदेश के चंबा में एक रैली में कहा, ''मोदी ने राज्य में लोकतांत्रिक तरीके से चुनी गई कांग्रेस सरकार को भ्रष्ट आचरण के जरिए और धन बल का उपयोग करके गिराने का हर संभव प्रयास किया।'' कांगड़ा लोकसभा सीट से पार्टी उम्मीदवार आनंद शर्मा के लिए प्रचार कर रहीं प्रियंका ने जनता से पूछा कि क्या वे ऐसे नेता को पसंद करेंगे? उन्होंने कहा कि कांग्रेस 55 साल तक सत्ता में रही लेकिन सबसे अमीर पार्टी नहीं बन सकी जबकि भाजपा केवल 10 वर्ष में दुनिया की सबसे अमीर पार्टी बन गई।

कांग्रेस नेताओं ने 'आधुनिक भारत के शिल्पी' नेहरू को उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी, पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और कई अन्य नेताओं ने सोमवार को देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि दी और आधुनिक भारत के निर्माण में उनके योगदान को याद किया।

वर्ष 1889 में जन्मे नेहरू भारत के सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री रहे। वह अगस्त 1947 से मई 1964 तक प्रधानमंत्री रहे। 27 मई 1964 को उनका निधन हो गया। सोनिया गांधी और खड़गे ने 'शांति वन' पहुंचकर नेहरू की समाधि पर पुष्प अर्पित किए। खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''आधुनिक भारत के शिल्पकार, भारत को वैज्ञानिक, आर्थिक, औद्योगिक व विभिन्न क्षेत्रों में आगे ले जाने वाले, लोकतंत्र के समर्पित प्रहरी, स्वतंत्र भारत के प्रथम प्रधानमंत्री व हमारे प्रेरणास्रोत, पंडित जवाहरलाल नेहरू जी के अतुलनीय योगदान के बिना भारत का इतिहास अधूरा है।'' उन्होंने कहा, '' हिन्द के जवाहर की पुण्यतिथि पर उन्हें हमारी विनम्र श्रद्धांजलि।''

उन्होंने लिखा, ''पंडित जवाहरलाल नेहरू जी ने कहा था कि देश की रक्षा, देश की उन्नति, देश की एकता ये हम सबका राष्ट्रीय धर्म है। हम अलग-अलग धर्म पर चलें, अलग-अलग प्रदेश में रहें, अलग भाषा बोलें, पर उससे कोई दीवार हमारे बीच खड़ी नहीं होनी चाहिए। सब लोगों को उन्नति में बराबर का मौका मिलना चाहिए।'' खरगे का का कहना है कि आज भी कांग्रेस पार्टी उसी न्याय के रास्ते पर चल रही है।

श्रेयस ने निराशा को पीछे छोड़ आईपीएल में लिखी सफलता की कहानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। निराशा को पीछे छोड़कर कामयाबी की नई दास्तान लिखने वाले कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के कप्तान श्रेयस अय्यर ने लियोनेल मेस्सी के विश्व कप जीतने के अंदाज में रविवार को इंडियन प्रीमियर लीग खिताब जीतने का जश्न मनाया ।

आईपीएल से कुछ सप्ताह पहले भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने उनका केंद्रीय अनुबंध खत्म कर दिया। इसके अलावा बार-बार पीठ की चोट के कारण उनके करियर में रुकावट आने का खतरा पैदा हो गया। श्रेयस को इस साल की शुरुआत से कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। उन्होंने इन सभी निराशा को पीछे छोड़कर केकेआर के आईपीएल खिताब के 10 साल को सूखे को उसी तरह खत्म किया जैसे मेस्सी ने अर्जेंटीना के लिए 36 साल के बाद विश्व कप जीता था। मेस्सी को 2014 विश्व कप के फाइनल में शिकस्त का सामना करना पड़ा था तो वही श्रेयस को इस तरह के पल का सामना 2020 में करना पड़ा था जब उनकी कप्तानी में दिल्ली कैपिटल्स ने आईपीएल फाइनल का सफर तय किया था। आईपीएल ट्रॉफी उठाने

के बाद श्रेयस ने टीम के अपने साथियों के साथ उसी तरह से जश्न मनाया जैसे मेस्सी ने दोहा में फीफा विश्व कप के फाइनल में फ्रांस को हराने के बाद मनाया था। फाइनल में केकेआर की जीत के बाद दिग्गज इयान बिशप ने कहा, '' मैं गौतम गंभीर के बारे में काफी बातें सुन रहा हूं कि उन्होंने टीम में शानदार माहौल बनाया। लेकिन मुझे नहीं लगता कि इस खिलाड़ी को पर्याप्त श्रेय मिल रहा है। हमें इसे श्रेय देना चाहिये।'' केकेआर के लिए सलामी बल्लेबाजों सुनील नारायण और फिल सॉल्ट ने ज्यादा रन बनाये लेकिन जब भी मौका मिला दूसरे खिलाड़ियों ने भी अपने प्रदर्शन के स्तर को ऊंचा किया जिससे टीम ने लीग चरण में दो मैच बाकी रहते तालिका में शीर्ष पर अपना स्थान पक्का कर लिया था। केकेआर ने पूरे सत्र में सिर्फ तीन मैचों में हार का सामना किया। श्रेयस ने कहा, '' इस समय भावनाओं को व्यक्त करना काफी कठिन है। यह इंतजार काफी लंबा रहा। हम पूरे सत्र में अजेय की तरह खेले। इस समय यादों को संजोने के लिए बहुत कुछ है।'' श्रेयस की यह सफलता उनके बचपन और मुंबई के कोच प्रवीण आमरे के लिए एक विशेष अहसास था, जिन्होंने 2014-15 में उनके पहले रणजी सत्र में इस बल्लेबाज को सातवें से तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने के लिए भेजने का फैसला किया था।

श्रेयस पर भरोसा करना आमरे के लिए सफल रहा। इस बल्लेबाज ने दिसंबर 2014 में ईडन गार्डन्स में बंगाल के खिलाफ मैच में 153 रन बनाये। यह प्रथम श्रेणी में उनका पहला शतक था।

सुविचार

सब के दिलों का एहसास अलग होता है, इस दुनिया में सब का व्यवहार अलग होता है, आँखें तो सब की एक जैसी ही होती है, पर सब का देखने का अंदाज़ अलग होता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

हस्तक्षेप की कोशिश

पाकिस्तान के पूर्व मंत्री फवाद हुसैन चौधरी द्वारा दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का उल्लेख करते हुए की गई टिप्पणी भारत के लोकसभा चुनावों में हस्तक्षेप की ऐसी कोशिश है, जिसे बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं करना चाहिए। उसके जवाब में केजरीवाल की टिप्पणी उचित और संतुलित थी। हालांकि अगर केजरीवाल उस टिप्पणी का जवाब नहीं देते तो भाजपा को उन पर हमला करने का एक मौका और मिल जाता। फवाद हुसैन जब सत्ता में भागीदार थे तो उन्होंने भारत के विरोध में कई जहरीले बयान दिए थे। उन्होंने संसद में स्वीकार किया था कि पुलवामा हमले के पीछे उनके देश का हाथ था। हालांकि बाद में वे अपने बयान से पलट गए थे। अब, जबकि भारत में चुनाव हो रहे हैं तो फवाद को शांति और सद्भाव बहुत अच्छे लगने लगे हैं। वे 'नफरत' और 'कट्टरपंथी ताकतों' को हराने का आह्वान कर रहे हैं! फवाद भूल गए हैं कि भारत ने तो हमेशा ही शांति और सद्भाव को बढ़ावा देने की कोशिशें की हैं, जबकि उनके देश ने दहशत और धमाकों से दुश्मनी पैदा करने और उसे सींचने का काम किया है। आज फवाद को भारत में चुनावों की बड़ी फिक्र हो रही है! वे खुद को शांति के दूत की तरह पेश कर रहे हैं। बेहतर होता कि फवाद अपने देश में भी शांति की स्थापना की कुछ कोशिश करते। वहां ऐसी शक्तियों को प्रोत्साहित करते, जो सद्भाव को बढ़ावा दें। पाकिस्तानियों के साथ एक बहुत बड़ी समस्या है, जिसकी हमें जानकारी होनी चाहिए। वहां नेताओं, सैन्य अधिकारियों से लेकर आम जनता तक को 'सेकुलरिज्म' की बड़ी फिक्र रहती है। बस, शर्त यह है कि वह 'सेकुलरिज्म' किसी अन्य देश में हो, पाकिस्तान में न हो।

ये टीवी चैनलों की बहसों में, सोशल मीडिया पर चर्चा में बहुत फर्राटेदार उपदेश देते हुए कहते हैं कि 'अमेरिका में 'सेकुलरिज्म' कमजोर हो रहा है, ब्रिटेन में 'सेकुलरिज्म' कमजोर हो रहा है, भारत में भी 'सेकुलरिज्म' कमजोर हो रहा है ...!' इनसे कोई कहे कि 'अगर पूरी दुनिया में 'सेकुलरिज्म' कमजोर हो रहा है तो आप अपने देश पाकिस्तान को 'सेकुलर' घोषित कर एक मिसाल कायम क्यों नहीं कर देते?' तो ये तुरंत बगलें झांकने लगते हैं और कहते हैं– 'नहीं, नहीं, नहीं ... हम ऐसा नहीं कर सकते।' पाकिस्तानी खुद कट्टर और हिंसक बने रहना चाहते हैं, लेकिन दुनिया के अन्य देशों में इन्हें सद्भाव चाहिए, सेकुलरिज्म चाहिए। ये अपने देश में भेदभाव जारी रखना चाहते हैं, लेकिन अन्य देशों में इन्हें समानता और विशेषाधिकार चाहिएं। ये पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों को सुकून की सांस लेने की भी इजाजत नहीं देते, लेकिन अन्य देशों में इन्हें नरम रवैए वाली सरकारें चाहिएं। ये पाकिस्तान में ईशनिंदा के नाम पर अल्पसंख्यकों के मोहल्ले फूंक देते हैं, लेकिन खुद के लिए यह ख्वाहिश रखते हैं कि दुनिया के जिस देश में भी जाएं, वहां की सरकारें फूलों के हार पहनाकर इनका स्वागत करें और अपनी आस्था व संस्कृति पर अभद्र टीका–टिप्पणियां करने की भरपूर आज़ादी भी दें। जब से सोशल मीडिया आया है, पाकिस्तान में एक ऐसी मंडली उभरकर सामने आ गई है, जो खुद को शांति की पैरोकार बताती है। कोई पहली बार इनके आलेख पढ़े या वीडियो देख ले तो भ्रम का शिकार हो जाए कि इतने बड़े 'शांतिप्रेमी' के बारे में मुझे अब तक पता क्यों न चला! लेकिन इनके पुराने वीडियो और सोशल मीडिया पोस्ट देखकर यह भ्रम ताश के महल की तरह धराशायी हो जाता है। इनमें से ज्यादातर लोग वे हैं, जो अतीत में सनातन धर्म, परंपराओं, हमारे देवी–देवताओं और मान्यताओं पर घोर आपत्तिजनक टिप्पणियां करते थे। जब कभी भारतीय सुरक्षा बल पाकिस्तानी आतंकवादियों का संहार करते थे तो ये उन्हें कोसते थे। ये आतंकवादियों को अपना हीरो मानते हुए पोस्ट करते थे। अब सोशल मीडिया पर 'कमाई' के रास्ते खुल गए हैं तो ये 'शांतिप्रेमी' बन गए। फवाद हुसैन भी इसी श्रेणी के 'शांतिप्रेमी' हैं। भविष्य में ऐसे और 'शांतिप्रेमी' प्रकट होंगे, जिनके मायाजाल से हमें सावधान रहना है। अगर किसी पाकिस्तानी नेता, अफसर, पत्रकार और कार्यकर्ता को 'सद्भाव' एवं 'सेकुलरिज्म' की इतनी ज्यादा परवाह है तो इन्हें पहले अपने मोहल्ले में लागू करके दिखाएं।

ट्वीटर टॉक

हम सत्ता में लोगों की सेवा करने के लिए आए हैं. लोगों की दुख–दर्द और तकलीफ दूर करने आए हैं। मोदी जी ने दिन–रात, अपने जीवन का पल–पल ... भारत की जनता की सेवा के लिए, उनकी तकदीर और तस्वीर बदलने के लिए लगाया है। देश को आगे बढ़ाने के लिए लगाया है।

–जेपी नड्डा

केन्द्रीय सड़क परिवहन मंत्री श्री नितिन गडकरी जी को जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। अपने वृहद अनुभव और कार्य कुशलता से आप देश की उन्नति में उल्लेखनीय योगदान दे रहे हैं। आपके स्वस्थ–प्रफुल्लित जीवन और दीर्घायु की कामना है।

–ओम बिरला

हम बार–बार कह रहे हैं कि भाजपा ने विश्वविद्यालयों में अपने चहेतों की नौकरी लगाने और भ्रष्टाचार का खेल शुरू कर दिया है। शेखावाटी यूनिवर्सिटी की भर्ती परीक्षा में पेपर लीक की ख़बर युवाओं के सपनों के साथ धोखा है।

–गोविंदसिंह डोटासरा

प्रेरक प्रसंग

घर का बादशाह

एक बार मुंशी प्रेमचंद जी के स्कूल में निरीक्षण करने अफसर आए। पहले दिन प्रेमचंद उनके साथ पूरे समय स्कूल में रहे, दूसरे दिन शाम को वह अपने घर पर आरामदायक कुर्सी पर बैठकर अखबार पढ़ रहे थे, अफसर महोदय की मोटरकार उधर से गुजरी। अफसर को उम्मीद थी कि प्रेमचंद उठकर उन्हें सलाम करेंगे, लेकिन ऐसा कुछ न हुआ, अफसर ने गाड़ी रोक दी और अर्दली को भेज कर उन्हें बुलाया, इसके बाद प्रेमचंद अधिकारी के सामने जाकर बोले, कहिए क्या है? अधिकारी ने कहा, 'तुम बड़े मगरूर हो, तुम्हारा अफसर दरवाजे से निकल जाता है और तुम उठकर सलाम भी नहीं करते? प्रेमचंद बोले, मैं जब स्कूल में रहता हूं तब नौकर हूं बाद में मैं भी अपने घर का बादशाह हूं।' मुंशी जी की ये बातें सुनकर अफसर महोदय की भौंहें तनी की तनी रह गईं।

सामयिक

तस्वीर वैसी नहीं जैसी विरोधी बता रहे

अवधेश कुमार

मोबाइल : 9811027208

मोदी और शाह का नेतृत्व, प्रबंधन, नियंत्रण, जगह-जगह नेताओं से संवाद करने, उन्हें संभालने की क्षमता तथा उसके साथ केंद्र से प्रदेश के स्तरों पर विश्वसनीय लोगों के समूह की सक्रियता का सामना विपक्ष करने की स्थिति में नहीं है। भाजपा का समर्थन और विरोध दोनों के पीछे उसकी विचारधारा को लेकर निर्मित सोच होती है। भारत और दुनिया भर के विरोधी अगर मोदी सरकार को हर हाल में सत्ता से हटाना चाहते हैं तो उसके पीछे मूल कारण इस विचारधारा के आधार पर खड़ा होता हुआ स्वाभिमानी भारत ही है जिसे वह पसंद नहीं करते या जो उनके लिए खतरा हो सकता है। भारत में एक बहुत बड़ा वर्ग इस विचारधारा को समझ कर खड़ा है और उसे लगता है कि हमारे सामने राजनीति में एक मात्र विकल्प इस समय भाजपा ही है।

अब जब लोकसभा चुनाव का एक चरण बाकी है नेताओं, पार्टियों और विश्लेषकों के दावों पर बात किया जाना आवश्यक है। विरोधी दलों, नेताओं और उनका समर्थन करने वाले मुख्य मीडिया, सोशल मीडिया के पत्रकारों, एक्टिविस्टों ने ऐसा माहौल बनाया है मानो 4 जून के साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार का अंत हो जाएगा और उसकी जगह विपक्ष के गठबंधन की सरकार बनेगी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जब चौथे दौर के साथ बहुमत एवं पांचवें दौड़ के साथ 310 सीटों तक पहुंचने की बात की तो ऐसे लोगों ने उसका उपहास उड़ाना शुरू कर दिया। आजकल डिबेट में भी पूछा जा रहा है कि अब भाजपा 400 से आकर 300 की बात कैसे करने लगी है? न प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने, न गृह मंत्री अमित शाह ने कभी कहा है कि हमारा 400 पार का दावा खत्म हो गया है। सरकार में वरिष्ठ क्रम में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह दूसरे नंबर पर आते हैं लेकिन नेतृत्व और नियंत्रण के आधार पर देखें तो प्रधानमंत्री के बाद गृह मंत्री अमित शाह ही सरकार और संगठन के दूसरे मुख्य निर्णायक हैं। इन दोनों ने 400 पार का दावा छोड़ नहीं है तो विरोधियों की बात कैसे मान ली जाए कि भाजपा ने 300 तक का मन बना लिया है। 4 जून को किसको कितनी सीटें आएंगी इसकी भविष्यवाणी जोखिम भरी होगी। किंतु क्या देश में ऐसी स्थिति पैदा हो गई कि बहुसंख्य मतदाता मोदी सरकार को उखाड़ फेंकने की सीमा तक विद्रोह कर दे? इसी के साथ यह भी प्रश्न है कि क्या विपक्ष ने अपनी छवि ऐसी बना ली है कि लोग वर्तमान परिस्थितियों में उनके हाथों सत्ता सौंपने का निर्णय कर लें?

निष्पक्ष होकर विचार करेंगे तो इन दोनों प्रश्नों का उत्तर हां में नहीं आ सकता है। तीन चरणों के मतदान में कमी से माहौल ऐसा बनाया गया मानो लोग मोदी सरकार से रुष्ट थे जिस कारण मतदान गिरा है। यह भी अजीब बात है कि सामान्यतः मतदान घटने को सत्ता के पक्ष का संकेत माना जाता था। हालांकि 2010 से मतदान के घटने या बढ़ने से किसी की सत्ता जाने या आने के संकेत की धारणा खत्म हो चुकी है। विपक्ष का यह दावा कैसे मान लिया जाए कि भाजपा के मतदाता नहीं आ रहे हैं और उनके मतदाता निकल रहे हैं? क्या जिन परिस्थितियों में और जिन अपेक्षाओं से 2014 में भारत के लोगों ने 1984 के बाद एक नेता और दल के नेतृत्व में बहुमत दिया और 2019 में सशक्त किया उनके संदर्भ में ऐसी निराशाजनक प्रदर्शन सरकार है कि लोग उसे वाकई हटाने के लिए तैयार हो जाएं?

सच यह है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह की जोड़ी ने उन परिस्थितियों और अपेक्षाओं के संदर्भ में कुछ ऐसे काम किए हैं जिनकी उम्मीद उनके अनेक समर्थकों ने नहीं की थी। भाजपा को राजनीति में संघ विचारधारा का प्रतिनिधि माना जाता है। हिंदुत्व, हिंदुत्व आधारित राष्ट्र भाव और वैश्विक दर्शन इसके मूल में है। इस कारण देश का बहुत बड़ा वर्ग उससे हिंदुत्व के मामलों पर विचार और व्यवहार में प्रखरता की उम्मीद करता है। नरेंद्र मोदी सरकार ने पहले दिन से इस दिशा में पूर्व सरकारों से अलग मुखर भूमिका निभाने की कोशिश की। यह नहीं कह सकते कि हिंदुत्व के मामले में जितनी अपेक्षाएं थीं सब पूरी हुई पर जो कमी पहली सरकार में थी वह अमित शाह के गृह मंत्री बनने के बाद काफी हद तक खत्म हुई हैं। उदाहरण के लिए किसी ने कल्पना नहीं की थी कि सरकार धारा 370 को एक दिन में समाप्त कर देगी। इसी तरह मुस्लिम समुदाय में समाज सुधार की दृष्टि से एक साथ तीन तलाक जैसे विषय को जिसे गलत तरीके से मजहब से जोड़ दिया गया है उसे खत्म करने का कानून बनाया जाएगा इसकी भी अपेक्षा नहीं थी। 1985 में शाहबानो प्रकरण के बाद भारत के राजनीतिक प्रतिष्ठान में धारणा बन गई थी कि मुसलमान से संबंधित कुरीतियों, गलत प्रथाओं आदि को यूं ही छोड़ दिया जाए अन्यथा समुदाय कट्टरपंथियों के आह्वान पर उथल–पुथल मचा देगा। अयोध्या में वाकई श्री राम मंदिर बन जाएगा और रामलला की प्राण प्रतिष्ठा हो जाएगी इसकी भी उम्मीद बहुत कम लोगों को थी। उच्चतम न्यायालय ने फैसला दिया लेकिन सभी केंद्र में सत्ता का नियंत्रण मोदी और शाह के हाथों नहीं होता तथा उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ सरकार नहीं होती तो न समय सीमा में मंदिर का निर्माण होता और न रामलला की प्रण प्रतिष्ठा हो पाती। विदेश नीति में इस समय भारत संपूर्ण विश्व में उस प्रभावी और विश्वसनीय स्थान पर है जहां एक दूसरे के दुश्मन देश या देशों का समूह इसके साथ संबंध बनाए रखने के लिए तत्परता दिखा रहे हैं। पहली बार इतनी प्रखरता से भारत अंतर्राष्ट्रीय पटल पर अपनी बात रख रहा है और विश्व समुदाय सुन भी रहा है। चीन जैसा आर्थिक एवं सैन्य दृष्टि से शक्तिशाली देश हमारे विरुद्ध है। उतना सशक्त न होते हुए भी विश्व कूटनीति में हम सफलतापूर्वक मुकाबला कर रहे हैं। विश्व भर में भारत में वांछित आतंकवादियों की लगातार हत्याएं हो रही हैं। कौन कर रहा है कैसे कर रहा है इस विषय पर अलग–अलग मत हो सकते हैं। कनाडा ने भारत सरकार पर आरोप लगाया तो अमेरिका ने भी आतंकवादी पन्नू की हत्या के प्रयास के पीछे भारत की भूमिका का उल्लेख किया है। पाकिस्तान लगातार कह रहा है कि भारत की एजेंसियां ही उसके देश के अंदर नागरिकों की हत्याएं करा रहा है। पाकिस्तान में जितने को मारा गया वह सब आतंकवादी थे। भारत विरोधी आतंकवादियों में पूरी दुनिया के अंदर दहशत पैदा हो चुका है। अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में दुनिया की सबसे तेजी से विकास करता हुआ देश भारत है। हमारा शेयर बाजार जबरदस्त ऊंचाइयों पर है। ऐसा नहीं है कि लोगों की सारी अपेक्षाएं पूरी हो गई हैं और हर व्यक्ति सुख समृद्धि और निश्चिंतता की अवस्था में पहुंच गया है। क यूपीए सरकार की निराशाजनक स्थिति से उलट सकारात्मक और आशाजनक तस्वीर अवश्य है।

उम्मीदवारों के चयन, गठबंधन आदि को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं, नेताओं और समर्थकों के अंदर असंतोष और नाराजगी देखी गई है जो स्वाभाविक है मोदी और शाह का नेतृत्व, प्रबंधन, नियंत्रण, जगह–जगह नेताओं से संवाद करने, उन्हें संभालने की क्षमता तथा उसके साथ केंद्र से प्रदेश के स्तरों पर विश्वसनीय लोगों के समूह की सक्रियता का सामना विपक्ष करने की स्थिति में नहीं है। भाजपा का समर्थन और विरोध दोनों के पीछे उसकी विचारधारा को लेकर निर्मित सोच होती है। भारत और दुनिया भर के विरोधी अगर मोदी सरकार को हर हाल में सत्ता से हटाना चाहते हैं तो उसके पीछे मूल कारण इस विचारधारा के आधार पर खड़ा होता हुआ स्वाभिमानी भारत ही है जिसे वह पसंद नहीं करते या जो उनके लिए खतरा हो सकता है। भारत में एक बहुत बड़ा वर्ग इस विचारधारा को समझ कर खड़ा है और उसे लगता है कि हमारे सामने राजनीति में एक मात्र विकल्प इस समय भाजपा ही है। विरोधी भारतीय राजनीति में आए इस बदलाव की शक्ति को अभी तक नहीं पहचान सके। प्रधानमंत्री ने अपने इंटरव्यू में कहा कि पहले केवल मोदी करते थे और बाद में इसमें योगी को भी जोड़ लिया। कानून व्यवस्था के प्रति योगी सरकार की सख्ती और सांप्रदायिकता के आरोपों की चिंता न करते हुए कठोरतापूर्वक कदम उठाने के कारण लोगों में अलग प्रकार की धारणा बनी है। विरोधियों का एक वर्ग हमेशा दुष्प्रचार करता रहता है कि अमित शाह योगी की लोकप्रियता से ईर्ष्या रखते हैं। सच यही है कि उनको मुख्यमंत्री बनाने के पीछे मोदी और शाह दोनों की भूमिका थी। ऐसी स्थिति में यह मान लेना कि विपक्ष के प्रचार के अनुरूप लोगों ने सरकार को हटाने का मन बना लिया है किसी के गले नहीं उतर सकता। आईएनडीआईए घटकों ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी जिम्मेवार और देश के लिए दूरगामी वाली सोच, कार्ययोजना एवं नेतृत्व की छवि प्रस्तुत नहीं की है। इसलिए यह मत मानिए कि देश भर के मतदाता उनके दावों के अनुरूप मतदान कर रहा है।

नजरिया

अग्निकांडों ने हर भारतीय का दिल जख्मी किया

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

गुजरात के राजकोट में एक एम्यूजमेंट पार्क के अंदर गेमिंग जोन में लगी आग की लपटें अभी ठीक से बुझी भी नहीं थीं कि शनिवार देर रात राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में बच्चों के एक प्राइवेट हॉस्पिटल में आग लगने से सात नवजात बच्चों की जान चली गयी। दोनों ही घटनाओं में हताहत होने वालों में ज्यादातर छोटे बच्चे हैं। निश्चित रूप से ये हादसे प्रशासनिक लापरवाही की उपज हैं, यही कारण है कि सिस्टम में खामियों और ऐसी आपदाओं को रोकने में सरकारी अधिकारियों की लापरवाही की निंदा की जा रही है। यह याद रखने योग्य है कि नियमित अंतराल पर मानवीय जिम्मेदारी वाले पहलू की अनदेखी से ऐसी गंभीर घटनाएं होने के बावजूद अधिकारियों की उदासीनता और लापरवाही कम होती नहीं दिख रही है। इन जहरीली काली आग ने कितने ही परिवारों के घर के चिराग बुझा दिए। कितनी ही आंखों की रोशनी छीन ली और एक कालिख पोत दी कानून और व्यवस्था के कर्णधारों के मुँह पर। 'अग्निकांड' एक ऐसा शब्द है जिसे पढ़ते ही कुछ दृश्य आंखों के सामने आ जाते हैं, जो भयावह होते हैं, त्रासद होते हैं, डरावने होते हैं। जीवन का हर पल दुर्घटनाओं का शिकार हो रहा है। दुर्घटनाओं को लेकर आम आदमी में संवेदनहीनता की काली छाया का पसरना हो या सरकार की आंखों पर काली पट्टी का बंधना–हर स्थिति में मनुष्य जीवन के अस्तित्व एवं अस्मिता पर सन्नाटा पसर रहा है।

इन दोनों मामलों में शुरुआती सूचनाएं ही संदेह का पुख्ता आधार प्रदान कर रही हैं। मसलन, यह बताया गया कि राजकोट के प्राइवेट एम्यूजमेंट पार्क में चल रहे गेमिंग जोन को फायर एनओसी नहीं मिला था। इसके बावजूद यह गेमिंग जोन धड़ल्ले से चल रहा था, बड़ी संख्या में बच्चे यहां महंगे टिकट लेकर आ रहे थे और अगर आग लगने की यह घटना न होती तो पता नहीं कब तक सब कुछ ऐसे ही चलता रहता। ठीक इसी तरह दिल्ली के बेबी केयर सेंटर की आग की घटना ने सभी को झकझोर कर रख दिया है। एनआईसीयू में वेंटिलेटर पर ही 7 नवजात ने दम तोड़ दिया। आग की लपटें इतनी तेज थी कि बच्चों को पीछे के रास्ते से बड़ी मुश्किल से निकाला गया। 5 बेड की क्षमता वाले हॉस्पिटल में 12 बच्चों का इलाज हो रहा था। जाहिर है, एक बेड पर दो या तीन बच्चे थे। आग लगने, हॉस्पिटल के मिस मैनेजमेंट और लापरवाही का क्या स्थानीय प्रशासन को अंदाजा नहीं होना चाहिए कि उसके कार्यक्षेत्र में किस तरह के व्यवसाय कानूनी प्रक्रियाओं की अनदेखी करते हुए चलाए जा रहे हैं? प्रश्न है कि इन बढ़ती दुर्घटनाओं की नृशंस चुनौतियों का क्या अंत है? बहुत कठिन है दुर्घटनाओं की उफनती नदी में जीवनरूपी नौका को सही दिशा में ले चलना और मुकाम तक पहुंचाना, यह चुनौती सरकार के सम्मुख तो है ही, आम जनता भी इससे बच नहीं सकती। इन दोनों अग्निकांडों में पीड़ितजन तो सहानुभूति के पात्र हैं ही, पर इन घटनाओं के लिए सहानुभूति की पात्र देश की जनता भी है, जो भ्रष्ट, लापरवाह एवं लालची प्रशासनिक चरित्रों को झेल रही है। मनुष्य अपने स्वार्थ और रुपए के लिए इस सीमा तक बेईमान और बदमाश हो जाता है कि हजारों के जीवन और सुरक्षा से खेलता है। दो–चार परिवारों की सुख समृद्धि के लिए अनेक घर–परिवार उजाड़ देता है।

राजकोट हो या राजधानी में प्राइवेट संस्थानों में आग लगना– बेकसूर लोगों के मारे जाने की घटनाएं कोई नई या चौंकाने वाली बात नहीं है। कभी कोई फैक्ट्री इस वजह से सुर्खियों में आती है तो कभी कोचिंग संस्थान। कभी कोई अस्पताल तो कभी एम्यूजमेंट पार्क। घटना के बाद पता चलता है कि वे संस्थान तमाम कानूनी प्रक्रियाओं को ताक पर रखते हुए चलाए जा रहे थे। यही वजह है कि दोनों ही मामलों में तत्काल जांच के आदेश दे दिए गए। मगर आम तौर पर ऐसे आदेश घटना से उपजे असुविधाजनक एवं ज्वलंत सवालों की ओर से लोगों का ध्यान हटाने भर का काम करते हैं। आसमान से बरसती आग के बीच शनिवार को हुए इन दोनों अग्निकांडों में मासूमों व बच्चों की मौत ने हर संवेदनशील व्यक्ति को झकझोरा है। तंत्र की काहिली और आपराधिक लापरवाही के चलत ऐसे हादसे होते हैं जिनमें भ्रष्टाचार पसरा होता है, जब अफसरशाह लापरवाही करते हैं, जब स्वार्थ एवं धनलोलुपता में मूल्य बौने हो जाते हैं और नियमों और कायदे–कानूनों का उल्लंघन होता है।

आग क्यों और कैसे लगी, यह तो जांच का विषय है ही लेकिन इन व्यावसायिक इकाइयों को उसके मालिकों ने मौत का कुआं बना रखा था। आखिर क्या वजह है कि जहां दुर्घटनाओं की ज्यादा संभावनाएं होती हैं, वही सारी व्यवस्थाएं फेल दिखाई देती है? सारे कानून कायदों का वहीं पर स्याह हनन होता है। हर दुर्घटना में गलती भ्रष्ट आदमी यानी अधिकारी एवं व्यवसायी की ही होती है पर कारण बना दिया जाता हैं पुर्जों व उपकरणों की खराबी को। जैसे–जैसे जीवन तेज़ होता जा रहा है, सुरक्षा उतनी ही कम हो रही है, जैसे–जैसे प्रशासनिक सर्तकता की बात सुनाई देती है, वैसे–वैसे प्रशासनिक कोताही के सबूत सामने आते हैं, मरने वालों की संख्या बढ़ रही है, लेकिन हर बड़ी दुर्घटना कुछ शोर–शराबें के बाद एक और नई दुर्घटना की बाट जोहने लगती है। सरकार और सरकारी विभाग जितनी तत्परता मुआवजा देने में और जांच समिति बनाने में दिखाते हैं, अगर सुरक्षा प्रबंधों में इतनी तत्परता दिखाएं तो दुर्घटनाओं की संख्या घट सकती है। लेकिन ऐसा नहीं हो रहा है, क्यों नहीं हो रहा है, यह मंथन का विषय है।

राजधानी दिल्ली ही नहीं, देश में हर जगह कानूनों एवं व्यवस्थाओं की धज्जियां उड़ते हुए देखा जा सकता है। इंसान का जीवन कितना सस्ता हो गया है। अपने धन लाभ के लिये कितने इंसानों के जीवन को दांव पर लगा देता है। मालिकों से ज्यादा दोषी ये अधिकारी और कर्मचारी हैं। अगर ये अपनी जिम्मेदारी को पूरी ईमानदारी से निभाते तो उपहार सिनेमा अग्निकांड नहीं होता, नन्दनगरी के समुदाय भवन की आग नहीं लगती, पीरागढ़ी उद्योगनगर की आग भी उनकी लापरवाही का ही नतीजा थी। बात चाहे पब की हो या रेल की, प्रदूषण की हो या खाद्य पदार्थों में मिलावट की–हमें हादसों की स्थितियों पर नियंत्रण के ठोस उपाय करने ही होंगे। तेजी से बढ़ता हादसों का हिंसक एवं डरावना दौर किसी एक प्रान्त या व्यक्ति का दर्द नहीं रहा। इसने हर भारतीय दिल को जख्मी किया है। इंसानों के जीवन पर मंडरा रहे मौत के तरह–तरह की डरावने हादसों एवं दुर्घटनाओं पर काबू पाने के लिये प्रतीक्षा नहीं, प्रक्रिया आवश्यक है। स्थानीय निकाय हो या सरकारें, लाइसेंसिंग विभाग हो या कानून के रखवाले– अगर मनुष्य जीवन की रक्षा नहीं की जा सकती तो फिर इन विभागों का फायदा ही क्या? कौन नहीं जानता कि ये विभाग कैसे काम करते हैं। सब जानते हैं कि प्रदूषण नियंत्रण के नाम पर इंस्पैक्टर आते हैं और बंधी–बंधाई राशि लेकर लौट जाते हैं। लाइसेंसिंग विभाग में ऊपर से नीचे तक भ्रष्टाचार है। नैतिकता और मर्यादाओं के इस टूटते बांध को, लाखों लोगों के जीवन से खिलवाड़ करते इन आदमखोरों से कौन मुकाबला करेगा? कानून के हाथ लम्बे होते हैं पर उसकी प्रक्रिया भी लम्बी होती है। कानून में अनेक छिद्र हैं। सब बच जाते हैं। सजा पाते हैं गरीब आश्रित, निर्दोष अभिभावक जो मरने वालों के पीछे जीते जी मर जाते हैं। पुलिस व्यक्ति की सुरक्षा में तैनात रहती है जनता की सुरक्षा में नहीं। भ्रष्ट अधिकारी नोट जुगाड़ने की कोशिश में रहते हैं, जनता की सुरक्षा के लिये नहीं। भ्रष्टाचार शासन एवं प्रशासन की जड़ों में पैठा हुआ है, इन विकट एवं विकराल स्थितियों में एक ही पंक्ति का स्मरण बार बार होता है, घर–घर में है रावण बैठा इतने राम कहां से लांऊ। भ्रष्टाचार, बेईमानी और अफसरशाही इतना हावी हो गया है कि सांस लेना भी दूभर हो गया है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

जांच

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को ऋषिकेश में 'चार धाम यात्रा' तीर्थयात्रियों के लिए की गई चिकित्सा व्यवस्थाओं की जांच की।

हरियाणा पुलिस की मदद से 22 साल बाद अपने परिवार से मिला गुमशुदा व्यक्ति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़। हरियाणा पुलिस द्वारा आठ महीने तक की गयी जांच के कारण करीब दो दशक पहले गुमशुदा हुआ 29 वर्षीय व्यक्ति उत्तर प्रदेश में अपने परिवार से दोबारा मिल पाया है। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। सात साल की उम्र में कुछ लोगों ने कथित तौर पर अमित का अपहरण कर लिया था, जिसके कारण वह परिवार से अलग हो गया था। इस दौरान दिल्ली के विभिन्न बाल गृह में उसका पालन पोषण हुआ। जांच का नेतृत्व करने वाले हरियाणा पुलिस की मानव तस्करी रोधी इकाई के सहायक उप-निरीक्षक राजेश कुमार ने सोमवार को कहा कि अमित 22 साल बाद हाल ही में अपने परिवार से दोबारा मिल पाया है।

कुछ महीने पहले एएसआई कुमार के संपर्क में आने पर अपने परिवार की तलाश के अमित के अथक प्रयास रंग लाए। कुमार एक बच्चे के लापता होने के मामले में दिल्ली गए थे, तभी अमित का उनसे संपर्क हुआ। अमित को बस गांव की तेल मिल और बाला चौक नामक स्थान याद था। एएसआई कुमार ने उसके परिवार का पता लगाने के लिए सावधानीपूर्वक जांच शुरू की।

कुमार ने मामले की जानकारी देते हुए कहा कि अमित के माता-पिता 22 साल पहले अलग हो गए थे, जिसके बाद वह उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर के एक गांव में अपने नाना के साथ रहने लगा। कुछ समय बाद अमित का पिता उसे अपने साथ सहारनपुर ले गया। एक दिन जब अमित कुछ खरीदने के लिए पास की एक दुकान पर गया तो किसी ने कथित तौर पर उसका अपहरण कर लिया। कुमार ने कहा, उस समय सात साल के रहे अमित ने कहा कि उसे याद है कि कुछ लोग उसे अपने साथ ले गए थे और जब वह जागा तो पाया कि वह मुंबई जाने वाली एक ट्रेन में सवार है। कुमार ने कहा, अमित ने मुझे बताया कि जब वह मुंबई पहुंचा, तो किसी ने यह समझकर उसे दिल्ली जाने वाली ट्रेन में बिठा दिया कि बच्चा उत्तर भारतीय है। वहां से उसकी जिंदगी ने कई मोड़ लिए।

अधिकारी ने कहा कि जब अमित दिल्ली पहुंचा तो उसे अपने घर के बारे में कुछ पता नहीं था और वह इधर-उधर भटकता रहा, जिसके बाद दिल्ली पुलिस ने उसे राष्ट्रीय राजधानी के अलीपुर में एक बाल गृह भेज दिया। उन्होंने कहा, कुछ साल बाद, उसे दिल्ली में किसी दूसरे बाल गृह और फिर गाजियाबाद के बाल गृह में भेज दिया गया, जहां वह नौकरी करने लगा।

अधिकारी ने कहा, अमित ने मुझे कुछ चौक का नाम लेते हुए बताया कि वह वहां रहता था, इससे मुझे कुछ सुराग मिले... उसने कहा कि गांव में बैलगाड़ियां और गन्ने के खेत थे। मैंने पूछा कि उसके क्षेत्र में लोग किस तरह के कपड़े पहनते थे। कुमार ने कहा, मैंने उन सुरागों पर काम करना शुरू कर दिया जो अंततः मुझे गांव तक ले गए।

मुलाकात

सरकाघाट के खल्याणा व बल्हड़ा में सोमवार को जनता से मुलाकात कर उनके साथ संवाद करती भाजपा प्रत्याशी कंगना रानौत।

रूस-बेलारूस से लगी सीमा पर किलेबंदी करने की पोलैंड की योजना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वारसा। नाटो सदस्य पोलैंड के रक्षा अधिकारियों ने सोमवार को रूस और रूसी सहयोगी बेलारूस के साथ अपनी पूर्वी सीमा पर लगभग 700 किलोमीटर लंबी सरहद की किलेबंदी और अवरोधों के माध्यम से जमीनी सैन्य रक्षा एवं ड्रोन-रोधी निगरानी को मजबूत करने के लिए एक योजना पेश की। सरकार का पोलैंड पड़ोसी यूक्रेन का रूस की आक्रामकता के खिलाफ चलाए जा रहे रक्षात्मक कदमों का समर्थन करता है। उसने कहा कि पोलैंड रूस और बेलारूस की शत्रुतापूर्ण कार्रवाइयों का निशाना बन रहा है। इनमें साइबर हमले, आगजनी का प्रयास और अवैध रूप से सीमा पार से प्रवासियों की गैरकानूनी घुसपैठ करना शामिल है। अधिकारी इन प्रयासों को यूरोपीय संघ को अस्थिर करने का इरादा बताते हैं, जिसका पोलैंड सदस्य है।

सरकार ने प्रतिरोध करने की अपनी प्राथमिक भूमिका पर जोर देते हुए सैन्य हमले की स्थिति के मद्देनजर तैयारी कर रही है।। प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क की सरकार ने साइबरस्पेस सहित कई सुरक्षा उपायों की योजना बनाई है। साथ ही पूर्वी सीमा पर निगरानी, प्रतिरोध और रक्षा को मजबूत करने के लिए 2.5 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक के निवेश की योजना बनाई है।

अधिकारियों ने कहा कि प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क की सरकार ने साइबरस्पेस सहित कई सुरक्षा उपायों की योजना बनाई है। साथ ही पूर्वी सीमा पर निगरानी, घेरा बनाने और रक्षा उपायों को मजबूत करने के लिए 2.5 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक के निवेश की योजना बनाई है।

ताइवान : चीन के सैन्य अभ्यास के बाद अमेरिकी सांसदों ने नये राष्ट्रपति को समर्थन देने का वादा किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ताइपे। ताइवान में नये राष्ट्रपति के उद्घघाटन भाषण के जवाब में चीन द्वारा आस-पास के क्षेत्र में सैन्य अभ्यास करने के तुरंत बाद अमेरिकी सांसदों के एक प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को नये नेता से मुलाकात कर अपना समर्थन जाहिर किया। अमेरिकी कांग्रेस में ताइवान कॉकस के सह-अध्यक्ष प्रतिनिधि एंडी बार्र ने कहा कि अमेरिका, ताइवान की सेना, कूटनीति और अर्थव्यवस्था का समर्थन करने के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है।

केंटकी के प्रतिनिधि ने अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के ताइवान के राष्ट्रपति लाई चिंग-ते से मुलाकात करने के बाद संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा, अमेरिका, ताइवान में यथास्थिति और शांति बनाए रखना चाहता है और इसको लेकर अमेरिका, ताइवान या फिर दुनिया में कहीं भी किसी प्रकार का कोई संदेह नहीं होना चाहिए।

चीन ताइवान को एक विश्वासघाती प्रांत मानता है, जिसे आवश्यकता पड़ने पर वह बलपूर्वक अपने नियंत्रण में ले सकता है। अधिकांश देशों की तरह, अमेरिका के ताइवान के साथ औपचारिक राजनयिक संबंध नहीं हैं लेकिन वह द्वीप को उसकी रक्षा के साधन प्रदान करने के लिए अपने खुद के कानूनों का हवाला देता है। चीनी सरकार ने अमेरिकी सांसदों की यात्रा पर कड़ा विरोध व्यक्त किया और कहा कि इस दौरे ने चीन-अमेरिका संबंधों और ताइवान जलडमरूमध्य में शांति और स्थिरता को कमजोर किया है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माओ निंग ने बीजिंग में कहा, अमेरिकी सांसदों की यात्रा ताइवान के साथ केवल अनौपचारिक संबंध बनाए रखने की अमेरिकी सरकार की राजनीतिक प्रतिबद्धता के खिलाफ है।

यह दौरा ताइवान की स्वतंत्रता की अलगाववादी ताकत का गंभीर रूप से गलत संकेत भेजता है। ताइवान के नये विदेश मंत्री लिन चिया-लुंग ने हाल ही में चीन द्वारा किये गये सैन्य अभ्यासों पर गौर करते हुए इस महत्वपूर्ण समय में अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल से एकजुटता का संकेत दिखाने के लिए मुलाकात करने का आह्वान किया था।

सभा

कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी सोमवार को हिमाचल प्रदेश के चंबा में न्याय संकल्प सभा में।

फिल्म 'अरनमनई 4' अब हिंदी में भी

मुंबई/एजेन्सी

तमन्ना भाटिया और राशि खन्ना की तमिल हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'अरनमनई 4' जब से बड़े पर्दे पर रिलीज़ हुई है, तब से ही तहलका मचा रही है। दर्शकों से यह फिल्म खूब प्रशंसा बटोर रही है। बावेजा स्टूडियोज़ और कार्मिक फिल्म्स ने ब्लॉकबस्टर हिट 'अरनमनई 4' की हिंदी डब रिलीज़ की घोषणा की है, जो 31 मई, 2024 से आपके नज़दीकी सिनेमाघरों में उपलब्ध होगी।

इस फिल्म की कहानी खतरनाक भूत बाक पर आधारित है, जो पूर्वी भारतीय लोककथाओं की समृद्ध परंपरा का बखान करती है। फिल्म में एक पारिवारिक परिवेश में अच्छी और बुरी ताकतों को एक विशेष उद्देश्य के चलते लड़ते हुए दिखाया जाएगा। तमन्ना भाटिया और राशि खन्ना ने फिल्म में अपनी अदाओं का बेमिसाल जादू बिखेरा है।

'अरनमनई 4' फ्रेंचाइज़ी की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म साबित हुई है। फिल्म को देश के ही नहीं, बल्कि विदेशी दर्शकों से भी सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। बम्पर बिजनेस का चौला ओढ़े 'अरनमनई 4' फिल्म अब तक दुनिया भर में 85.20 करोड़ रुपए से भी अधिक की कमाई कर चुकी है। और उम्मीद है कि यह कुछ ही दिनों में 100 करोड़ के क्लब में शामिल हो जाएगी।

'अरनमनई 4' का निर्देशन सुंदर सी ने किया है और इसके तमिल संस्करण को 3 मई, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज़ किया गया था।

फिल्म साजिद कुरैशी, सुशील लावानी, खुशबू सुंदर और एसीएस अरुण कुमार द्वारा निर्मित है। इसमें तमन्ना भाटिया और राशि खन्ना के अलावा सुंदर सी, योगी बाबू, संतोष प्रताप, रामचंद्र राजू, केएस रविकुमार, जयप्रकाश और अन्य सितारों ने प्रमुख भूमिका निभाई है। 'अरनमनई 4', 31 मई, 2024 से आपके नजदीकी सिनेमाघरों में उपलब्ध होगी। बावेजा स्टूडियोज़ और कार्मिक फिल्म्स के बारे में: बावेजा स्टूडियोज़ एक जाना-माना फिल्म प्रोडक्शन हाउस है, जिसने अद्वितीय और शक्तिशाली कहानियों को सिल्वर स्क्रीन पर उतारने के लिए कार्मिक फिल्म्स के साथ साझेदारी की है।

आर्यन खान ने पूरी की डेब्यू सीरीज स्टारडम की शूटिंग

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के किंग खान शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान ने अपनी पहली वेब सीरीज स्टारडम की शूटिंग पूरी कर ली है। आर्यन, एक्टिंग में करियर नहीं बनाना चाहते थे, इसलिए उन्होंने निर्देशन के फील्ड में कदम रखा है। आर्यन की डेब्यू सीरीज़ स्टारडम की शूटिंग भी पूरी हो गई है।वेब सीरीज़ स्टारडम की रैप-अप पार्टी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

वीडियो में दिख रहा है कि आर्यन खान एक तीन मंजिला केक काट रहे हैं और उन्हें सीरीज की कास्ट और क्रू मेबर्स ने चारों ओर से घेरा हुआ है।इस दौरान वहां स्टारडम में काम कर रहे बॉबी देओल भी नजर आ रहे हैं। आर्यन के केक कटिंग के दौरान सभी लोग वहां तालियां भी बजाते दिखाई दे रहे हैं। आर्यन खान की स्टारडम में ग्लैमर की दुनिया को करीब से दिखाया जाएगा। इस सीरीज़ में फिल्म इंडस्ट्री के सितारों की जिंदगी, उनके करियर के उतार-चढ़ाव और बड़ा स्टार बनने की ललक लिए सितारों का संघर्ष की कहानियां दिखाई जाएगी। आर्यन ने स्टारडम के निर्देशन के अलावा इस सीरीज का लेखन भी किया है। इस सीरीज में लक्ष्य लालवानी लीड रोल में नज़र आने वाले हैं। सीरीज़ में बॉबी देओल और मोना कपूर जैसे सितारे भी दिखेंगे।शाहरुख खान,रणबीर कपूर और रणवीर सिंह जैसे सितारों का इसमें कैमियो होगा।

अपूर्वा अरोड़ा ने 'फैमिली आज कल' में अपनी भूमिका के बारे में अनुभव साझा किया

मुंबई/एजेन्सी

जानीमानी अभिनेत्री अपूर्वा अरोड़ा ने अपनी वेबसीरीज फैमिली आज कल में मेहर के रूप में अपनी भूमिका के बारे में अनुभव साझा किया है। अपूर्वा अरोड़ा ने हाल ही में लोकप्रिय वेब श्रृंखला फैमिली आज कल में मेहर का किरदार निभाते हुए नजर आयी हैं।यह शो, जो एक आधुनिक परिवार की गतिशीलता पर प्रकाश डालता है, एक बड़ा हिट बन गया है, जिसने दर्शकों और आलोचकों दोनों से व्यापक प्रशंसा अर्जित की है। अपूर्वा के मेहर के प्रामाणिक चित्रण की विशेष रूप से प्रशंसा की गई है, जिससे एक प्रतिभाशाली और भरोसेमंद अभिनेत्री के रूप में उनकी प्रतिष्ठा मजबूत हुई है। अपनी भूमिका के बारे में बात करते हुए, अपूर्वा ने कहा, मेहर का किरदार निभाना एक अविश्वसनीय यात्रा रही है। यह किरदार इतना भरोसेमंद और बहुस्तरीय है, जिसने इसे एक कलाकार के रूप में मेरे लिए एक चुनौती बना दिया है। मुझे उसकी बारीकियों को तलाशना और उसकी कहानी को स्क्रीन पर जीवंत करना पसंद है। यह हमेशा विशेष होता है जब आप किसी किरदार के साथ इतने गहरे स्तर पर जुड़ पाते हैं, और मैं फैमिली आज कल का हिस्सा बनने के अवसर के लिए आभारी हूं। अपूर्वा अरोड़ा, रोहन सिप्पी की फिल्म अनरियल में दिखाई देंगी।

मनोरंजन से भरपूर होगी 'मिस्टर एंड मिसेज माही' : राज कुमार राव

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता राजकुमार राव का कहना है कि उनकी आने वाली फिल्म मिस्टर एंड मिसेज माही , मनोरंजन से भरपूर फिल्म है और उसमें दर्शकों को रोमांस, इमोशन,फाइट सब कुछ देखने को मिलने वाला है। राजकुमार राव और जाह्नवी कपूर इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म मिस्टर एंड मिसेज माही को लेकर चर्चा में बने हुये हैं। राजकुमार राव ने बताया है कि फिल्म मिस्टर एंड मिसेज माही में दर्शकों को रोमांस, इमोशन,फाइट सब कुछ देखने को मिलने वाला है। उन्होंने बताया, 'मिस्टर एंड मिसेज माही' यह आप सभी की कहानी है। इस फिल्म में आप सबके लिए कुछ न कुछ है। इसमें रिलेशनशिप की स्टोरी है, हसबैंड-वाइफ की, गर्लफ्रेंड-ब्वॉयफ्रेंड उनका प्यार, उनकी फाइट, उनकी ईगो, उनका करियर इस फिल्म में बहुत कुछ है। इस फिल्म में मेरे किरदार का नाम है महेंद्र, जो एक असफल क्रिकेटर है। उसको लाइफ में क्रिकेट खेलना बहुत पसंद है। उसका सपना था कि वह एक बड़ा क्रिकेटर बने और देश के लिए खेले, लेकिन ऐसा हो नहीं पाता।इसके बाद उसकी शादी होती है।इसके बाद महेंद्र अपना सपना अपनी पत्नी के जरिए जीते हैं। पहले महिमा क्रिकेट खेलती थीं और महेंद्र उन्हें सपोर्ट करेंगे। शरण शर्मा द्वारा निर्देशित और ज़ी स्टूडियो और धर्मा प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित, 'मिस्टर एंड मिसेज माही' 31 मई 2024 को रिलीज़ होगी।

'कैसे मुझे तुम मिल गए' में मेरे किरदार को दर्शक रखेंगे सालों तक याद : किशोरी शहाणे

मुंबई/एजेन्सी

टीवी एक्ट्रेस किशोरी शहाणे विज एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री से 35 साल से जुड़ी हुई हैं। इन दिनों वह शो 'कैसे मुझे तुम मिल गए' में नजर आ रही हैं। अपने किरदार को लेकर उन्होंने बताया कि कैसे वह हर दिन अपना 100 प्रतिशत देती हैं, ताकि दर्शक उनके किरदार बबीता आहूजा को आने वाले कई सालों तक याद रखें। अपने किरदार के बारे में बात करते हुए किशोरी ने कहा, जब मुझे पता चला कि बबीता का किरदार नेगेटिव है, तो इससे मुझे जरा भी हैरानी नहीं हुई। यह किरदार नेगेटिव होने के साथ-साथ मजबूत भी है, जो हमेशा विराट की सुरक्षा का ध्यान रखता है।'' किशोरी को 'इश्क में मरजावां' और 'प्रधानमंत्री' जैसे शो के लिए जाना जाता है। उन्होंने कहा, ''बबीता के नजरिए से देखें तो वह अपने बेटे की रक्षा कर रही हैं और उसमें कुछ भी गलत नहीं है। इस किरदार को निभाना चुनौतीपूर्ण है। वह कोई बुरी इंसान नहीं है, वह सिर्फ अपने परिवार की रक्षा करती हैं। ऐसे कई पल आते हैं जब अमृता के प्रति उसका स्वभाव बदल जाता है, जिससे मुझे अपने किरदार में अचानक बदलाव लाना होता है, मेरा मानना है कि दर्शक इस किरदार को एन्जॉय करेंगे।'' एक्ट्रेस ने कहा, मेरे किरदार का एक बड़ा मकसद है और एक एक्टर के लिए ऐसे किरदार को निभाना हमेशा दिलचस्प भरा होता है। हर दिन, मैं अपना 100 प्रतिशत देती हूं ताकि आने वाले कई सालों में मेरे किरदार बबीता आहूजा को याद किया जाए। शो में सृति झा अमृता की भूमिका में हैं और अर्जित तनेजा विराट का रोल निभा रहे हैं। शो में, अमृता और विराट की 'नकली' शादी का सीक्वेंस चल रहा है। शादी की तैयारियों के बीच वे उस अपराधी को ढूंढने की कोशिश कर रहे हैं जिसने उनकी गलत तस्वीरें लीक की थीं। वहीं, विराट की मां बबीता खुद को पकड़े जाने से बचाने की पूरी कोशिश कर रही हैं। बबीता हमेशा विराट की रक्षा के लिए आगे रही हैं, लेकिन अमृता के प्रति उसकी नफरत...उसके बेटे के प्रति प्यार पर हावी हो गई है, जिसके चलते उसने यह बड़ा कदम उठाया। सीरियल में हर बार की तरह दो प्यार करने वाले शख्स एक दूजे पर भरोसा करने से बच रहे हैं। ऐसे में दर्शक मेकर्स से कुछ नया लाने की मांग कर रहे हैं। 'कैसे मुझे तुम मिल गए' जी टीवी पर प्रसारित होता है।

RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

मारवाड़ी युवा मंच बेंगलूरु स्टार्स ने नारायण हृदयालय की सहायता से राष्ट्रीय प्रकल्प के तहत इस कार्यकारिणी वर्ष का तृतीय रक्तदान शिविर वाइटफील्ड में शिलपीठा सनफ्लावर अपार्टमेंट्स में आयोजित किया। इस कैम्प में 42 यूनिट रक्त संचय किया है।

जीतो का 'धंधे से दिल तक..' का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। यहां के कला मंदिर हॉल में 26 मई की रात जीतो मैसूरु द्वारा जीतो यूथ विंग के नेतृत्व में शानदार 'धंधे से दिल तक की' प्रस्तुति मरू भूमि राजस्थान से हर्षवर्द्धन जैन उपस्थित रहे। दीप प्रज्वलन के साथ अतिथियों का स्वागत जीतो मैसूरु के चेयरमैन कांतिलाल चौहान ने किया। अतिथि के रूप में उपस्थित केकेजी जोन के चेयरमैन अशोक सालेचा का अभिनंदन किया गया। सभी दानदाताओं का भी स्वागत हुआ। यूथ विंग के चेयरमैन पुनीत श्रीश्रीमाल ने कार्यक्रम की जानकारी दी। मुख्यअतिथि अशोक सालेचा ने जीतो मैसूरु परिवार की प्रशंसा की और आने वाले दिनों में मैसूरु समाज के लिए ऐसे अनेक कार्यक्रमों के लिए पूरा सहयोग देने की बात कही। कार्यक्रम के लाभार्थियों का स्वागत किया गया। मुख्य वक्ता हर्षवर्द्धन का अभिनंदन किया गया।

कार्यक्रम की बागडोर संभालते हुए हर्षवर्द्ध ने लगभग ढाई घंटे तक श्रोताओं को बांधे रखा। दस मुख्य बिन्दुओं की समीक्षा के साथ हर पहलुओं को सुंदर सुरीली आवाज़ के साथ समझाया। मुख्य सचिव महावीर गादिया ने मंच संचालन किया। धन्यवाद ज्ञापन पुनीत जुगराज ने किया। कार्यक्रम में खजांची विनोद बाकलीवाल, सह सचिव प्रेम पालरेचा, जीतो केकेजी जोन के संयोजक चन्द्र गुप्त कटारिया, यूथ विंग मुख्य सचिव हिमांशु अच्छा, संयोजक पुनीत जुगराज, सहसंयोजक महावीर गादिया, लेडीज विंग चेयरमैन मोना भटेवरा मुख्य सचिव रजनी डागलिया के साथ पूरा जीतो परिवार ने भाग लिया।

रक्तदान शिविर में 42 यूनिट रक्त संचय

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । मारवाड़ी युवा मंच बेंगलूरु स्टार्स ने नारायण हृदयालय की सहायता से राष्ट्रीय प्रकल्प के तहत इस कार्यकारिणी वर्ष का तृतीय रक्तदान शिविर वाइटफील्ड में शिलपीठा सनप्लावर अपार्टमेंटस में आयोजित किया। इस कैम्प में 42 यूनिट रक्त संचय किया है। शाखा उपाध्यक्ष अर्चित बजाज ने बताया कि मई महीने में लगाए गए अब तक तीन रक्तदान शिविरों से कुल 86 यूनिट रक्त संचय किया। गत सप्ताह अपार्टमेंट में रक्तदान शिविर के प्रति जागरूकता फ़ैलाने में शाखा सदस्य अंकित अग्रवाल, गौरव मित्तल और अलीशा गोयल ने प्रमुख भूमिका निभाई. उन्होंने घर घर जाकर लोगों को रक्तदान के महत्व के बारे मे बताया और रक्तदान करने के लिये प्रेरित किया। रक्तदान संयोजक विकास अग्रवाल के अनुसार इस नेक काम के लिए जिस प्रकार से पूरी टीम रक्तवीरों के साथ मिलकर एकता का परिचय देती है, वह काबिले तारीफ़ है। शाखा अध्यक्ष राहुल गोयनका ने कार्यक्रम संयोजक परवीन बंसल, रोहित अग्रवाल और गौरांग गुप्ता सहित शिविर के सफल आयोजन के लिए सराहना की. साथ ही सभी रक्तदाताओं के सहयोग के लिए आतंरिक हृदय से आभार व्यक्त किया क्योंकि रक्तदान शिविर बिना रक्तदाताओं के कभी भी सफल नहीं हो सकते है। शाखा सचिव पंकज जैन ने बताया कि मायुम स्टार्स की रक्तदान समिति जून माह में भी इतनी ही शिद्दत के साथ रक्तदान शिविर का आयोजन कर जरूरतमंदों के लिए रक्त एकत्रित करती रहेगी और लोगों से आगे से आगे बढ़कर रक्तदान करने की आपेक्षा रखती है।

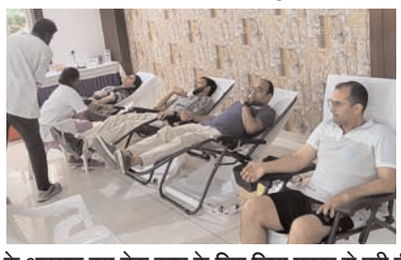

SBI

2 करोड़ रुपये से कम की 'खुदरा घरेलू सावधि जमा' पर वर्तमान ब्याज दरें।
संशोधित ब्याज दरें दिनांक 15.05.2024 से लागू होंगी। (सभी आंकड़े % प्रति वर्ष में हैं)

अवधि	सामान्य दर - नागरिकों के लिए	सामान्य दर - वरिष्ठ नागरिकों के लिए
7 दिन से 45 दिन तक	3.50	4.00
46 दिन से 179 दिन तक	5.50	6.00
180 दिन से 210 दिन	6.00	6.50
211 दिन से 1 वर्ष से कम	6.25	6.75
1 वर्ष से 2 वर्ष से कम	6.80	7.30
2 वर्ष से 3 वर्ष से कम	7.00	7.50
3 वर्ष से 5 वर्ष से कम	6.75	7.25
5 वर्ष और 10 वर्ष तक	6.50	7.50@

12-अप्रैल-2023 से प्रभावी 7.10% की ब्याज दर पर '400 दिन' (अमृत कलश) की विशिष्ट अवधि योजना। वरिष्ठ नागरिक 7.60% की ब्याज दर के लिए पात्र हैं, यह योजना 30-09-2024 तक वैध रहेगी।

@ 'एसबीआई वी-केयर' जमा योजना के तहत 50 बीपीएस का अतिरिक्त प्रीमियम शामिल है।

2 करोड़ रुपये से अधिक की 'खुदरा घरेलू सावधि जमा' पर वर्तमान ब्याज दरें।
संशोधित ब्याज दरें दिनांक 15.05.2024 से लागू होंगी। (सभी आंकड़े % प्रति वर्ष में हैं)

अवधि	सामान्य दर - नागरिकों के लिए	सामान्य दर - वरिष्ठ नागरिकों के लिए
7 दिन से 45 दिन तक	5.25	5.75
46 दिन से 179 दिन तक	6.25	6.75
180 दिन से 210 दिन	6.60	7.10
211 दिन से 1 वर्ष से कम	6.75	7.25
1 वर्ष से 2 वर्ष से कम	7.00	7.50
2 वर्ष से 3 वर्ष से कम	7.00	7.50
3 वर्ष से 5 वर्ष से कम	6.25	6.75
5 वर्ष और 10 वर्ष तक	6.00	6.50

T&C Apply*

हस्ताक्षर/-
उप महाप्रबंधक (आरसीडब्ल्यूएम)
भारतीय स्टेट बैंक, स्थानीय प्रधान कार्यालय, बैंगलोर

सहयोग — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु में राजस्थानी मित्र मंडल विजयनगर द्वारा तृतीय सेवा कार्य के अंतर्गत 27 मई को बन्नेरघट्टा स्थित एयर ह्यूमैनिटी होम्स में आवश्यक राशन की सामग्री एवं दवाई वितरण की। इस मौके पर अध्यक्ष महेन्द्र टेबा, संयोजक गौतम मुणोत, पारस मेहता, उपाध्यक्ष राजेश चावत, मंत्री कैलाश बोहरा, सहमंत्री महावीर टेबा, कोषाध्यक्ष महावीर नंदावत, कार्यसमिति सदस्य रमेश मेहता आदि उपस्थित थे।

काँठा परिषद का 7 दिवसीय पावरफुल पब्लिक स्पीकिंग कोर्स संपन्न

41 प्रशिक्षु वाक् कला में हुए पारंगत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मंच पर बोलने के भय को खत्म करने, मंच की अप्रत्याशित चुनौतियों को संभालने, अपने विचारो को प्रभाव के साथ बताने के कौशल को विकसित करने व अपनी प्रामाणिक आवाज को आत्मविश्वास के साथ रखने की कला में वृद्धि करने के उद्धेश्य से काँठाप्रांतीय बंधुओं के लिये आयोजित 7 दिवसीय पब्लिक स्पीकिंग कोर्स संपन्न हुआ। प्रशिक्षक हितेश गिरिया, नेहा चौधरी व पूजा जैन के प्रशिक्षण तथा रमेशकुमार निखिलकुमार गुन्देचा के प्रायोजन में राजाजीनगर स्थित आदिश्वर इंडिया कार्यालय में आयोजित इस केपीपीएस कार्यशाला में 40 प्रशिक्षु बोलने की कला में पारंगत हुए। रविवार को आयोजित समापन समारोह की शुरूआत नवकार स्मरण से हुई। परिषद के अध्यक्ष उत्तमचंद कोठारी ने मुख्य अतिथि, विशेष अतिथियों, फेकल्टी, प्रायोजक, प्रशिक्षुओं व उनके पारिवारिक सदस्यों, ट्रस्टियों एवं समाज के गणमान्यों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि दानवीरों के सहयोग से समाज की प्रतिभाओं को आगे लाने हेतु काँठा परिषद प्रतिबद्ध है। मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए पारस भंडारी ने प्रशिक्षुओं से कहा कि सेमिनार के पश्चात स्वयं में बदलाव अवश्यंभावी है और यहां से सीखा हुआ वापस समाज को देना आपकी जिन्मेदारी है। उन्होंने कहा कि जीवन में कुछ भी करने के लिये दिल और दिमाग के फरक को समझना होगा। उन्होंने कहा कि व्यापार, समाज, व्यवहार एवं धर्म के कार्यों का सही ढंग से आंकलन करना होगा तथा अपनी कार्यशैली, सोच, काम एवं स्वभाव में एक सोच प्रक्रिया को लाना होगा।

काँठा परिषद के मंत्री सिद्धार्थ बोहरा ने प्रशिक्षुओं से अनुरोध किया कि कार्यशाला से प्राप्त कला का उपयोग अपने दैनिक जीवन के साथ समाजोपयोगी कार्यों में अवश्य करे। साथ ही उन्होंने कहा कि ऐसे कलात्मक कार्यों में महिलाओं का बड़ी संख्या में भाग लेना काँठा समाज के लिये एक शुभ संकेत है। योजना संयोजक दिनेश खींवेसरा ने प्रशिक्षकों की मेहनत और प्रशिक्षुओं के लगन की सराहना की। उन्होंने जानकारी दी कि समापन समारोह की प्रस्तुति में प्रशिक्षुओं ने पर्यावरण, पानी, भ्रूण हत्या, खानपान, पौधारोपण, बच्चे अभिभावको के मित्र, पीढ़ी का अंतराल, लैंगिक समानता, पाश्चात्यकरण, सोशियल मीडिया, केशलेस इकोनोमि, पशु बलि, योग एवं सड़क सुरक्षा जैसे विषयों पर अपने विचार रखे। इस अवसर पर समाज सेवी महेंद्र मुणोत ने कहा कि मनुष्य को जीवन में सेवा करने के लियेज्ञान की आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनो से न केवल कब, कहा कैसे और कितना बोलना सीखाया जाता है साथ में संस्कारों से जोड़ने का कार्य भी होता है। उन्होंने कहा कि कथनी और करनी में फर्क न हो तो ही बात दूसरों तक पहुँचती है। प्रायोजक रमेश गुन्देचा ने प्रशिक्षुओं से कहा कि अपने विचारों को सुचारू रूप से लोगों को बताना है और एक सशक्त प्रांत का निर्माण करना है।

समापन समारोह में सेमिनार के प्रशिक्षक हितेश गिरिया, नेहा चौधरी व पूजा जैन ने सभी श्रोताओं को अपने दमदार व्यक्तव्य से प्रभावित किया, उन सभी ने प्रशिक्षुओं को वाक कला के उत्पादक उपयोग के सुझाव दिये। सभी प्रशिक्षकों, प्रायोजक, मुख्य अतिथियों, विशेष अतिथि गणेशमल गुगलिया, मिठ्ठालाल मुथा व सुरेश भंडारी तथा सहयोग के लिये सिमरण खींवेसरा का सम्मान किया गया। शांतिलाल खींवेसरा एवं श्रीपाल खींवेसरा ने प्रशिक्षुओं को शुभकामनाएँ दी और समाजहित में कार्य करने के सुझाव दिये। सात दिवसीय सेमिनार में सह संयोजक सूरजमल पितलिया व संजय गुन्देचा तथा भोजन व्यवस्था में रमेश गुगलिया का विशेष सहयोग रहा। सभी प्रशिक्षुओं ने बौद्धिक विकास व वाककला में निपुर्णता हेतु समय समय पर ऐसे आयोजन का आग्रह किया। इस अवसर पर समाज के अनेकों गणमान्यों, प्रशिक्षुओं के पारिवारिक सदस्यों के साथ परिषद के ट्रस्टी विजय गुगलिया, किरणराज कोठारी, महेंद्र खींवेसरा, रमेश बी गुगलिया, विनोद गुगलिया, विमल गांधी, किरण गुगलिया, कांतिलाल गुगलिया इत्यादि मौजूद थे।

नेहरू ने लोकतंत्र और धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत से देश के विकास की नींव रखी : सिद्दरामैया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने कहा कि जवाहरलाल नेहरू ने लोकतंत्र और धर्मनिरपेक्षता के संदर्भ में देश के विकास की नींव रखी। सोमवार को केपीसीसी कार्यालय में आयोजित पंडित जवाहर लाल नेहरू के पुण्यतिथि कार्यक्रम में उनके भाव चित्र पर उन्होंने पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

उन्होंने कहा कि नेहरू लोकतांत्रिक और धर्मनिरपेक्ष सिद्धांतों पर देश का विकास करने के लिए आगे बढ़े। 17 वर्षों तक देश के प्रधानमंत्री के रूप में उन्होंने भारत के भविष्य के निर्माण के लिए काम किया। वह संपूर्ण विश्व में शांति स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध थे। उन्होंने बताया कि उनका मानना था कि तभी विश्व का विकास संभव होगा। उन्होंने कहा कि नेहरू एक इतिहासकार भी थे। उन्होंने देश के भविष्य को आकार दिया क्योंकि वे देश के इतिहास को जानते थे। जैसा कि अंबेडकर ने कहा था, केवल वे ही लोग जो इतिहास को जानते हैं, देश के भविष्य को आकार दे सकते हैं। उन्होंने उदाहरण देकर बताया कि नेहरू ने यह काम करके देश का निर्माण और विकास किया।

इस मौके पर संवाददाता ओं से बात करते हुए मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने बताया कि बीजेपी और एनडीए को प्रधानमंत्री मोदी की हार पक्की है इसका पता है। वे हताशा में अजीब-अजीब बातें कर रहे हैं। वे बात कर रहे हैं कि मुझे भगवान ने भेजा है। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा कि उनकी हार ने मोदी को इस स्तर पर पहुंचा दिया है। उन्होंने कहा कि बीजेपी और मोदी हमारे संविधान की इच्छाओं के खिलाफ देश को बदलने की कोशिश कर रहे हैं और भारतीय इसकी इजाजत नहीं देंगे। बीजेपी को संविधान पर कोई भरोसा नहीं है। केवल कांग्रेस पार्टी ही संविधान की आकांक्षाओं में देश का नेतृत्व कर सकती है। नेहरू और इंदिरा गांधी ने भूमि सुधार किये, बड़े बड़े उद्योग स्थापित किए। अब बीजेपी इसका उल्टा कर रही है। उन्होंने कहा कि किसानों से जमीन छीनना और देश के उद्योगों को निजी पार्टियों को बेचना भाजपा की उपलब्धि रही है।

सिद्दरामैया ने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं की मेहनत से कांग्रेस लोकसभा में कर्नाटक से 15-20 सीटें जीत सकती है। इस मौके पर कांग्रेस अध्यक्ष एवं उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, पूर्व अध्यक्ष दिनेश गुंडूराव, कार्यकारी अध्यक्ष जीसी चंद्रशेखर, मंजूनाथ भंडारी, पूर्व मंत्री रानी सतीश, कांग्रेस वर्किंग कमेटी के सदस्य बीके हरिप्रसाद समेत कई नेता मौजूद रहे।

पारसमल भंसाली बने तेरापंथ सभा बेंगलूरु के नव निर्वाचित अध्यक्ष

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। गांधीनगर तेरापंथ सभा भवन में तेरापंथ सभा के चुनाव निष्पक्षता पूर्वक सम्पन्न हुए। मुख्य चुनाव अधिकारी कैलाश बोराणा ने जोजावर निवासी पारसमल भंसाली को वर्ष 2024-26 के लिए अध्यक्ष के रूप में घोषणा की। चुनाव की संपूर्ण प्रक्रिया महासभा के उपाध्यक्ष नरेंद्र नखत व महामंत्री विनोद बैद के देख रेख में सम्पन्न हुई। इस प्रक्रिया में मुख्य चुनाव अधिकारी कैलाश बोराणा, व्यवस्था प्रभारी महावीर धोका, महासभा से प्रकाशचंद लोढ़ा, संजय बांठिया के अलावा 50 सदस्यों की टीम का विशेष श्रम रहा। ज्ञानशाला से महिला सदस्यों का भी योगदान रहा। तेरापंथ सभा मंत्री गौतम मांडोत, प्रत्याशी एम. सी. बलदोटा तथा महासभा पदाधिकारियों ने नव निर्वाचित अध्यक्ष को बधाई दी। महासभा कार्यकारिणी सदस्य नवनीत मुथा ने संचालन किया।

मित्र ज्योति के दृष्टिबाधितों के लिए खुशी का पल 'श्रीकांत' की स्पेशल स्क्रीनिंग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मित्र ज्योति के दृष्टिबाधित विद्यार्थियों, प्रशिक्षणार्थियों एवं उनके अन्य संगी साथियों के लिए वह अत्यंत उत्साह-उमंग व सुखद अनुभूति का पल था, जब वे शहर के एक मल्टीप्लेक्स सिनेमाघर से अपने जैसे ही एक दृष्टिबाधित व्यक्ति के जीवन पर आधारित फिल्म 'श्रीकांत' देखकर बाहर निकले। उनके चेहरों पर खुशी की झलक साफ दिखाई दे रही थी। उनके लिए फिल्म देखने से ज्यादा खुशी इस बात की थी कि यह फिल्म उनके जैसे ही एक दृष्टिबाधित व्यक्ति की बायोपिक थी। इस फिल्म में दृष्टिबाधित उद्योगपति तथा बोलैंट इंडस्ट्रीज के संस्थापक श्रीकांत बोल्ला के जीवन से जुड़ी प्रेरणादायक कहानी में उन्हें अपने जीवन की झलक देखने को मिली। एक दृष्टिबाधित व्यक्ति को अपने जीवन में सफलता का मुकाम हासिल करने के लिए किस तरह अनेक चुनौतियों व मुश्किलों का सामना करना पड़ता है, पूरी फिल्म में इसका सजीव चित्रण देखने को मिलता है। यह कहना है 'मित्र ज्योति' की प्रबंध न्यासी मधु सिंघल का जो खुद भी दृष्टिबाधित हैं और विगत 34 वर्षों से अपनी संस्था के माध्यम से दृष्टिबाधितों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए कार्य कर रही हैं। उन्होंने बताया कि 'मित्र ज्योति' की ओर से दृष्टिबाधित और कम दृष्टि वाले व्यक्तियों के लिए अपने मित्रों व परिजनों के साथ फिल्म देखने की विशेष व्यवस्था की गई थी। लगभग 70 दृष्टिबाधित छात्र-छात्राओं के साथ मित्र-ज्योति के कर्मचारियों तथा डेल एवं प्रकट सॉल्यूशन के वालंटियर्स ने भी फिल्म की स्पेशल स्क्रीनिंग का आनंद लिया।

फिल्म जगत में अपने अभिनय की विशेष छाप छोड़ने वाले अभिनेता राजकुमार राव अभिनीत तथा निर्देशक तुषार हीरानंदानी द्वारा निर्देशित फिल्म 'श्रीकांत' दृष्टिबाधितों के लिए एक प्रेरणादायी फिल्म है। इसलिए संस्था की ओर से विद्यार्थियों के लिए फिल्म की स्पेशल स्क्रीनिंग की व्यवस्था की। विद्यार्थियों को फिल्म बहुत पंसद आई। यह सिर्फ एक बायोपिक नहीं है, बल्कि मानवीय लचीलेपन और दृढ़ संकल्प का उत्सव है, जो आत्म-सम्मान और उत्कृष्टता के शक्तिशाली संदेश के माध्यम से दर्शकों के बीच गहराई से गूंजता है। दृष्टिबाधितों और कम दृष्टि वाले व्यक्तियों ने अपने मोबाइल फोन पर एक्सएल सिनेमा ऐप डाउनलोड कर अपने हेडफ़ोन के माध्यम से ऑडियो विवरण सुना।

संस्था की कार्यकारी निदेशक आशा श्रीधर ने एक विज्ञप्ति में यह जानकारी देते हुए बताया कि मित्र ज्योति की यह पहल एक समावेशी समाज को बढ़ावा देने और उसके सहयोगियों की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है, जहां हर कोई सिनेमा के जादू का अनुभव कर सकता है।

हमें कांग्रेस को कैडर आधारित पार्टी में तब्दील करना होगा : डीके शिवकुमार

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । कांग्रेस की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष डी.के. शिवकुमार ने सोमवार को पार्टी को ''कैडर-आधारित पार्टी'' में बदलने की आवश्यकता पर जोर दिया और कहा कि इसे साकार करने के लिए राज्य में एक कार्यक्रम शुरू किया जाएगा। राज्य के उपमुख्यमंत्री शिवकुमार ने कहा कि प्रदेश कांग्रेस की सभी ब्लॉक इकाइयों को भंग करने की तैयारी चल रही है, जिसका उद्देश्य नए चेहरों को मौका देना है।

वह पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में राज्य कांग्रेस द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। शिवकुमार ने कहा, मैं आपसे एक अनुरोध कर रहा हूं। मैं अपने सभी पदाधिकारियों को बता रहा हूं और अपने सभी जिला अध्यक्षों को फोन कर रहा हूं, जो दस साल या पांच साल या दो कार्यकाल से (पदों पर) हैं, कि हम नए चेहरों को मौका देने के लिए इन इकाइयों को भंग करने की तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ''मैं आपको एक जून के लिए एक काम सौंप रहा हूं। मैंने प्रदेश पदाधिकारियों की बैठक बुलाई है। हम कांग्रेस कुटुम्ब' नामक एक नया कार्यक्रम शुरू कर रहे हैं, प्रत्येक बूथ में 50 परिवारों को सदस्य बनाया जाना चाहिए...यदि अब हम अपनी पार्टी को कैडर-आधारित' पार्टी नहीं बनाते हैं....देखिए चुनाव के दौरान भाजपा, आरएसएस (कैडर) का किस तरह इस्तेमाल करती है।'' यह दावा करते हुए कि भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा था कि उनकी पार्टी आरएसएस के बिना चुनाव लड़ेगी, शिवकुमार ने कहा, आरएसएस के बिना वे (भाजपा) शून्य हैं।

देव गुरु धर्म से रहे कनेक्ट : साध्वी दर्शनप्रभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूर। शहर के प्रेस्टीज अपार्टमेंट में विराजित श्रमण संघीय उपप्रवर्तिनी साध्वीश्री दर्शनप्रभाजी ने सोमवार को अपने प्रवचन में कहा कि 'प्रवचन यानी प्रगति के वचन।' प्रगति की ओर ले जाने वाला है होता है प्रवचन। सभी दुखों का नाश करने वाला है होता है प्रवचन। उसी का सहारा हमने लिया है, जो हमारे जीवन के डिब्बे को गंतव्य तक पहुंचता है। आत्मा भी एक प्रकार की जज है जो मोक्ष तक पहुंच सकती है।

साध्वी समृद्धिश्री ने कर्म हमें जीवन में देव, गुरु, धर्म से कनेक्ट रखते है और जीवन में सफल हो सकते है। साध्वीश्री का आगामी चातुर्मास यशवंतपुर में तय है। कार्यक्रम का संचालन प्रवेश मेहता ने किया।

आचार्य जिनमणि 5 जून तक जालना पहुंचेंगे

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। यहां प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार खरतरगच्छाधिपति आचार्यश्री जिनमणिप्रभसूरीश्वरजी म. सा., गणिवर्य मयंकप्रभ सागरजी आदि सोलापुर से विहार करते हुए 25 मई को बार्शी पहुंचे। यहां श्रीसंघ ने आचार्यश्री का भव्य सामैया किया। यहां आदिनाथ परमात्मा के 104 वर्षीय प्राचीन जिनमंदिर में दर्शन के उपरांत आराधना भवन में आचार्यश्री का प्रेरणादायी प्रवचन हुआ। आचार्यश्री ने अपने जीवन को सार्थक करने व जिन शासन के प्रति पूर्ण समर्पित रहने की प्रेरणा दी। वहां से शाम को जालना की ओर विहार किया। विहार में बार्शी श्री संघ व विहार सेवा ग्रुप ने पूरी व्यवस्था सम्हाली। आचार्यश्री ने उनके भावों की खूब अनुमोदना की। आचार्यश्री 5 जून तक जालना पहुंचेंगे। दादावाड़ी में प्रवेश 7 जून को होगा। लगभग 150 वर्ष प्राचीन जीर्णोद्धार कृत इस दादावाड़ी की प्रतिष्ठा आगामी 12 जून को सम्पन्न होगी।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com